रांची, बुधवार
11 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 185
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

फीचर

करीना कपूर को क्या हो गया? सामने आया ऐसा वीडियो, देखकर टेंशन में आए फैंस

झारखंड

उपायुक्त व एसएसपी ने किया नशा मुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना

हजारीबाग

हजारीबाग से फरार तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने 15 घंटे में किया गिरफ्तार

मोदी सरकार के 11 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये: स्मृति ईरानी

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची में कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल के शासन में देश में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये हैं. स्मृति ने कहा कि देश में 4 करोड़ मकान गरीबों को मिले हैं. 15 करोड़ परिवारों को नल से पेयपानी की आपूर्ति शुरू करायी गयी है. स्मृति ईरानी मोदी सरकार के शासन के 11 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में संवाददाताओं को संबोधित कर रहीं थीं.

इस अवसर पर उन्होंने कहा, 'बहुआयामी गरीबी से लोगों को बाहर निकालना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प रहा है. इसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत ने देखा है कि कैसे 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलकर तेजी से समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं.'

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा 5 सिद्धांतों पर आधारित है- राष्ट्रवाद, लोकतंत्र में विश्वास, गरीबों, शोषितों और वंचितों के प्रति गांधीवादी विचार, सभी धर्मों की समानता और मूल्य आधारित राजनीति. स्मृति ईरानी ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी घरेलू गैस के लगभग 12 करोड़ कनेक्शन वितरित किये गये हैं, जबकि पिछले 11 वर्षों में 12 करोड़ शौचालय बनाये गये हैं.

उन्होंने कहा कि मोदी मंत्रिमंडल में समाज के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व है. मंत्रिपरिषद में 60 प्रतिशत से अधिक मंत्री अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचति जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों से हैं. स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 को हटाया.

स्मृति ईरानी ने कहा, 'कुछ दिन पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने चिनाब पुल का उद्घाटन करके अटल (बिहारी वाजपेयी) जी के सपनों को पूरा किया है. अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे 'राष्ट्रीय महत्व की परियोजना' का दर्जा दिया था.' उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा निर्यात में 34 गुना वृद्धि हुई है और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद 'मेक इन इंडिया' रक्षा प्रणाली को व्यापक प्रशंसा मिली है.

झारखंड के 8 आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता द्वारा

रांची। राज्य के आठ आईपीएस अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय ने अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। ये अधिकारी उक्त पद पर नियमित पदस्थापन होने तक प्रभार में रहेंगे। वर्तमान में अन्यत्र स्थानांतरण-पदस्थापन के फलस्वरूप एसपी-समादेष्टा के कई पद रिक्त हो गए हैं। एसपी-समादेष्टा के पदस्थापन नहीं रहने की स्थिति में उक्त पदों से संबंधित कार्यों के निष्पादन एवं वेतन आदि की निकासी में काफी कठिनाई हो रही है। इसी उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय आठ आईपीएस अधिकारियों को खाली पड़े रिक्त पदों का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इससे संबंधित आदेश मंगलवार को जारी कर दिया गया है।

जिन्हें सौंपा गया है अतिरिक्त प्रभार

सौरभ : जैप-10 होटवार के समादेष्टा हैं, इन्हें जैप-1 के समादेष्टा का अतिरिक्त प्रभार।

कपिल चौधरी: एसपी ग्रामीण धनबाद हैं, इन्हें जैप-3 गोविंदपुर धनबाद के समादेष्टा का अतिरिक्त प्रभार।

राजकुमार मेहता: एसपी जामताड़ा हैं, इन्हें आइआरबी-1 जामताड़ा के समादेष्टा का अतिरिक्त प्रभार।

सुमित कुमार अग्रवाल: एसपी चतरा हैं, इन्हें आइआरबी-3 चतरा के समादेष्टा का अतिरिक्त प्रभार।

हरिश बिन जमां: एसपी गुमला हैं, इन्हें आइआरबी-5 गुमला के समादेष्टा का अतिरिक्त प्रभार।

मुकेश कुमार : एसपी गोड्डा हैं। इन्हें आइआरबी-8 गोड्डा के समादेष्टा का अतिरिक्त प्रभार।

ऋत्विक श्रीवास्तव : एसपी नगर धनबाद हैं। इन्हें एसपी रेल धनबाद का अतिरिक्त प्रभार।

ऋषभ गर्ग : एसपी ग्रामीण जमशेदपुर हैं। इन्हें एसपी रेल जमशेदपुर का अतिरिक्त प्रभार।

सीता सोरन समेत 9 के खिलाफ चोरी, रंगदारी और किडनैपिंग का मामला दर्ज

क्राइम संवाददाता द्वारा

धनबाद। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन समेत नौ अन्य के विरुद्ध मंगलवार को धनबाद की अदालत में मुकदमा दर्ज किया गया है। जगन्नाथपुर, रांची निवासी सीता सोरन के पूर्व पीए देवाशीष मनोरंजन घोष ने हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन, बरबड्डा निवासी सुनील चौधरी उर्फ सुनील पासी समेत 9 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 308(4), 115(2), 126(2), 316(2), 318(4), 14](3), 61(2) चोरी, रंगदारी, मारपीट, चीटिंग अपहरण एवं आपराधिक षड्यंत्र का केस दर्ज किया गया है।

धनबाद के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला की अदालत ने देवाशीष के अधिवक्ता के के तिवारी की दलील सुनने के बाद मुकदमे को सुनवाई के लिए स्वीकृत कर लिया है।

देबाशीष ने अदालत में दायर शिकायतवाद में आरोप लगाया है कि वह सीता सोरेन का निजी सचिव था। 6 मार्च 25 को सीता सोरेन ने उसे कतरास में एक शादी समारोह में जाने के लिए कहा था, जिसके बाद वह अपनी गाड़ी से शादी समारोह में शामिल होने हेतु सीता सोरेन के साथ धनबाद आया।

समारोह में शामिल होने के बाद वह सोनोटोल होटल में विश्राम के लिए गया था। रात के 11.30 बजे सीता सोरेन के कहने पर सभी आरोपियों ने देवाशीष के साथ मारपीट कर उससे सादा कागज पर हस्ताक्षर करा लिया और उसके सारे एटीएम कार्ड लेकर विभिन्न जगह से चार लाख रुपए की निकासी कर ली।

देवाशीष ने आरोप लगाया है कि आरोपी सुनील चौधरी एवं राहुल नोनिया द्वारा लाए गए अवैध देसी कट्टा को जबरन देवाशीष को पकड़ाने की कोशिश की एवं थाना को सूचना कर सीता सोरेन ने अपने राजनीतिक पहुंच का फायदा उठाते हुए देवाशीष के विरुद्ध एक झूठा मुकदमा आर्म्स एक्ट के तहत सरायढेला थाना में दर्ज करवाकर उसे जेल भेजवा दिया।

देवाशीष ने आरोप लगाया है कि सभी आरोपियों ने उसका गाड़ी, जमीन के कागजात व अन्य सामान छीन लिए जो वापस नहीं किया। देवाशीष ने यह भी आरोप लगाया कि जब वह जेल से बाहर निकला और इस पूरी घटना की शिकायत सरायढेला थाना प्रभारी को 27 मई 25 को की थी, परंतु घाना के द्वारा कार्रवाई नहीं की गई।

रांची के रिम्स में कोविड संक्रमित मरीज की मौत, झारखंड में इस साल पहला मामला

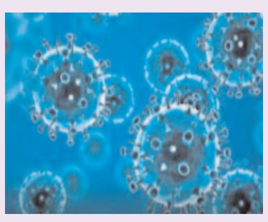

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल, राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में एक कोविड संक्रमित मरीज की मौत हो गई है. यह 2025 में झारखंड में कोविड से संबंधित पहली मौत है. मृतक बोकारो का निवासी था और उसकी उम्र लगभग 45 वर्ष थी. उसका इलाज रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा था.

रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिरेंद्र बिरुआ ने बताया, मरीज कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित था. वहीं, ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख डॉ. प्रदीप भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया कि कोविड को मरीज की मौत का मुख्य कारण मानना उचित नहीं है. उन्होंने ईटीवी भारत को बताया, मरीज का इलाज सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकेट्री (सीआईपी), रांची में चल रहा था. कुछ दिन पहले उसे वेंटिलेटर सपोर्ट के साथ रिम्स लाया गया था. जांच में पता चला कि खाने के दौरान उनके फेफड़ों में भोजन चला गया था, जिससे शरीर में विषाक्तता (सेप्सिस) फैल गई थी. उनका हृदय काम नहीं कर रहा था. इस बीच उनकी कोविड जांच हुई, जो पॉजिटिव आई. इसे 'इंसिडेंटल फाइंडिंग' कहा जाता है. इसलिए उनकी मौत कोविड के कारण हुई कहना ठीक नहीं होगा, क्योंकि ऑक्सीजन की कमी से उनकी मृत्यु नहीं हुई.

डॉ. प्रदीप भट्टाचार्य ने बताया, रिम्स में एक अन्य कोविड संक्रमित मरीज भर्ती है, जो हृदय, किडनी और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित है. उसे आईसीयू में रखा गया है और उसकी कोविड रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है. उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले एक अन्य कोविड संक्रमित मरीज ठीक होकर घर जा चुका है.

रांची में अब तक सात मरीज कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं. जिला प्रशासन ने बताया कि कोविड जैसे लक्षण (बुखार, सांस लेने में तकलीफ, या लंबे समय तक खांसी) होने के बावजूद लोग जांच से बच रहे हैं. प्रशासन ने सलाह दी है कि लंबे समय तक बुखार, सांस लेने में परेशानी, या खांसी ठीक न होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें और मास्क का उपयोग करें.

आईपीएल के बाद महेंद्र सिंह धोनी रांची में जेएससीए स्टेडियम और फार्म हाउस में बिता रहे समय

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

रांची: आईपीएल 2025 के समापन के बाद महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों अपने घर रांची में सुकून के पल बिता रहे हैं. रांची के धुर्वा स्थित झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (JSCA) स्टेडियम में वे नियमित रूप से पहुंचते हैं, जहां वे जिम में वर्कआउट करते हैं और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों से मुलाकात करते हैं. धोनी का यह सिलसिला उनके क्रिकेट के प्रति प्रेम और खिलाड़ियों के प्रति मार्गदर्शन की भावना को दर्शाता है.

धोनी ने छ्रस्ष्ट के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं. दोनों के बीच काफी देर बातचीत हुई, जिससे स्टेडियम का माहौल और भी जीवंत हो गया. खास बात यह है कि धोनी अक्सर खुद अपनी कार या बाइक चलाकर स्टेडियम पहुंचते हैं, जो उनकी सादगी और आम जिंदगी जीने की आदत को स्पष्ट करता है.

इसके अलावा धोनी अपने फार्म हाउस में भी समय बिता रहे हैं, जो रांची के सिमलिया में स्थित है. इस फार्म हाउस में दूध उत्पादन, मछली पालन, बागवानी और साग-सब्जी की खेती की जाती है. धोनी जब भी समय निकाल पाते हैं, वे खुद अपने फार्म की देखभाल करते हैं, जो उनके पर्यावरण और प्रकृति प्रेम को दर्शाता है.महेंद्र सिंह धोनी का यह सादगीपूर्ण जीवन उनके प्रशंसकों के लिए एक प्रेरणा है. वह क्रिकेट से दूर रहते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं और युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं. महेंद्र सिंह धोनी के एक प्रशंसक कुशमाही ने बताया कि वह लगभग नियमित ही स्टेडियम पहुंच रहे हैं. मंगलवार को भी वह स्टेडियम पहुंचे थे और छ्रस्ष्ट के प्रेसिडेंट अजयनाथ शाहदेव के साथ मुलाकात भी की है.

झारखंड के विश्वविद्यालयों में 7 साल से नहीं हुए छात्र संघ चुनाव

संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव पिछले सात वर्षों से नहीं हुए हैं. आखिरी बार वर्ष 2019 में छात्र संघ चुनाव कराए गए थे, उसके बाद से यह प्रक्रिया ठप पड़ी है. इससे न केवल छात्रों की आवाज कमजोर हुई है, बल्कि विश्वविद्यालयों में छात्रों से जुड़ी समस्याओं का समाधान भी ठहर सा गया है. छात्रों का मानना है कि रांची विश्वविद्यालय समेत झारखंड के सातों विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव नहीं होना न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक बन गया है बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के कमजोर पड़ने के भी स्पष्ट संकेत की ओर इशारा कर रहा है. राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में वर्ष 2019 में छात्र संघ चुनाव कराए गए थे. इसके बाद 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षणिक गतिविधियां ठप हो गई. छात्र संघ चुनाव को न कराने के लिए महामारी को कारण बताया गया, लेकिन महामारी समाप्त होने के बाद भी कोई ठोस पहल नहीं की गई, जिससे छात्र संगठनों और प्रतिनिधियों में गहरी नाराजगी है.

अब सवाल उठता है कि जब बाकी शैक्षणिक गतिविधियां पटरी पर लौट चुकी हैं, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ऑफलाइन क्लास और परीक्षाएं नियमित हो चुकी हैं, तब छात्र संघ चुनाव न कराने के पीछे क्या वजह है? इस मामले पर छात्र संगठनों का कहना है कि यह विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार की संयुक्त लापरवाही का परिणाम है.

कुछ विश्वविद्यालयों में अभी भी वर्ष 2019 में चुने गए प्रतिनिधियों से ही काम लिया जा रहा है, जबकि उनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है. ऐसे में सवाल उठता है कि कार्यकाल समाप्त हो चुके प्रतिनिधियों से किस आधार पर छात्रों की समस्याओं का समाधान करवाया जा रहा है? यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है, बल्कि विश्वविद्यालयों की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है. छात्र संगठनों का तर्क है कि बिना वैध जनादेश के किसी भी छात्र प्रतिनिधि को अधिकार देना न केवल अनुचित है, बल्कि छात्रों के अधिकारों का हनन भी है.

कुछ विश्वविद्यालयों का कहना है कि जब तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, छात्र संघ चुनाव कराना संभव नहीं है, क्योंकि चुनाव में भागीदारी के लिए छात्रों का नामांकन जरूरी है. रांची विश्वविद्यालय और डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय की ओर से संकेत दिए गए हैं कि इस शैक्षणिक सत्र में नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद छात्र संघ चुनाव कराए जा सकते हैं.

इन संस्थानों का कहना है कि सितंबर के अंत तक नामांकन प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है. उसके बाद चुनाव संबंधी प्रक्रिया को गति दी जाएगी, लेकिन छात्र संगठनों का मानना है कि यदि प्रशासन वास्तव में इच्छुक होता तो समय रहते नामांकन प्रक्रिया को तेज किया जा सकता था और चुनाव की योजना बनाई जा सकती थी.

झारखंड: राहुल गांधी चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट में होंगे सशरीर हाजिर

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड उच्च न्यायालय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मामले में सुनवाई में मंगलवार को सुनवाई हुई। भारतीय जनता पार्टी नेताओं पर टिप्पणी किए जाने के मामले में दायर मानहानि याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया।

हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की अदालत में मामले की सुनवाई। अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि अदालत ने राहुल गांधी को 6 अगस्त को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इससे पहले चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट की ओर से राहुल गांधी को 26 जून को उपस्थिति दर्ज कराने का दिया था। जिसे चुनौती देते हुए राहुल गांधी की ओर से झारखंड हाईकोर्ट के समक्ष क्वाशिंग याचिका दायर की गई थी।

अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि अदालत ने फिलहाल किसी भी प्रकार की पीड़क कार्रवाई पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। अदालत में राहुल गांधी के अधिवक्ता की ओर से 26 जून की जगह 6 अगस्त को पेश होने की छूट देने का आग्रह किया गया था। इस पर हाईकोर्ट ने सहमति जताते हुए 6 अगस्त तक के लिए गैर जमानती वारंट को स्थगित करने का आदेश दिया।

दरअसल, यह पूरा मामला राहुल गांधी की ओर से 28 मार्च 2018 को कांग्रेस अधिवेधन में भाजपा नेताओं के खिलाफ दिए गए भाषण से जुड़ा है। इसे लेकर भाजपा नेता प्रताप कुमार की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया गया था। जिस पर 20 फरवरी 2020 को झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर उस वाद को रांची में एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट में भेज दिया गया था। बाद में इस मामले को चाईबासा की विशेष अदालत में भेज दिया गया। समन मिलने के बावजूद राहुल गांधी कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए, फिर दोबारा कोर्ट के स्तर से जमानतीय वारंट भेजा गया। इसके बावजूद राहुल गांधी उपस्थित नहीं हुए थे।

नशा मुक्त अभियान को लेकर प्रोजेक्ट भवन में आयोजित की गई कार्यशाला

संवाददाता द्वारा

रांची: स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है और हमलोग उनके इस संकल्प को पूरा करने के लिए दिन रात लगे हुए हैं। इसी के तहत यह नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है, जो 10 जून से शुरू हो चुका है और इसका भव्य समापन 26 जून को मोरहाबादी मैदान में किया जाएगा। इसी के तहत इस कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सभी जिलों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से जागरूकता प्रचार वाहनों को भी रवाना किया जा रहा है, जो सभी जिलों में जाकर लोगों को नशा के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करेगा। डॉ अंसारी मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में नशा मुक्ति अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गृह विभाग और सूचना जनसंपर्क विभाग के सहयोग से तैयार मादक पदार्थों के दुरुपयोग से संबंधित पुस्तिका का विमोचन भी किया, साथ ही कार्यशाला में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी सहित उपस्थित पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने नशा मुक्त भारत बनाने हेतु शपथ ली। डॉ अंसारी ने कार्यक्रम के उपरांत प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना भी किया ।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं और लोगों को नशे की लत से बाहर निकालना है। आज से इस अभियान की शुरुआत हो रही है। अभियान के तहत सभी जिलों में प्रचार वाहन जाएंगे, स्कूलों और कॉलजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। झारखंड के विभिन्न जिलों खासकर रांची,खूंटी में अफीम की खेती की रोकथाम हेतु कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। हमारा प्रयास जारी है और हमने काफी हद तक इसमें रोक लगाने में सफलता भी पाई है,लेकिन हमारा लक्ष्य अफीम की खेती को पूरी तरह से खत्म करना है। अफीम की खेती का बड़े पैमाने पर विनष्टीकरण किया गया है, यह सरकार की उपलब्धि है।नशा सामाजिक, मानसिक और आर्थिक रूप से लोगों को बर्बाद कर रहा है। डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य में 10,134 मेडिकल स्टोर में 4,000 से अधिक स्टोरों में सीसीटीवी का प्रावधान किया जा चुका है, शेष में लगाने की प्रक्रिया चल रही है। झारखंड में सबसे ज्यादा युवा नशे की चपेट में है। हमें झारखंड के लोगों को नशे की चपेट से बाहर निकलना है। उन्होंने गुटखा खाने के दुष्परिणाम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लोगों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक करने की जरूरत है।

डॉ इरफान अंसारी ने कहा झारखंड को जल्द ही हम रिम्स 2 की सौगात देने जा रहे हैं। साथ ही यहां 6 नये मेडिकल कॉलेज और 2 टेस्टिंग लैब भी खुलेंगे। ताकि यहां के लोगों को बाहर इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि नशा सभी बीमारियों की जड़ है, नशे के चक्कर में पड़ कर युवा कम उम्र में ही इसकी गिरफ्त में पड़ कर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। हमें उन्हें जागरूक करना होगा। यह सिर्फ 14 दिन का कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह कार्यक्रम पूरे साल भर चलना चाहिए। । मीडिया से अनुरोध है कि जागरूकता अभियान को फोकस करें और लोगों को भी जागरूक करें।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने कहा कि मादक पदार्थों का दुरुपयोग पूरे समाज में फैल गया है। युवा वर्ग इसके सेवन के आदी हो चुके हैं। ये कैंसर की तरह समाज में फैल रहा है, फिर भी हम इस खुल कर बात नहीं कर पा रहे। हमें लोगों को इसके दुष्परिणाम के बारे में बताना होगा। जनजागरूकता के माध्यम से हमें उन युवाओं और बच्चों को समझाना है न कि डंडे के माध्यम से। हमें हाई स्कूल स्तर से ही इस दिशा में काम करने की जरूरत है। छोटी उम्र के बच्चों और युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाना है।

उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से जानकारी दी जाएगी कि कैसे नशा मुक्ति से रोकने हेतु कार्य करना है। बड़े शहरों में जैसे रांची ,जमशेदपुर, धनबाद, पलामू,बोकारो आदि में ड्रग्स का कारोबार बढ़ रहा है, इनके नेटवर्क को तोड़ने की जरूरत है। जो सिर्फ थाना स्तर पर संभव नहीं है, इस पर जिला और मुख्यालय स्तर पर काम करने की जरूरत है। मीडिया का भी इसमें अहम रोल है ताकि ऐसे लोगों के चेहरों को उजागर किया जा सके, जो नशे के कारोबार में लिप्त हैं।

उन्होंने कहा कि ड्रग्स के संबंध में कानून के बारे में जानकारी दी जाएगी कि दवा दुकान से किन परिस्थिति में आपको ड्रग्स दी जाएगी। अभी दवा दुकानों में सीसीटीवी लगाने की कार्ययोजना है। जल्द ही विभाग एक पोर्टल तैयार करेगा जिसमें सभी रेगुलेटेड दवाओं की जानकारी समाहित रहेगी। ड्रग्स लेने वाले लोगों का ट्रीटमेंट भी किया जाएगा। राज्य के दो महत्वपूर्ण संस्थान जिसमें एक रिनपास और दूसरा सीआईपी में ऐसे लोगों का ट्रीटमेंट कराया जाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय पर कार्यशाला का आयोजन जिला और प्रखंड स्तर भी होगा।

गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने कहा कि झारखंड में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग की समस्या से हम सब परिचित हैं। नशा में पड़ कर लोग वित्तीय तनाव, घरेलू हिंसा और जैसी समस्याओं का सामना करने लगते हैं, इतना ही नहीं आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल हो जाते हैं, जो समाज और कानून व्यवस्था के लिए चुनौती पैदा करती है। युवाओं में इसका सेवन अधिक देखने को मिलता है इस बारे में हमें खुल कर बात करनी होगी।

राजा रघुवंशी को सोनम ने दिया खाई में धक्का! आखिरी सांस तक वो हत्यारों से लड़ते रहे

धर्मेंद्र कुमार

नई दिल्ली : इंदौर के शादीशुदा कपल राजा रघुवंशी और सोनम की कहानी सोमवार को पूरी तरह से बदल गई। राजा की लाश मिलने के ठीक सात दिन बाद सोनम रघुवंशी सामने आई और यूपी के गाजीपुर में पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस का कहना है कि सोनम ने सुपारी देकर हत्यारों को हायर किया और अपने पति राजा की हत्या की साजिश रची। इस साजिश में उसका प्रेमी राज कुशवाहा भी शामिल था। अभी तक सोनम को पीड़ित समझा जा रहा था, लेकिन अब वही इस पूरी साजिश की असली मास्टरमाइंड निकली। वहीं, सोनम के पिता ने कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के आरोपों को गलत बताया और दावा किया कि उनकी बेटी निर्दोष है। उनका कहना है कि सोनम को फंसाया जा रहा है। दूसरी तरफ राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने दावा किया है कि सोनम ने सरेंडर नहीं किया, बल्कि परिवार ने कॉल आने के बाद पुलिस को उसकी खबर दी थी। अचानक बदली इन घटनाओं ने मामले को किसी थ्रिलर फिल्म जैसा बना दिया है। इस बीच एक और हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। कैसे लिखी गई मौत की स्क्रिप्ट, राजा रघुवंशी की हत्या उनकी पत्नी सोनम के सामने ही हुई थी। रिपोर्ट में मेघालय पुलिस के हवाले से बताया गया है कि राजा रघुवंशी की हत्या की ये पूरी स्क्रिप्ट सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने मिलकर रची थी। प्लान ऐसा था कि किसी को भनक तक ना लगे कि ये काम उन दोनों ने किया है। 11 मई को जब सोनम और राजा की शादी हुई तो दोनों परिवार खुश थे, किसी को एहसास नहीं था कि ये खुशियां बहुत जल्द मातम में बदलने वाली हैं। सोनम का व्यवहार ऐसा था, जैसे वो इस परिवार को वर्षों से जानती है। अपने ऊपर शक करने की उसने कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी। घर से जैसे ही शादी के मेहमान विदा हुए, सोनम ने पांच दिन बाद राजा को मारने का प्लान बना लिया।

> “ अचानक बदली इन घटनाओं ने मामले को किसी थ्रिलर फिल्म जैसा बना दिया है। इस बीच एक और हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। कैसे लिखी गई मौत की स्क्रिप्ट, राजा रघुवंशी की हत्या उनकी पत्नी सोनम के सामने ही हुई थी। रिपोर्ट में मेघालय पुलिस के हवाले से बताया गया है कि राजा रघुवंशी की हत्या की ये पूरी स्क्रिप्ट सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने मिलकर रची थी। प्लान ऐसा था कि किसी को भनक तक ना लगे कि ये काम उन दोनों ने किया है। 11 मई को जब सोनम और राजा की शादी हुई तो दोनों परिवार खुश थे, किसी को एहसास नहीं था कि ये खुशियां बहुत जल्द मातम में बदलने वाली हैं। सोनम का व्यवहार ऐसा था, जैसे वो इस परिवार को वर्षों से जानती है। अपने ऊपर शक करने की उसने कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी।

एक किलोमीटर दूर हत्यारों का बसेरा : प्लान के मुताबिक, राज इंदौर में ही रहा। सोनम, विशाल, आकाश और आनंद शिलॉन्ग गए। सोनम ने सबको अलग-अलग और अपने होम स्टे से दूर रुकने के लिए कहा। इसलिए, आरोपी शिलॉन्ग में सोनम और राजा के होम स्टे से लगभग 1 किलोमीटर दूर एक होटल में रुके थे। सोनम के पास इन सभी आरोपियों के फोन नंबर थे। पुलिस का कहना है कि सोनम जहां भी जाती थी, वह आरोपियों को अपनी लोकेशन भेजती थी। इससे आरोपियों को राजा तक पहुंचने में मदद मिली। 23 मई को सोनम राजा को पहाड़ी इलाके कोरसा में ले गई। उसने फोटो शूट का बहाना बनाया था। रास्ते में तीन और लोग राजा से मिले। वे सब साथ में चलने लगे। आरोपियों ने मेघालय पुलिस को बताया कि इस दौरान सोनम थकने का नाटक कर रही थी और धीरे-धीरे पीछे रह गई।

खाई में फेंकने से पहले चल रही थी सांसें : पहाड़ी पर चढ़ते-चढ़ते आरोपी भी थक गए और राजा की हत्या करने से मना किया। सोनम को लगा कि उसका प्लान फेल हो रहा है। ऐसे में उसने आरोपियों से कहा कि उन्हें राजा को मारना ही होगा, बदले में वह 20 लाख रुपए देगी। उसने राजा के पर्स से निकाले हुए 15 हजार रुपए भी उन्हें दे दिए। फिर एक सुनसान जगह पर उसने अचानक चिल्लाकर कहा, 'मार दो इसे'। राजा रघुवंशी की हत्या में चार लोग शामिल थे। इनमें से विशाल चौहान ने राजा पर पीछे से हमला किया। उस वक्त सोनम भी वहीं मौजूद थी। इस दौरान दूसरा आरोपी आकाश राजपूत किराए की बाइक से आसपास नजर रखे हुए था। राजा ने आरोपियों का मुकाबला भी करने की कोशिश की, लेकिन वह बुरी तरह घायल हो चुके थे। खाई में फेंकने से पहले तक राजा की सांसें चल रही थीं।

ऑनलाइन खरीदा था हथियार : आरोपियों ने जब राजा को खाई में फेंकने की कोशिश की, तो सोनम भी उनकी मदद के लिए आ गई और उसने खुद अपने पति को धक्का दिया। सबकुछ प्लान के मुताबिक होने के बाद सोनम शिलॉन्ग से गुवाहाटी चली गई और फिर ट्रेन से यूपी के लिए रवाना हो गई। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने राजा को मारने के लिए जिस हथियार का इस्तेमाल किया, वह 'डाव' था। 'डाव' का मतलब है एक छोटी कुल्हाड़ी। उन्होंने इसे गुवाहाटी से ऑनलाइन खरीदा था।

सबवेंशन स्कीम घोटाला मामला: प्राधिकरण ने सीबीआई को दी 112 बिल्डर प्रोजेक्ट की जानकारी

दिल्ली ब्यूरो

नोएडा : नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सबवेंशन स्कीम के नाम पर हुए बड़े घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अहम कदम उठाते हुए 112 बिल्डर प्रोजेक्ट से जुड़ी विस्तृत जानकारी मांगी थी। नोएडा प्राधिकरण ने सभी संबंधित दस्तावेज अब सीबीआई को सौंप दिए हैं। इन प्रोजेक्ट्स में शामिल अधिकतर बिल्डर ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट के नामचीन बिल्डर्स हैं, आरोप है कि इन्होंने बैंकों के साथ मिलकर लोन स्कीम के जरिए खरीदारों को फंसाया और बाद में लोन की राशि दूसरी परियोजनाओं में डायवर्ट कर दी। यह जांच सुप्रीम कोर्ट के 29 अप्रैल को दिए गए आदेश के बाद शुरू हुई है, जिसमें कोर्ट ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरणों को निर्देश दिया था कि वे सीबीआई को पूरी जानकारी मुहैया कराएं और इसके लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। इस आदेश के अनुपालन में नोएडा प्राधिकरण ने अपने अकाउंट ऑफिसर संजीव दत्ता को नोडल अधिकारी बनाया। सीबीआई ने शुरुआत में 9 बिल्डरों की जानकारी मांगी थी, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 112 प्रोजेक्ट तक पहुंच गई है। प्राधिकरण ने इन परियोजनाओं से संबंधित स्वीकृत पत्र, लेआउट प्लान, बकाया विवरण, रजिस्ट्री व को-डेवलपर्स की जानकारी एकत्र कर

सीबीआई को फाइल के रूप में सौंप दी है। इससे पहले प्राधिकरण ने स्पोर्ट्स सिटी से जुड़ी जानकारी भी सीबीआई को दे दी थी। बताया जा रहा है कि वर्ष 2014 से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सबवेंशन स्कीम के तहत कई ग्रुप हाउसिंग योजनाएं शुरू हुईं। योजना के तहत फ्लैट की रजिस्ट्री तक बिल्डर को ईएमआई का भुगतान करना होता था, लेकिन कुछ समय बाद बिल्डरों ने भुगतान बंद कर दिया। खरीदारों को न तो फ्लैट मिले और न ही बैंक की किश्तों से राहत। इसके कारण हजारों खरीदार डिफॉल्टर हो गए। इन योजनाओं में कई बिल्डरों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंकों से लोन पास कराए और बैंकों ने बिना साइट निरीक्षण के भारी भरकम रकम जारी कर दी। आरोप है कि बैंकों और बिल्डरों के बीच पहले से 'अघोषित' समझौता था, जिसके चलते बैंकों ने पूरा लोन एडवांस में जारी कर दिया। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और एनसीआर के अन्य हिस्सों की करीब 40 परियोजनाएं ऐसी हैं, जहां खरीदार फ्लैट न मिलने के बाद लोन की किश्तों के बोझ तले दब चुके हैं। बिल्डर दिवालिया हो चुके हैं और कई प्रोजेक्ट्स अधूरे पड़े हैं। इस बीच, सीबीआई नोएडा की स्पोर्ट्स सिटी योजना की भी जांच कर रही है। सेक्टर-78, 79, 150 और 152 में स्थित भूखंडों की सीबीआई ने मौके पर जाकर जांच की है और ड्रोन सर्वे भी कराया है। बीते एक महीने में सीबीआई की टीम तीन से चार बार प्राधिकरण के कार्यालय का दौरा कर चुकी है।

कौन हैं लक्ष्मी पुरी जिससे टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने अखबार में मांगी माफी

अक्षय श्रीवास्तव

नई दिल्ली : टीएमसी सांसद साकेत गोखले को पूर्व राजनयिक लक्ष्मी मुरुदेश्वर पुरी के खिलाफ मानहानि मामले में माफी मांग ली है। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने माफी मांगने पर कुछ शर्तें लगाने की गोखले की याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद गोखले ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली। कोर्ट ने 50 लाख रुपये के हर्जाने के भुगतान रोक लगाने से भी इनकार कर दिया था।

कोर्ट ने गोखले को पोस्ट करने से रोका : टीएमसी सांसद गोखले ने पुरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर गलत बयान दिए थे, जिसके कारण यह मामला शुरू हुआ। अदालत ने गोखले को सोशल मीडिया पर पुरी के खिलाफ और कुछ भी पोस्ट करने से रोक दिया था। अदालत ने उन्हें माफी मांगने और हर्जाना भरने का भी आदेश दिया था।

50 लाख हर्जाना भरने का आदेश : जस्टिस नवीन चावला और रेणु भटनागर की बेंच ने गोखले की याचिका पर सुनवाई की। गोखले ने पिछले साल के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें पुरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने से रोका गया था। उन्हें माफी मांगने और 50 लाख रुपये का हर्जाना भरने का भी

आदेश दिया गया था।

माफी पर रोक लगाने से इनकार :सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि माफी मांगने पर कोई रोक नहीं होगी। बेंच ने कहा था कि माफी पर रोक नहीं लगाई जा सकती। सुझाव देते हुए वरिष्ठ वकील अमित सिब्बल ने कोर्ट से कहा था कि माफी प्रकाशित करने की अनुमति दी जाए, लेकिन इस पर रोक लगाई जाए या भविष्य में कोर्ट के आदेशों के अधीन रखा जाए। बेंच ने इस सुझाव को खारिज कर दिया था। बेंच ने कहा कि गोखले माफी मांग सकते हैं, लेकिन यह मामला अभी भी अपील में है।

कौन हैं पूर्व डिप्लौमेट लक्ष्मी पुरी : लक्ष्मी पुरी एक पूर्व भारतीय डिप्लोमैट हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी काम किया है। वह यूएन की पहली महिला असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल थीं। उन्होंने 'स्वालोइंग द सन- ए नॉवल' नाम की एक किताब लिखी है। इसके अलावा, वह 'इक्वल मीन्स इक्वल' नाम की एक फिल्म में भी दिखाई दीं। लक्ष्मी पुरी महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से इतिहास में ग्रेजुएशन किया। फिर पंजाब यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन किया। 1974 में, उन्होंने विदेश सेवा जॉइन की। अपने करियर में, लक्ष्मी पुरी ने कई देशों में काम किया। उन्होंने जापान, श्रीलंका, स्विट्जरलैंड और हंगरी में सेवाएं दीं। दिल्ली में विदेश मंत्रालय में भी उन्होंने कई पदों पर काम किया. इसके बाद, उन्होंने यूएन में अलग-अलग पदों पर अपनी सेवाएं दीं। लक्ष्मी पुरी यूएन में असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल बनने वाली पहली महिला थीं। यह उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि थी। बता दें कि लक्ष्मी पुरी केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की पत्नी हैं।

मिथिला के ऐतिहासिक सौराठ सभा : बड़ा दिलचस्प है 715 सालों का इतिहास

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

मधुबनी : सौराठ सभा कमेटी के सचिव डॉ शेखर चंद्र मिश्रा कहते हैं कि 1310 ईस्वी में राजा हरिसिंह देव के समय में 'सभागाछी' की शुरूआत हुई. सौराठ सभा के बारे में कहा जाता है कि मुगलकाल और बाद में ब्रिटिश शासन के दौरान भी यह परंपरा जारी रही. हालांकि समय के साथ सामाजिक परिवर्तनों के कारण इसका स्वरूप थोड़ा बदला, लेकिन इसकी मूल भावना आज भी कायम है। बिहार का मिथिलांचल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है. इन्हीं में से एक अद्वितीय परंपरा है सभागाछी. जो मधुबनी के सौराठ गांव में आयोजित होने वाला एक विशाल सामाजिक-सांस्कृतिक मेला है. यह मेला न केवल विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए जीवनसाथी चुनने का एक पारंपरिक मंच प्रदान करता है. बल्कि यह मिथिला की सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और ऐतिहासिक विरासत का भी प्रतीक है।

मिथिला का सौराठ सभा : आम तौर पर लोग कहते हैं कि जोड़ियां ऊपर यानी भगवान तय करके भेजते हैं, लेकिन मिथिला में सौराठ गांव में साल में एक बार एक ऐसी सभा लगती है, जहां जोड़ी समाज के लोग तय करते हैं. हर साल यहां बड़ी संख्या में वर का चुनाव होता है।

'दूल्हे का मेला' : सौराठ सभा के नाम से आयोजित इस सभा में लोग अपनी बेटी की शादी के लिए लायक दूल्हा चुनते हैं. दूसरे शब्दों में कहें तो यहां 'दूल्हे का मेला' लगता है. इस सभा में वर-वधू के पिता और रिश्तेदार जुटते हैं और फिर पंजीकार से वंशावली की जांच परखकर शादियां तय की जाती है।

22 बीघे की जमीन पर लगता मेला : सौराठ सभा का आयोजन रहिका के पास एनएच किनारे बागीचे में होता है. इसके विकराल रूप का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि 22 बीघे की जमीन पर यह मेला लगता है. जहां लोग काफी संख्या में जुटते हैं। सभागाछी में वर पक्ष के लोग पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर सभा गाछी में पेड़ के नीचे चादर बिछाकर दूल्हे के साथ बैठते हैं. फिर वधू पक्ष के लोग यहां आते हैं. कन्या पक्ष के लोग उन्हें देखकर रिश्ते का प्रस्ताव रखते हैं. दोनों ओर से शास्त्रार्थ होता है. जब वधू पक्ष को दूल्हा पसंद हो जाता है तो बात 'चट मंगनी पट ब्याह' पर हो जाती है. पंजीकार से सलाह ली जाती है और फिर विवाह की प्रक्रिया शुरू होती है।

ज्येष्ठ-आषाढ़ माह में सभा : मिथिलांचल में मैथिल ब्राह्मण और कर्ण-कायस्थ दूल्हों की यह सभा प्रतिवर्ष ज्येष्ठ या अषाढ़ महीने में सात से 11 दिनों तक लगती है. इस वर्ष 28 मई से 6 जून 2025 तक सभा आयोजित हुई. शादी तो नहीं तय हुई पर करीब 100 सिद्धांत लिखे गये हैं।

क्या होता है सिद्धांत ? : अब आपको मन में सवाल उठ रहा होगा कि आखिर ये सिद्धांत क्या होता है. पंजीकरण प्रमोद मिश्रा ने बताया कि कन्या पक्ष की पांच पीढ़ी एवं वर पक्ष की सात पीढ़ी का गोत्र एवं मूल का मिलान किया जाता है. दोनों के मिलन हो जाने पर अधिकार एवं मिलन नहीं होने पर अनाधिकार दिया जाता है। अभी भी यह माना जाता है कि सौराठ सभा से तय हुई

शादी में दांपत्य जीवन खुशहाल रहता है. यही कारण है कि भले ही लड़के यहां नहीं बैठते हैं लेकिन उनके अभिभावक शादी के लिए सिद्धांत यहीं से करवाते हैं।

पंजीप्रथा और वंशावली का महत्व : मिथिला में पंजीकार (वंशावली रखने वाले ब्राह्मण) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. ये पंजीकार विभिन्न कुलों यानी वंशावली का विस्तृत रिकॉर्ड रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि विवाह संबंध समगोत्रीय तो नहीं है. यानी लड़का पक्ष और लड़की पक्ष एक वंश के तो नहीं है. सौराठ सभा में पंजीकार ही दूल्हे-दुल्हन के कुलीनता की जांच करके रिश्ते को मंजूरी देते हैं।

आधुनिक समय में सौराठ सभागाछी : आज के डिजिटल युग में जहां मैट्रिमोनियल साइट्स और डेटिंग ऐप्स का बोलबाला है. वहां सौराठ सभा अभी भी अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है. हालांकि, अब इसमें सभा स्थल से शादी नहीं के बराबर होती है, लेकिन आज भी मैथिल ब्राह्मण और कर्ण कायस्थ पंजीकर से बिना सिद्धांत करवाये अपने यहां शादी विवाह तय नहीं करते हैं. सौराठ सभा के बहाने अभी भी पंजी प्रथा को जीवित रखने का प्रयास किया जा रहा है। सौराठ के पंडित सुमन झा कहते हैं कि पहले इस सभा के लिए पंजीकार पान, सुपारी और धोती लेकर आसपास के गांवों में लोगों को निमंत्रण देने के लिए पहुंचते थे. बाद में इसकी परंपरा समाप्त हो गई, अब यहां लोग कम संख्या में पहुंच रहे हैं. अब घर से ही शादी तय करने का प्रचलन बढ़ गया है. यही कारण है कि यहां अब केवल सिद्धांत के लिए लोग आते हैं। पहले लाखों की संख्या में लोग पहुंचते थे. सौराठ सभा के बारे में कहा जाता है कि अगर एक लाख से ज्यादा की संख्या में ब्राह्मण पहुंचते थे तो पीपल वृक्ष के पत्ते स्वतः मुरझाकर नीचे गिर जाते थे।

सौराठ सभा की शुरुआत : यह परंपरा लगभग 715 वर्ष पुरानी है और आज भी मिथिला के सामाजिक ताने-बाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. सौराठ सभा कमिटी के सचिव डॉ शेखर चंद्र मिश्रा ने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया कि सौराठ सभागाछी की शुरुआत मिथिला के कर्णाट वंश 13वीं शताब्दी के शासनकाल में हुई थी. पहले समाज में गुरुकुल की व्यवस्था थी. शिक्षा ग्रहण करने के बाद छात्रों के बीच शास्त्र विद्या की समीक्षा होती थी. शास्त्रार्थ में जो विजय होते थे उनकी शादी ऊंचे कुल के कन्याओं के साथ तय होता था. बाद में यह धीरे-धीरे वैवाहिक स्वरूप ले लिया जो बाद में सौराठ सभा के नाम से प्रसिद्ध हुआ। 'विश्व में इस तरीके की वैवाहिक परंपरा कहीं देखने को नहीं मिलती है. इसी कारण इसे सुगम वैवाहिक परंपरा भी कहा गया. समाज में न्यायपूर्ण विवाह प्रणाली को बढ़ावा देना मकसद रहा है. पहले के समय में मिथिला में मैथिल ब्राह्मणों और कायस्थों की प्रमुखता थी. विवाह संबंध तय करने के लिए गोत्र, प्रवर और कुलीनता का विशेष ध्यान रखा जाता था।

मिथिला में 12 जगह सभास्थल : पंजीकार प्रमोद मिश्र ने बताया कि 1735 ईस्वी में 12 सभा का स्थापना किया गया था. जो मिथिलांचल के हर 25 से 30 कोष यानी 40 किलोमीटर की दूरी पर आयोजित की जाती थी. खंडवाला वंश के राजा राघव सिंह के द्वारा इसकी स्थपना की गयी था. 1310 ई. में पंजी प्रथा लेखन के रूप में आई. सहरसा, पूर्णिया, भागलपुर, सीतामढ़ी और मधुबनी में सभा का आयोजन होता था. युवाओं के कंधों पर जिम्मेदारी : वर्तमान स्थिति की बात करें तो सीतामढ़ी सशौला सभा और मधुबनी के सौराठ सभा का जिक्र पंचांग में है. सौराठ सभा लगभग मरनासन्न अवस्था में पहुंच चुका है. पर सौराठ सभा आज भी जिवंत है और इस सभा की परंपरा को बढ़ाने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है जो उन्हें उठानी पड़ेगी।

बिना दहेज की शादी : एक हजार से अधिक बिना दहेज की शादी कराने वाले बेनीपट्टी निवासी नवीन झा उर्फ घटकराज का कहना है कि दहेज उन्मूलन के लिए यह सभा एक आदर्श है. उन्होंने कहा कि आज के दौर में शादियों की टूटने की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन सौराठ सभा में वर-वधू के सभी पक्षों को ध्यान में रखकर शादियों की अनुमति दी जाती है, जिससे यहां तय की गई शादियां जन्म-जन्मांतर तक निभती रहती हैं.

बड़े अधिकारियों की शादी यहीं से हुई : डॉ विनोद झा ने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया कि सौराठ सभा ऐतिहासिक सभा है. यहां ऐसी व्यवस्था है कि पंजी प्रथा के तहत 500 साल पूर्व भी अगर आप जानकारी लेना चाहते हैं तो पंजिकार से ले सकते हैं. इस सभा में मैथिल पूरे बिहार से आते थे और यहां शास्त्रार्थ की परंपरा थी सभागाछी में विद्वान लोग जुटते थे और वर की परीक्षा होती थी। 1977 में मेरे मामा की शादी यहीं से हुई है. हम उस समय इसका प्रत्यक्ष गवाह रहे हैं. यहां एक से एक डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस की शादियां हुई है. यह सभा राजनीति का शिकार होता जा रहा है. युवा वर्ग को आगे आने की जरूरत है।

2 दशक से भीड़ में कमी : मधुबनी के रहने वाले डॉक्टर विनोद झा ने बताया कि 1980 के दशक तक सौराठ सभा अपने पुराने रूप में था. सभागाछी में अच्छी खासी भीड़ होती थी, पर अब इसका अस्तित्व धीरे धीरे काम होता दिख रहा है. स्थिति यह है कि सभा में वरपक्ष आते हैं कन्या पक्ष नहीं आते हैं. सन 1971 में यहां करीब डेढ़ लाख लोग आये थे. 1991 में भी करीब पचास हजार लोग आए थे।

हजारीबाग से फरार तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने 15 घंटे में किया गिरफ्तार

फरार आरोपियों ने कैम्प की दीवार पर लगे कंसनटीना वायर को हटाकर रात के अंधेरे में भागने की योजना को दिया था अंजाम

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। बिते 09 जून की सुबह हजारीबाग के फॉरेनर होल्डिंग कैंप से तीन बांग्लादेशी नागरिकों के फरार होने की सूचना पर हजारीबाग पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 15 घंटे में तीनों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया। हजारीबाग के आरक्षी अधीक्षक अंजनी अंजान ने बताया कि फरार आरोपियों ने कैम्प की दीवार पर लगे कंसनटीना वायर को हटाकर रात के अंधेरे में भागने की योजना को अंजाम दिया। इसकी जानकारी मिलते ही हजारीबाग पुलिस हरकत में आई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित आनंद के नेतृत्व में छापामारी टीमों का गठन किया गया।
पुलिस की त्वरित कार्रवाई में तकनीकी निगरानी, इनपुट और मानवीय सूचनाओं के आधार पर दो आरोपियों, निफा अख्तर उर्फ खुशी और नजमुल हलधर को पश्चिम बंगाल के बनगांव से गिरफ्तार किया गया। तीसरी आरोपी रीना खान उर्फ रीना देवी को धनबाद रेलवे स्टेशन से धर दबोचा गया।
गिरफ्तार आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता, पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी नागरिक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामले दर्ज हैं। सभी पूर्व में रांची, दुमका और जामताड़ा के जेलों से प्रतिनियुक्त हो कर हजारीबाग के होल्डिंग कैंप में रखे गए थे।
इस ऑपरेशन में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अमित कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित आनंद, आरक्षी निरीक्षक पेलावल - विनोद कुमार, आरक्षी निरीक्षक दारू - शाहिद रजा, लोहसिंघना थाना प्रभारी पुन्नू कुमार यादव, कटकमदाग थाना प्रभारी पंकज कुमार, पेलावल ओपी प्रभारी वेद प्रकाश पांडे, शाहिना परवीन सदर थाना, निशांत केरकेट्टा कटकमदाग थाना, तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी, पदमा ओपी में प्रतिनियुक्त सशस्त्र बल शामिल थे। हजारीबाग पुलिस द्वारा इस सफल और तेज़ कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष बेबी देवी ने उपायुक्त से की औपचारिक मुलाकात

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बेबी देवी ने मंगलवार को हजारीबाग जिला के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने उपायुक्त का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया और जिले के विभिन्न सामाजिक व महिला सशक्तिकरण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान महिला कांग्रेस की सदर प्रखंड अध्यक्ष उषा रानी, सुनीता देवी एवं ममता देवी भी उपस्थित रहीं। सभी ने उपायुक्त को उनके कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर सहयोग की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर एक सौहार्दपूर्ण माहौल में जिले में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर सकारात्मक चर्चा हुई।

झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य मोहम्मद इजहार ने उपायुक्त से की शिष्टाचार भेंट

- बिजली एवं पेयजल संबंधित समस्या पर सुधार की रखी मांग

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य मोहम्मद इजहार ने मंगलवार को हजारीबाग के नवनियुक्त उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से समाहरणालय स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्री अंसारी ने जिले के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा परिचर्चा की। श्री अंसारी ने जिले भर में पेयजल एवं बिजली की समस्या से जूझ रहे हजारीबाग वासियों की ज्वलंत मुद्दे को लेकर अपनी मांग रखते हुए जल्द से जल्द बिजली एवं पेयजल की समस्या में सुधार की मांग रखी। केंद्रीय समिति सदस्य मोहम्मद इजहार के सभी बातों को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए उपायुक्त ने सकारात्मक पहल की बात कही। इस मौके पर बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों में जिला कोषाध्यक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा मोहम्मद अख्तर, झामुमो नेता मोहम्मद मासूक और गुलाम मुस्तफा शामिल थे।

प्रखंड कार्यालय में रोहित बिरहोर को सम्मानित किया गया

- सीखना कभी बंद मत करे, ज्ञान सबसे बड़ा धन है: प्रखंड विकास पदाधिकारी

आदिवासी एक्सप्रेस संवादाता चरही
चरही। मंगलवार को चुरचू प्रखंड मुख्यालय के सभागार में चूरचू प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बिरहोर टांड़ के विद्यार्थी रोहित बिरहोर, पिता श्री सुरेश बिरहोर, माता आरती देवी के द्वारा झारखंड अकादमी काउंसिल रांची द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षा 2025 में प्लस टू परियोजना उच्च विद्यालय चरही से इंटर में प्रथम श्रेणी में कुल 308 अंक 61.5त्न अंक प्राप्त किया। रोहित अति अनुसूचित जनजाति से अता है जो अपने समाज के लिए एक आईने के रूप में सामने आया है। रोहित की इस काबिलियत पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित राम के द्वारा रोहित के साथ उनके पिता सुरेश बिरहोर के लिए एक समारोह का आयोजन कर प्रोत्साहन एवं सम्मान प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी असीम टोप्पो सहायक कनीय अभियंता प्रखंड के सभी पंचायत के मुखिया पंचायत सचिव रोजगार सेवक एवं कार्यालय के प्रधान लिपि के मनोज गिरी त्रिदेव कुमार, रामचंद्र राम ,लेखपाल रीता कुमारी ,अनूप कुमार, दीपक कुमार ,सहित कई लोग उपस्थित रहे।

विधायक ने बादम मेडिकल एजेंसी का किया उद्घाटन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव
बड़कागांव। प्रखंड स्थित बादम गांव में मंगलवार को बस स्टैंड के समीप बादम मेडिकल एजेंसी स्टोर का विधायक रोशन लाल चौधरी ने फीता काटकर उद्घाटन किया । मौके पर डॉ विकास कुमार ने विधायक को माला पहनाकर स्वागत किया। स्टोर प्रोपराइटर संजय कुमार तथा सुरेंद्र कुमार ने बताया की स्टोर खोलने का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में मरीजों को सुविधा प्रदान करना है ।तत्काल स्थिति में उन्हें जरूरत का दवा एंव सामग्री उपलब्ध नहीं हो पाता था। जो अब 24 घंटा यह सेवा उपलब्ध रहेगा। मौके पर उपस्थित गौतम वर्मा, भागीरथ ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, आजसू प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, भागीरथ ठाकुर ,मिडिया प्रभारी अनुप कुमार सिंह, मुरली कुमार दांगी, अर्जुन साव, राजा खान, विनोद राम, बबलू पासवान, विष्णु गुप्ता, चंद्रदेव राम,अनिल कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

युवाओं की कट आफ डेट की मांग को लेकर युवा विस्थापित संघर्ष समिति के द्वारा अनिश्चित कालीन महाधरना शुरू

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
बडकागांव। एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोल खनन परियोजना में कट आफ डेट को लेकर युवा विस्थापित संघर्ष समिति के द्वारा पांच सूत्री मांग को लेकर अनिश्चितकालीन महाधरना शुरू किया गया। धरना को संबोधित करते पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता ने कहा कि कट ऑफ डेट का संशोधन पहले भी हो चुका है एनटीपीसी को गंभीरता के साथ हर हाल में नया कट अप डेट करना होगा, यह युवाओं की भविष्य की सवाल है। पांच सूत्री मांगों में मुख्य रूप से परियोजना द्वारा पूर्ण रूपेण जिस तिथि से जिस गाँव को विस्थापित किया जाय, उस तिथि को उस गाँव के लिए कट अप डेट माना जाय। विस्थापित किये जा रहे परिवार के सदस्यों के लिए कट अप डेट की तिथि में 18 वर्ष से उपर के युवक तथा युवतियों को एकल परिवार माना जाय। विस्थापित परिवार को मिलने वाली एकमुश्त राशि का भुगतान वर्तमान दर से ही निंधारित किया जाय। कट अप डेट की नीति-निधारण के अवसर पर, विस्थापित हो रहे गाँव के प्रतिनिधि को उस समय अनिवार्य रूप से शामिल किया जाय। एवं परियोजना प्रक्षेत्र से विस्थापित हो रहे युवक तथा युवतियों को अनिवार्य रूप से नौकरी व रोजगार में सर्वप्रथम अवसर प्रदान करने की मांग शामिल है। उपस्थित आंदोलनकारीयों ने कहा कि कट अप डेट का समाधान शीघ्र नहीं हुआ तो कोयला ट्रांसपोर्टिंग, कन्वेयर बेल्ट ,माईनिंग के अलावा अन्य सभी कार्य को रोकेंगे।
अनिश्चितकालीन धरना में मुख्य रूप से पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, बटेश्वर मेहता, डॉक्टर मिथलेश कुमार दांगी, नकुल महतो, सुनीता साहू, शंकर भुईया,दिनेश्वर महतो, लखेन्द्र ठाकुर,प्रदीप महतो, नकुल महतो,भोला साव,बिकास महतो, सुरेश कुमार दांगी, हरली, प्रदीप महतो, सलगा, मिथलेश कुमार, विकास कुमार गौंदलपुरा, कैलाश साव, भुनेश्वर प्रजापति, के अलावा भारी संख्या में लोग युवाओं के समर्थन में उपस्थित थे।

अब तो किराए पर घर देने में भी आफत

- दीपूगढ़ा में मकान मालिक ने मांगा बकाया किराया, तो भुगतना पड़ा अंजाम
- हरवे-हथियार के साथ जानलेवा हमला करने और बहू से दुराचार के प्रयास का गंभीर आरोप
- भुक्तभोगी ने कोर्रा थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की लगाई गुहार

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। अब तो घर को किराया पर देने में आफत है। कुछ किराएदारों ने ऐसे किरदार निभाए कि मकान मालिकों को किराया पर घर देना बड़ी मुसीबत मोल लेना हो गया। हजारीबाग में ऐसे कई उदाहरण भरे पड़े हैं। खासकर पुलिस, वकील और पत्रकारों को किराए पर घर देना गुनाह हो गया है।
ऐसा ही एक मामला दीपूगढ़ा में सामने आया है। भुक्तभोगी 75 वर्षीय बुजुर्ग रामप्रसाद राम हैं, जिन्होंने थाने में दिए आवेदन में अपनी व्यथा का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि सप्तर्षि पांडेय उनके यहां सात-आठ वर्ष से किराया पर रहते हैं। हमेशा किराया विलंब से देते हैं। पिछले सात माह से किराया नहीं मिलने पर रामप्रसाद ने उनसे किराया मांगा, तो सप्तर्षि उनसे उलझ गए। आठ जून की रात करीब 7.30 बजे निमेष पांडेय, एक उनके चाचा समेत दर्जनाधिक लड़कों के साथ हरवे-हथियार लेकर घर में घुस गए। थाने को दिए आवेदन में जिक्र है कि रामप्रसाद राम और उनके बेटे-बहू पर सप्तर्षि, निमेष और उन लड़कों ने जानलेवा हमला किया। सप्तर्षि पर बहू के साथ दुराचार के प्रयास का भी आरोप लगाया गया है। रामप्रसाद राम हमले में बुरी तरह घायल हो गए और उन्हें सदर अस्पताल हजारीबाग में भर्ती कराया गया है। उनके पुत्र ने बताया कि हेड और ब्रेन इंज्यूरी भी है। भुक्तभोगी परिवार ने हमलावरों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। ऐसे ही उदाहरणों में प्रतिष्ठित परिवार जिला स्कूल हजारीबाग के पूर्व प्राचार्य रहे स्व.जयगोविंद मिश्र के साथ भी था। उनके यहां एक महिला पुलिस पदाधिकारी कुसुम पाठक ने पुलिसिया धौंस दिखाकर कुछ ऐसा ही कारनामा की थी। बड़ी मुश्किल से उससे घर खाली कराया जा सका था। एक वकील ने भी ओकनी के एक परिवार पर कानून का धौंस दिखाकर घर लिखवा लेने तक की बात मकान मालिक से कर दी थी। बहरहाल अब किराएदार रखने के पहले पुलिस वेरिफिकेशन कराने की जरूरत है, ताकि भविष्य में कुछ ऐसी वारदात हो, तो कानून सदैव आपका सहयोगी है।

निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान को लेकर उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों की दिलाई शपथ

लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जागरूकता रथ

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। राज्य सरकार द्वारा 10 जून 2025 से 26 जून 2025 तक प्रस्तावित राज्यव्यापी निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिला के सभी पदाधिकारियों सहित अन्य कर्मियों को नशामुक्त भारत बनाने हेतु शपथ दिलाई। तत्पश्चात उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर तीन जागरूकता रथ को रवाना किया। ये तीनों रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का काम करेगी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा न केवल शरीर को बल्कि व्यक्ति के सपनों और उसके भविष्य को भी नष्ट कर देता है। नशे से ग्रसित बच्चों एवं नागरिकों में कई मानसिक और शारीरिक लक्षण देखने को मिलते हैं। इसे रोकने हेतु जिला प्रशासन सतत् प्रयासरत है।
उपायुक्त ने वेबिनार के माध्यम से जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों को अपने स्तर से नशे के विरुद्ध आवश्यक ठोस कदम उठाने हेतु निर्देशित किया है।

हजारीबाग के उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह का नशामुक्ति को लेकर जिलेवासियों के नाम संदेश

मेरे प्यारे हज़ारीबाग के नागरिकों,
आप सभी से नशामुक्ति के इस महत्वपूर्ण अभियान में सहयोग और सहभागिता की अपील करता हूँ। नशा एक ऐसी बुराई है जो न केवल व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला कर देती है, बल्कि यह परिवार और समाज को भी अंदर से तोड़ देती है।
नशा मुक्ति केवल एक सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।
आइए, हम सब मिलकर इस नशे के खिलाफ एक मजबूत दीवार खड़ी करें। अपने बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करें, अपने आस-पड़ोस में किसी को नशे की गिरफ्त में देखें तो उसे सही रास्ता दिखाने में मदद करें।
युवा शक्ति हमारे देश का भविष्य है और उन्हें नशे से दूर रखना हमारी प्राथमिकता है। नशे से बर्बाद होते जीवन और घरों को बचाना ही हमारा लक्ष्य है।
मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर हज़ारीबाग को एक नशामुक्त और स्वस्थ समाज बनाने में सफल होंगे। आइए, एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ हर व्यक्ति स्वस्थ, खुशहाल और आत्मनिर्भर हो।

भाजपा लोकसभा दल के मुख्य सचेतक से मिले हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भाजपा लोकसभा दल के मुख्य सचेतक, पश्चिम चंपारण से सांसद एवं संसद की प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष आदरणीय डॉ. संजय जायसवाल जी से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने उनके दिल्ली आवास स्थित आवासीय कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात किया। इस मुलाकात के दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने उनसे झारखंड की राजनीति समेत विभिन्न विषयों पर विस्तृत और सार्थक चर्चा की।

उपायुक्त ने जिले के सभी अंचल अधिकारियों के साथ राजस्व शाखा की समीक्षात्मक बैठक की

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में राजस्व शाखा की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई । बैठक में उपायुक्त ने पीजी पोर्टल, सरकार आपके द्वार, ई रेवेन्यू कोर्ट की स्थिति, अंचलवार सीमांकन वाद, अंचलवार नामांतरण वाद, खतियानी रैयत के उत्तराधिकारियों एवं आपसी बंटवारा के आधार पर दाखिल खारिज, ऑनलाइन लगन वसूली, जमीन का म्यूटेशन, सक्सेशन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, म्यूटेशन अपील, भूमि सीमांकन, परिसोधन, ऑनलाइन लगान, रिजेक्शन भू-अधिग्रहण, अंतर्विभागीय निःशुल्क भूमि हस्तांतरण की स्थिति, अंतर्विभागीय सशुल्क भूमि हस्तांतरण की स्थिति सहित अन्य मामलों में प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में लंबित म्यूटेशन के आवेदनों को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा में ही आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करें। वैसे आवेदन जो 90 दिनों से ज्यादा लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र निष्पादित करें। बैठक में उपायुक्त ने सभी सीओ को निर्देशित किया कि सभी सीओ तकनीकी रूप से भी अपने आप को तैयार कीजिए। अपने कार्यालय के कैशबुक, आगत निर्गत पंजी एवं अन्य पंजी को नियमित रूप से अपडेट कीजिए। उन्होंने कहा कि सभी सीओ अपने अधीनस्थ कार्यरत कर्मियों के कार्यों को नियमित रूप से समीक्षा करेंगे। बैठक में उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह के अलावे अपर समाहर्ता श्री संतोष सिंह, डीसीएलआर श्री राजकिशोर प्रसाद, डीएलओ श्री निर्भय कुमार, सभी सीओ सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

बादम के रानी बागी में सालों से बेकार पड़ा चपानल, पानी की परेशानी

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। प्रखंड के बादम स्थित रानी बागी में सालों से चापाकल बेकार पड़ा है। पेयजल की समस्या से ग्रामीण जूझ रहे हैं । इस चपानल में 40 से अधिक घरों को पानी पूर्ति होती थी। इस रानी बागी मोहल्ला एक भुईयां समाज लोग रहते हैं यहां अपना पलंग पोषण के लिए सूअर पालते हैं जो इसी चपानल से उन्हें पानी पूर्ति किया जाता था ।भुईयां समाज के लोगों ने बताया कि इसकी शिकायत मुखिया प्रतिनिधि दीपक दास एवं वर्तमान मुख्य सुनीता देवी के पास की उन्होंने बताया कि यह ब्लॉक का मामला है ब्लॉक से ही निपटारा किया जायगा । भुईयां समाज का कहना है कि इस चापानला को जल्द से जल्द रिपेयर करवाया जाए ताकि हमें पानी का दिक्कत ना हो ।मांग करने वाले में से मुख्य रूप से बेणेश्वर भुईयां, तुलसी भुईयां, भगन राम, संजय भुईयां, मनोज भुईयां आदि शामिल थे।

हज़ारीबाग की बेटी साक्षी सगुन ने बढ़ाया शहर का गौरव, जेआरजीबी बैंक ने घर जाकर किया सम्मानित

आदिवासी एक्सप्रेस
हज़ारीबाग। हज़ारीबाग की प्रतिभावान बेटी साक्षी सगुन, पिता कौशल कुमार सिंह ने आईआईटी जेईई एडवांस परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 787 प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता बल्कि पूरे हज़ारीबाग जिले का मान-सम्मान बढ़ाया है। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता पर झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक (जेआरजीबी), हज़ारीबाग क्षेत्रीय कार्यालय एवं शाखा कार्यालय की ओर से उनके निवास स्थान पर पहुँचकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया।
साक्षी सगुन ने अपनी दसवीं की शिक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल, हज़ारीबाग से तथा बारहवीं की पढ़ाई नेशनल पब्लिक स्कूल, न्यू एरिया, हज़ारीबाग से पूरी की है। इसके बाद उन्होंने हज़ारीबाग के प्रतिष्ठित एलायंट अकादमी से आईआईटी प्रवेश परीक्षा की तैयारी की। कठिन परिश्रम, लगन और माता-पिता के सहयोग से उन्होंने देश के सर्वोच्च तकनीकी संस्थानों में से एक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई में प्रवेश के लिए चयनित होकर पूरे झारखंड को गौरवान्वित किया है। साक्षी ने बताया कि उन्हें कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (सीएसई) तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विषय में नामांकन का अवसर प्राप्त हुआ है। उनका लक्ष्य इसी विषय में स्नातक की पढ़ाई पूरी करना है ताकि आगे चलकर देश और समाज के तकनीकी विकास में योगदान दे सकें। उनके पिता कौशल कुमार सिंह ने जानकारी दी कि साक्षी शुरू से ही मेधावी, अनुशासित और आत्मनिर्भर रही है। उनकी माता प्रीति सिंह एक सफल महिला उद्यमी हैं तथा भद्रकाली ट्रेडर्स नामक प्रतिष्ठान की संचालिका भी हैं। साक्षी की बड़ी बहन वर्तमान में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय बीएचयू में अध्ययनरत हैं और साथ ही भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएस) की तैयारी कर रही हैं। इस अवसर पर झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की ओर से उपस्थित अधिकारियों ने साक्षी सगुन को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही यह घोषणा भी की गई कि यदि साक्षी को शिक्षा ऋण की आवश्यकता हो तो बैंक की ओर से उन्हें चार प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर पंद्रह लाख रुपये तक की शैक्षणिक ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी उच्च शिक्षा के मार्ग में कोई आर्थिक बाधा न आए। इस सम्मान समारोह के दौरान जेआरजीबी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक डी.के. सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक देवेंद्र कुमार, ऋण प्रबंधक सुमित सलूजा, जिला ऋण प्रबंधक प्रिया कुमारी, अनिशा कुमारी, पलवी कुमारी, प्रभु नारायण सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

समाज सेवी तुलेशवर हेम्ब्रोम का मना पुण्य तिथि

आदिवासी एक्सप्रेस
इचाक (हजारीबाग) मंगलवार को ईचाक प्रखंड के ग्राम फुफँदी मे समाज सेवी स्व तुलेशवर हेम्ब्रोम का 13वॉं पुण्य तिथि मनाया गया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से पंचायत के मुखिया नन्दकिशोर कुमार,भाजपा महामन्त्री राजकुमार राम मनोनीत सदस्य रमेश कुमार हेम्ब्रोम, लालजी सोरेन, छोटन बासके, परमेश्वर हंसदा, बंशी हेम्ब्रम, सुरेन्द्र कुमार हेम्ब्रोम, शिकारी हेम्ब्रोम, महेश सोरेन, विरेन्द्र सोरेन हंसदा, शांति देवी, हिरमुनी देवी, सरिता टुडू, रूपिया देवी , लखन हंसदा एवं अन्य लोग उपस्थित होकर बारी बारी से श्रद्धांजलि अर्पित किए।

सतगावां में नशा मुक्ति को लेकर निकाली गई प्रभात फेरी

आदिवासी एक्सप्रेस
सतगावां कोडरमा। नशा मुक्ति को लेकर मंगलवार दिनांक 10 जून को + 2 उच्च विद्यालय बासोडीह के छात्र एवं छात्राओं द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी , जिसमें मुख्य रूप से नशा करने वालों को नशा मुक्ति बनाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा प्रभात फेरी का एक झलकी स्कूल में निकली गई । देखा जाय तो भारत में नशा करने वालों की जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है जिससे नाश करने के कारण कई घर उजड़ गए । इस पर सरकार को कोई ठोस कदम उठाने की जरूरत है । नशा मुक्ति प्रभात फेरी में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में प्रीति कुमारी , सोनाली कुमारी , नंदनी कुमारी , पूजा कुमारी ,चंदन कुमार , रोहत कुमार , दिलीप कुमार , कंचन कुमारी मनीषा कुमारी , रौशनी , विश्वकर्मा , संध्या कुमारी , अजीत चौधरी मौके पर उपस्थित विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक वसंत कुमार मेहता , अजीत कुमार , रविन्द्र खाखा , सबीर अली , विकास कुमार ,राजेश कुमार , अगस्टिन मुर्मू , गंगाधर यादव इसके अलावा अनेकों विद्यार्थी मौजूद रहे।

पलामू- गढ़वा के छात्रों के साथ छल करना बंद करें झारखंड सरकार- रूचिर तिवारी

- **झारखंड में सभी सरकारों ने पलामू गढ़वा के छात्रों के साथ दोहरी नीति अपनाया है -भाकपा**

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता सूर्यपत सिंह जिला सचिव सह डालटेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी, नौजवान संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, सचिव अभय कुमार भूइंया, उपाध्यक्ष आलोक कुमार तिवारी ने झारखंड सरकार के द्वारा पलामू और गढ़वा जिले के छात्रों के लिए एग्जाम में पास होने के लिए कुरुख एवं नागपुरी भाषा को अनिवार्य कर दिया गया है जो सरासर छात्र नौजवानों के साथ अन्याय एवं भेदभाव है पलामू एवं गढ़वा के छात्र नौजवानों को इस भाषा का ज्ञान नहीं है वहीं स्थानीय स्कूल एवं कॉलेज में इसकी पढ़ाई भी नहीं होती है यहां के छात्र मगही भोजपुरी एक हिंदी भाषा का प्रयोग करते हैं तथा शुरू से ही उनकी जानकारी भी इन छात्र नौजवानों को है ऐसी स्थिति में जो भाषा समाज के अंदर जनहित में बोलचाल के रूप में प्रयोग की जाती है वही भाषा को परीक्षा के रूप में अनिवार्य करना चाहिए लेकिन झारखंड सरकार के द्वारा छात्र नौजवानों पर जबरदस्ती भाषा को थोपकर पूरे राज्य में छात्र नौजवानों के बीच विद्वेष फैलाने काम कर रही है। झारखंड सरकार से अब मांग करते हैं कि अभिलंब लागू किया गया कुडुक और नागपुरी भाषा के जगह मगही, भोजपुरी और हिंदी को अनिवार्य किया जाए।

भूरकुंडा जंगल में पेड़ से लटका मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। इटखोरी पुलिस ने भुरकुंडा जंगल से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद कर चतरा सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मंगलवार सुबह नगवां के कुछ चरवाहे के अनुसार उक्त जंगल में पहुंचकर सप्ताह दिन पूर्व का शव बरामद किया है। शव से काफी दुर्गंध आ रहा है। शव का पहचान नहीं हो पाया है। मृतक व्यक्ति हरे रंग का शर्ट और कार्गो पॉइंट पहने हुए है। उसके गले में गमछी लगाकर पेड़ से बांधा गया था। पुलिस को सुचना मिलते हीं थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह,एसआई दुखी राम महतो, एसआई दिलबाग सिंह दलबल के साथ घटनाअस्थल पर पहुंचें। वहां पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर थाने ले आई। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया गया है । थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि शव अज्ञात व्यक्ति शव मिला है जिसका अब तक पहचान नहीं हो पाया है।

कट ऑफ डेट को लेकर पकरी बरवाडीह कोल खनन परियोजना के खिलाफ अनिश्चितकालीन महाधरना

- **बतौर मुख्य अतिथि शरीक हुए पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता**
- **कहा, पुरे हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा कोयला का उत्पादन झारखंड में होता है लेकिन सबसे दयनीय स्थित यहां के विस्थापितों की है**

आदिवासी एक्सप्रेस
बड़कागांव (हजारीबाग) 10 जून से युवा विस्थापित संघर्ष मोर्चा के द्वारा युवाओं एवं युवतियों का कट ऑफ डेट को लेकर अनिश्चितकालीन महाधरना का शुरुआत बड़का गांव के 13 माईल में किया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ. मिथिलेश दांगी विस्थापित नेता ने की और संचालन विस्थापित नेता लखेन्द्र ठाकुर ने किया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एवं सीपीआई के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता शरीक हुए। वहीं बतौर विशिष्ट अतिथि बटेश्वर प्रसाद मेहता एवं सत्य प्रकाश एडवोकेट शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भूवनेश्वर मेहता ने कहा कि पुरे हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा कोयला का उत्पादन झारखंड में होता है लेकिन सबसे दयनीय स्थित यहां के विस्थापितों की है जिनकी जमीन से कोयला निकाला जाता है। एनटीपीसी बड़कागांव और केरेडारी में चार कोल ब्लॉक स्थापित है, जिसमें तीन कोल ब्लॉक में उत्पादन कार्य किया जा रहा है। लेकिन आज तक विस्थापितों को न्याय नहीं मिला आज भी यूवा रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं। श्री मेहता ने कहा कि अभी जिनका आयु 18 साल से ऊपर है एनटीपीसी और उसकी सहयोगी कंपनियां उन्हें विस्थापित परिवार मानने को तैयार ही नहीं है। लगातार यहां के विस्थापित आंदोलन करने का काम किया है लेकिन कुछ राज्नीति करने वाले नेता, कुछ बिचौलिए और दलाल एवं एनटीपीसी और सहयोगी कंपनी विस्थापितों को लगातार परेशान करने का काम करने में लगे हुए हैं। दो वर्षों से अधिक समय से गोंदलपुरा में अडानी कंपनी के खिलाफ और चतरा जिला में भारत माला रोड और सिंहपुर कठौतिया रेलवे लाइन की जमीन के मुआवजा हेतु विस्थापित आंदोलन रत हैं। दुख की बात तो यह है कि ना ही जिला के पदाधिकारी और ना ही राज्य सरकार ने उनकी समस्या पर ध्यान दिया। बड़का गांव केरेडारी में लगातार प्रदूषण से लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो रहा है और कई प्रकार की बीमारियां भी फैल रही है पकरी बरवाडीह माइंस में सैंकड़ों वन भूमि और दो मुंहानी नाला को खत्म कर कोयले की निकासी हो रही है लेकिन विस्थापितों का कोई कार्य नहीं हो रहा है। श्री मेहता ने कहा कि वह कई दशकों से विस्थापितों और विस्थापन के मुद्दे को लेकर लड़ाई लड़ रहे हैं और आज भी लड़ाई जारी है हम विस्थापितों के आंदोलन के साथ हैं साथ थे और हमेशा साथ रहेंगे।
इस अवसर पर संबोधित करने वालों में झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता सहित कई विस्थापित नेता शामिल थे।

हजारीबाग में डिटेंशन सेंटर से फरार 3 बांग्लादेशी घुसपैठिए फिर पकड़े गए

क्राइम संवाददाता द्वारा
हजारीबाग। हजारीबाग जिले के डिटेंशन सेंटर से फरार हुए तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने फिर से गिरफ्तार कर लिया है। हजारीबाग पुलिस ने तीनों को पश्चिम बंगाल की सीमा से पकड़ा, जहां से वे एक बार फिर भागने की कोशिश कर रहे थे।गिरफ्तार किए गए तीनों बांग्लादेशी नागरिक बिना पासपोर्ट और वीजा के अवैध रूप से भारत में घुसे थे। इन्हें अलग-अलग अपराधों में जेल भेजा गया था। सजा पूरी होने के बाद इन्हें हजारीबाग स्थित डिटेंशन सेंटर में रखा गया था, ताकि इन्हें बांग्लादेश वापस भेजा जा सके।
शनिवार शाम तीनों ने डिटेंशन सेंटर की सुरक्षा दीवार और खिड़की का रॉड तोड़कर फरार हो गए थे। हालांकि, इस घटना की सूचना जिला प्रशासन और पुलिस को सोमवार को मिली। इसके बाद पुलिस ने सघन छापेमारी शुरू की और सीमावर्ती राज्यों को भी अलर्ट किया गया।
पकड़े गए कैदियों की पहचान: तीनों पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। इनमें रीना खान उर्फ फिना देवी, निपाह अख्तर खुशी और मोहम्मद नजमुल हंग हैं। रीना खान (फिना देवी)ः मूल रूप से बांग्लादेश के गाजीपुर, ढाका की रहने वाली है। वह 4 फरवरी 2022 को जामताड़ा जेल से हजारीबाग जेल लाई गई थी।
निपाह अख्तर खुशीः चटग्राम की रहने वाली है और 28 सितंबर 2024 को रांची के होटवार जेल से शिफ्ट होकर हजारीबाग लाई गई थी।मोहम्मद नजमुल हंगः बांग्लादेश के बागेरहाट का निवासी है और 1 मार्च 2025 को दुमका जेल से हजारीबाग जेल भेजा गया था।तीनों को बांग्लादेश भेजने के लिए भारत सरकार लगातार पत्राचार कर रही थी, लेकिन बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।
कैदियों के फरार होने के बाद हजारीबाग डिटेंशन सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और तत्काल कार्रवाई करते हुए सीमावर्ती इलाकों में छापेमारी तेज कर दी गई थी।
हजारीबाग डिटेंशन सेंटर से पहले भी विदेशी नागरिकों के भागने की घटनाएं सामने आई हैं। 8 मार्च 2021 को दो बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद जावेद उर्फ नूर और मोहम्मद जाहिद हुसैन यहां से खिड़की का रॉड तोड़कर फरार हो गए थे। इसके बाद 13 सितंबर 2021 को म्यांमार का नागरिक मोहम्मद अब्दुल्ला भी इसी डिटेंशन सेंटर से भागने में सफल रहा था।

देवघर के भीड़ भाड़ इलाके में लगे अस्थाई दुकानों में अचानक लगी आग

क्राइम संवाददाता द्वारा
देवघरः देवघर के भीड़भाड़ वाले इलाके लक्ष्मीपुर चौक के पास स्थित एक दुकान में अचानक आग लग गई. इस दुकान में प्लास्टिक के खिलौने के साथ पूजन सामग्री और लड़कियों के सामान भी बिकते हैं. इस दुकान में आग लगने के बाद तेजी से फैलने लगी. देखते ही देखते दर्जनों दुकानें आग की चपेट में आ गईं. यहां सभी दुकानें अस्थायी थीं. आग की लपटें इतनी भीषण थीं कि उसका धुआं दूर से ही दिखाई दे रहा था. देखते ही देखते आग आसपास के घरों में फैलने लगी.
परिवार के लोग आनन-फानन में अपने घरों से निकलकर सड़क पर आ गए. स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का अथक प्रयास किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. अग्निशमन विभाग को सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया. दो दमकल गाड़ियों के साथ घंटों मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया.
आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है लेकिन इस अग्निकांड में दुकानदारों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ होगा. आपको बता दें कि जिस जगह पर यह अग्निकांड हुआ है वहां से शिवगंगा और बाबा मंदिर की ओर नियमित रूप से श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है. इस घटना के बाद जिला प्रशासन के रुख पर भी नजर रखनी होगी, क्योंकि अगले महीने विशाल श्रावणी मेला का आयोजन होना है.

पारसनाथ पर्वत को संथालों का धार्मिक तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग हुई तेज

बिशेष संवाददाता द्वारा
रांचीः पारसनाथ पर्वत यानी मरांग बुरू को संथालों का धार्मिक तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग तेज हो गई है. सोमवार को भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर संथाल समाज से जुड़े मरांग बुरू बचाओ संघर्ष समिति के 51 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की.सीएम आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान शिष्टमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से गिरिडीह स्थित मरांग बुरू यानी पारसनाथ पीरटांड को संथाल आदिवासियों के धार्मिक तीर्थ स्थल को संरक्षित करने एवं प्रबंधन निगरानी, नियंत्रण और अनुश्रवण के लिए ग्राम सभा को जिम्मेवारी देने की मांग की.मरांग बुरू बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष रामलाल मुर्मू, फागू बेसरा और साहित्यकार भोगला सोरेन की मौजूदगी में शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री से इस संबंध में विस्तार से चर्चा की. उनका कहना था कि पारसनाथ पर्वत पीरटांड में प्राचीन काल से संथाल समुदाय मरांग बुरु को ईश्वर के रूप में पूजते आ रहे हैं.
छोटानगपुर कास्तकारी अधिनियम 1908, सर्वे भूमि अधिकार अभिलेख, कमीश्नरी कोर्ट, पटना हाई कोर्ट और प्रिवी काउंसिल कोर्ट से संथाल आदिवासियों को अधिकार प्राप्त है. इसलिए पारसनाथ पर्वत को संथालों का धार्मिक तीर्थ स्थल घोषित किया जाए. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने शिष्टमंडल को विधिसम्मत निर्णय लेने का आश्वासन दिया.
मरांग बुरू बचाओ संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री से कुछ अन्य मांगें भी रखी. सौंपे गए ज्ञापन में शिष्टमंडल ने आदिवासियों के धार्मिक स्थल मरांग बुरु, लुगू बुरु, अतु ग्राम, जाहेर थान (सरना), मांझी थान, मसना, हड़गडी आदि धार्मिक स्थल की रक्षा के लिए आदिवासी धार्मिक स्थल संरक्षण अधिनियम बनाने का आग्रह किया है.
साथ ही भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय संशोधन मेमोरंडम पत्र स्न.हृश 11-584/2014-ड्ढरु दिनांक 05 जनवरी 2023 एवं झारखंड सरकार पर्यटन, कला, संस्कृति विभाग के पत्रांक 1391, दिनांक 22.10.2016 एवं विभागीय पत्रांक 14/2010-1995 दिनांक 21.12.2022 का दिशा-निर्देश, जिसमें मांस-मदिरा के सेवन एवं खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है.
इसके अलावा पारसनाथ पहाड़ को सिर्फ जैन समुदाय का सम्मेद शिखर विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल का उल्लेख किया गया है, जो जैन समुदाय के पक्ष में एक तरफा एवं असंवैधानिक आदेश है, उसे रद्द करने की मांग की है.
शिष्टमंडल ने पारसनाथ पर्वत को संथाल आदिवासियों के धार्मिक तीर्थ स्थल को सुप्रीम कोर्ट केस संख्या 180/2011 एवं अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी अधिनियम 2006 की धारा 3 अंतर्गत सामूहिक वन भूमि अधिकार के तहत संरक्षण, प्रबंधन, निगरानी नियंत्रण एवं अनुश्रवण की जिम्मेवारी, वहां के आदिवासियों के ग्राम सभा को सौंपने की मांग की गई.
शिष्टमंडल ने मरांग बुरू युग जाहेर, बाहा-बोंगा पूजा महोत्सव फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीय तिथि को राजकीय महोत्सव घोषित करने का आग्रह मुख्यमंत्री से किया है. पारसनाथ पर्वत में जैन समुदाय के द्वारा वन भूमि पर अवैध ढंग से मठ-मंदिर, धर्मशाला आदि का निर्माण होने का आरोप लगाते हुए अवैध ढंग से निर्माण को अतिक्रमण से मुक्त करने का आग्रह किया है.

ईदगाह व मस्जिदों में अकीदत व एहतेराम के साथ अदा की गई ईद-उल-अजहा की नमाज

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित ईदगाह समेत अन्य मस्जिदों में ईद-उल-अजहा(बकरीद) की नमाज शनिवार को शांतिपूर्ण तरीके से अकीदत व एहतेराम के साथ अदा की गई. जिसमें मुल्क में अमन व शांति के साथ तरक्की की दुआ मांगी गई. बालूमाथ ईदगाह में मौलाना मजहर ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) त्योहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पैगम्बर हजरत इब्राहिम को अल्लाह ने अपने सबसे प्रिय को कुर्बान करने का हुक्म दिया. अल्लाह के हुक्म पर अपने रब को राजी करने के लिए पैगम्बर हजरत इब्राहिम ने अपने तेरह वर्षीय एकमात्र पुत्र को कुर्बान करने की कोशिश की. अल्लाह को अपने पैगम्बर की अदा बहुत पसंद आई और पैगम्बर हजरत इब्राहिम की सुन्नत के रूप में इसे मुसलमानों पर त्योहार का तोहफा दिया.जामा मस्जिद में मौलाना अताउल्लाह ने बकरीद की नमाज अदा करायी. इसके अलावा मासियातू, मूरपा, शेरेगड़ा, बालू धाधु, जर्री, मारंगलोइया सहित तमाम मस्जिदों में श्रद्धा व पूरी अकीदत के साथ ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई.नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी. बच्चों में भी बकरीद पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया. मुस्लिम यूथ कमिटी ने सदर मुजम्मिल हुसैन के नेतृत्व में ईदगाह को नमाज के लिए मुकम्मल तैयार करवाया था. मुस्लिम यूथ कमिटी के द्वारा ईदगाह के प्रवेश स्थल पर तोरणद्वार व मुबारकबाद के बैनर लगाए गए थे.बकरीद को लेकर डीसी व एसपी के निर्देश पर सभी संवेदनशील इलाकों में शांतिपूर्ण तरीके से त्यौहार संपन्न कराने के लिए ईदगाह,मस्जिदों मेंभी पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

उपायुक्त व एसएसपी ने किया नशा मुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार ने आज समाहरणालय परिसर से नशा मुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
वाहन को रवाना करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि झारखंड देश का पहला राज्य है, जहां गुटखा एवं पान मसाला पर प्रतिबंध लगा है। उन्होंने कहा धनबाद के युवाओं को नशा से दूर रखने और उसपर रोक लगाने के लिए जागरूकता रथ को रवाना किया है। रथ अगले दो सप्ताह तक जिले के विभिन्न क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों को हर तरह के नशा से दूर रहने के लिए जागरूक करेगा। उपायुक्त ने कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा वृहद रूप से अभियान चलाया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य प्रतिबंधित क्षेत्र में इसका कारोबार करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।
वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले के सभी थाना को स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थानों सहित अन्य प्रतिबंधित क्षेत्र के आसपास सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने लोगों से पुलिस को गुप्त रूप से इसकी सूचना देने का भी अनुरोध किया।

बसिया पिकेट पर पुलिस द्वारा चलाया गया एंटी क्राइम जांच अभियान

बालूमाथ। बालूमाथ आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से बसिया पिकेट पुलिस द्वारा रविवार को पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बसिया पिकेट के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया. जहां आने-जाने वाले सभी वाहनों की सघन जांच की गई. इस जांच अभियान के दौरान पुलिस ने दोपहिया,चारपहिया तथा भारी वाहनों को रोककर उनके कागजातों की गहनता से जांच की. चालकों से वाहन के रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाणपत्र और बीमा दस्तावेजों की जांच की गई. इसके साथ ही सुरक्षा मानकों जैसे हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग पर भी विशेष ध्यान दिया गया. बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि यह अभियान थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान समय-समय पर जारी रहेंगे, ताकि आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे.उन्होंने कहा कि जांच अभियान में नियम विरुद्ध ड्राइविंग व अन्य विसंगतियों पाए जाने पर जिला परिवहन विभाग को जुर्माना व अन्य अग्रतर कार्रवाई के लिए फोटो उपलब्ध कराया जा रहा है. एएसआई देव मंगल सिंह समेत अन्य अधिकारियों ने सक्रियता के साथ वाहनों की जांच की. पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने स्पष्ट संकेत दिया है कि जिले में शांति और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा.आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है.इसी दिशा में पुलिस लगातार सक्रिय है.इस मौके पर बसिया पिकेट पुलिस के साथ-साथ सशस्त्र बल के जवान भी तैनात थे।

संक्षिप्त समाचार

हिरणपुर अंचल में पढ़ने वाले 13 मौजा का मौजा बार समीक्षा नेशनल हाईवे 333 ए को लेकर भू अर्जन पदाधिकारी ने किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर (पाकुड़) नेशनल हाईवे 333 धरमपुर मोड़ से पाकुड़ परियोजना को लेकर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक की अध्यक्षता में हिरणपुर अंचल अंतर्गत पड़ने वाले 13 मौजों का मौजावार समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि मौजा गौरीपुर, तारापुर संथाली में उल्लिखित रकबा से अधिक जमीन पर पिलरिंग करने के कारण रैयतों में असंतोष है, जबकि तोरई और हिरणपुर खास में मुआवजा दर कम होने के कारण रैयत असंतुष्ट हैं। इसपर ह॥ कर्मियों तथा अंचल के कर्मी समन्वय बनाकर गौरीपुर और तारापुर संथाली का मामला सुलझाने की बात कही। कम मुआवजा दर वाले दोनों के रैयतों को अपर समाहर्ता के न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। मौजा देवपुर में एलाइनमेंट को लेकर विवाद है जहां ह॥ कर्मी, अंचल कर्मी तथा भू अर्जन कर्मी 12 जून 2025 को ग्रामीणों के साथ बैठक करने का निर्देश दिया गया।
मौके पर हिरणपुर अंचलाधिकारी श्री मनोज कुमार तथा सभी संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

- 92.6% अंक प्राप्त कर मानवी बनी अमड़ापाड़ा प्रखंड टॉपर

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता अमड़ापाड़ा

अमड़ापाड़ा (पाकुड़) झारखंड एकेडमिक काउंसिल के द्वारा कक्षा 10 वीं के नतीजे कुछ दिन पूर्व घोषित किए जा चुके थे।जिसमें छात्रों का कुल पास प्रतिशत 90.39 दर्ज किया गया है। वहीं अमड़ापाड़ा प्रखंड की छात्रा मानवी कुमारी ने 92.6% अंक प्राप्त कर प्रखंड में पहला स्थान प्राप्त किया है। ज्ञात हो कि छात्रा मानवी कुमारी प्रीपेरेटरी सेंटर,अमड़ापाड़ा की विद्यार्थी रही है। जिसके निदेशक आकाश भगत ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे शुभकामनाएं दी।आज आयोजित सम्मान समारोह में छात्रा मानवी ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने सभी शिक्षक शिक्षिकाओ और अपने माता-पिता को दिया। उन्होंने बताया कि बहुत लगन से पढ़ाई की थी, नतीजा अच्छा रहा। बहुत खुशी हो रही है। ज्ञात हो कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कोचिंग प्रिपेरेट्री सेंटर,अमड़ापाड़ा के आठवीं,नवीं, दसवीं तथा बारहवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। इस खुशी के अवसर पर आज प्रिपरेटरी सेंटर में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के द्वारा केक काट कर उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर आज सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया साथ सभी छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

मनरेगा लोकपाल ने योजनाओं का किया निरीक्षण

चान्हो। प्रखंड अंतर्गत पतरातू पंचायत के मनरेगा योजना के तहत संचालित योजनाओं का मनरेगा लोकपाल पुष्पलता जैसवाल द्वारा पतरातू पंचायत के विभिन्न गांवों में मंगलवार को भौतिक निरीक्षण किया. उन्होंने बिरसा सिंचाई कूप योजना का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने पतरातू के चारा गांव के सिंचाई कूप व अन्य योजनाओं का निरीक्षण किया. साथ ही उन्होंने जल्द से योजना पूर्ण एवं प्राक्कलन के अनुसार कार्य करने का निर्देश लाभुक को दिया. मौके पर मनरेगा बीपीओ गुंजन कुमार, प्रखण्ड प्रमुख होलिका देवी , उपप्रमुख शिवचरण उरांव, मुखिया सुनिता देवी,जेईई राजीव कुमार, एई रोहित कुमार आदि मौजूद थे.

जामुन बेचने आ रही महिला टैंपो की चपेट में आने से घायल

अजय कुमार कुशवाहा आदिवासी एक्सप्रेस

बरहेट थाना क्षेत्र के पेटखासा गांव समीप एक 45 वर्षीय महिला टेंपो के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार महिला सुहागन हासदा पहाड़पुर गांव के रहने वाला है. प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला पहाड़पुर गांव से बरहेट साप्ताहिक हाटिया जामुन बेचे बरहेट की ओर जा रहा था इसी दौरान महिला टेंपो की चपेट में आने से घायल हो गया. ग्रामीणों ने इलाज के लिए अस्पताल लाया जहां डॉक्टर बबलू कुमार ने प्राथमिक उपचार किया. वही बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर साहिबगंज रेफर कर दिया. इधर घटना के बाद टेंपो फरार है.

ईजरप्पा दिलाएगी सब-वे में जलजमाव की समस्या से निजात, स्थल पर पहुंच किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कुलापहाड़ी स्थित एलसी गेट नंबर 40 का निरीक्षण किया। यहां सब-वे में जल जमाव की समस्या से लगातार जूझ रहे संग्रामपुर, कुलापहाड़ी और तिलभिठा ग्राम वासियों की इस वृहद समस्या को लेकर ईजरप्पा के प्रतिनिधिमंडल ने स्थल का निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ईजरप्पा अध्यक्ष सह भाजपा नेता हिसाबी राय ने किया। ईजरप्पा के सचिव राणा शुक्ला, सह सचिव सह भाजपा नगर महामंत्री सुशील साहा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजा अंसारी, सादेकुल शेख, अलीम शेख, हाबिर शेख एवं ग्रामीण भी मौजूद थे।बता दें कि हाल ही में पूर्व रेल प्रशासन के द्वारा अपूर्ण भूमिगत पथ का निर्माण के उपरांत कुलापहाड़ी स्थित एलसी गेट नंबर 40 को आमजनों के आवागमन के लिए स्थाई रूप से बंद कर दिया गया था। जिससे आमजनों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। जिस वजह से ग्रामीणों में काफी रोष भी है। इधर हिसाबी राय ने बताया कि इस समस्या को देखते हुए ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के द्वारा मंडल रेल प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा सहित रेलवे के संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर सब-वे में जल जमाव की समस्या से अवगत कराया गया था। जिस पर उन्होंने उक्त समस्या के समाधान हेतू उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। पुनः रेल समस्याओं को लेकर ईजरप्पा का प्रतिनिधिमंडल महाप्रबंधक पूर्व रेलवे कोलकाता तथा मंडल रेल प्रबंधक पुर्व रेलवे हावड़ा से मिलकर अवगत कराएगी। इस बाबत ईजरप्पा का प्रतिनिधिमंडल सबवे का ग्राउंड जीरो का निरिक्षण कर जानकारी प्राप्त किया गया।जिसमें पाया गया कि सब-वे में जल जमाव के लिए जो उपाय रेलवे के द्वारा किया जा रहा है, वह नाकाफी है। इस हेतु कम से कम चार कावकेचर तथा जल निकासी हेतू स्थाई मोटर का अधिष्ठापन सब-वे में विद्युत आपूर्ति की सुदृढ़ व्यवस्था करने की आवश्यकता है। जिससे ईजरप्पा के द्वारा रेलवे के उच्च पदाधिकारी को अवगत कराकर समस्या का समाधान करवाएगी।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

- जनता की समस्याओं का समाधान हो सबकी प्राथमिकताः उपायुक्त
- ऑन स्पॉट कई मामलों का किया गया निष्पादन
- जिला अन्तर्गत लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द करें समाधान- उपायुक्त

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान शिक्षा विभाग, अबुआ आवास, रोजगार सेवक, कल्याण विभाग, समाज कल्याण आदि से संबंधित मामले से एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

उपायुक्त व उप विकास आयुक्त ने नशा मुक्त अभियान के तहत प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- 10 से 26 जून तक जिलेभर में चलेगा निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- राज्य सरकार द्वारा 10 जून से 26 जून 2025 तक प्रस्तावित राज्यव्यापी निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान का शुभारंभ मंगलवार को पाकुड़ जिला में किया गया। इस मौके पर समाहरणालय परिसर में उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इसके उपरांत उपायुक्त मनीष कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री संजय पीएम कुजुर, भूमि सुधार उप समाहर्ता श्री मनीष कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये प्रचार वाहन जिले के विभिन्न प्रखंडों में भ्रमण कर लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराएंगे तथा जागरूकता संदेश प्रसारित करेंगे।

इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि उसके भविष्य, परिवार एवं समाज को भी प्रभावित करता है। इससे मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इस सामाजिक बुराई के खिलाफ हमें मिलकर जागरूकता फैलानी होगी। जिला प्रशासन इस दिशा में सतत प्रयासरत है और समाज के हर वर्ग से सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने आमजनों से अपील किया कि वे इस अभियान में भाग लें और नशामुक्त समाज की दिशा में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं।

हिरणपुर में बिजली सुधार बना सिरदर्द, घटिया तारों से भड़कीं चिंगारियां, लोगों में आक्रोश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ जिले में बिजली विभाग द्वारा चलाए जा रहे पुराने तारों को बदलने के कार्य ने अब लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। इस का ज्वलंत उदाहरण हिरणपुर बाजार और थानापाड़ा क्षेत्र में बीते कुछ दिनों के भीतर ही बिजली विभाग ने पुराने जर्जर तारों को हटाकर नए तार लगाए गए थे, लेकिन इनकी गुणवत्ता पर अब सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि नई डाली गई बिजली तारें आए दिन शॉर्ट सर्किट कर रही हैं, जिससे कई जगहों पर तारों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं, इतना ही नहीं तार में आग बलास्ट होने लगती है जिससे आमजन दहसत में आ जाते हैं,फलस्वरुप बिजली आपूर्ति आये दिन ठप हो रही है, बल्कि लोगों के घरों और दुकानों में हादसे की आशंका भी बढ़ गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि नया तार महज एक सप्ताह पहले ही बदला गया था, लेकिन उसकी गुणवत्ता इतनी खराब है कि वह सामान्य बिजली लोड भी नहीं झेल पा रहा है। इससे आक्रोशित स्थानीय जनप्रतिनिधियों—वार्ड सदस्य राजकिशोर वागती, राम अवतार भगत, हीरालाल साहा, लक्ष्मण गुप्ता, तारा वागती, रियाजुल अंसारी और रामलाल रविदास—ने एक स्वर में संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई और बेहतर क्वालिटी के तार लगाने की मांग की है। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि आपातकालीन रूप से कुछ जगहों पर पुराने तारों को दोबारा जोड़कर बिजली आपूर्ति बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

इस पूरे मामले में जब बिजली विभाग के असिस्टेंट इंजीनियर जी.एस. मुंडा से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कॉल रिसीव करना भी जरूरी नहीं समझा। इससे आम जनता में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर गहरा असंतोष व्याप्त है।

अब देखना होगा कि विभाग कब जागेगा और कब इस गंभीर लापरवाही पर जिम्मेदारों के खिलाफ ठोस कार्रवाई होगी।

मंगलवार को प्रखंड सभागार मे संजय कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा के अध्यक्षता मे विशेष समीक्षात्मक बैठक की गई

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि राजेन्द्र नाथ मुर्मू लिट्टीपाड़ा) पाकुड़।
मंगलवार को प्रखंड सभागार मे संजय कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा के अध्यक्षता मे विशेष समीक्षात्मक बैठक की गई।
जिसमे पंचायती राज के तहत
1. आदर्श पंचायत सचिवालय
2. सभी कर्मी /पदाधिकारी के कक्ष के बाहर name plate लगाने
3. विद्यालय मे शौचालय निर्माण, सरकारी भवन का जीर्णोद्धार, सामुदायिक शौचालय निर्माण हेतु सूची जमा करने क़ो कहा गया द्य
4. विधायक महोदय के द्वारा प्रस्तावित बोरिंग एवं अन्य योजना का priority तैयार कर सूची जमा करने के बारे मे जानकारी दिया गया।
5. उपायुक्त के पंचायत निरीक्षण के तैयारी हेतु सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक क़ो निर्देश दिया गया ।
1. मनरेगा के समीक्षा के क्रम मे plantation के तहत pit digging का review किया गया।
2. मिटी मोरम सडक निर्माण के तहत सभी JE, AE से समीक्षा की गई।
3. मनरेगा के तहत, labour demand, CIB, अभिलेख का संधारण, MR Tracking, अबुआ आवास योजना में MR Generate आदि की प्रगति के सन्दर्भ मे समीक्षा की गयी।
1. आवास योजना के तहत, pm janman आवास, pmayg, AAY, बिरसा आवास योजना के सन्दर्भ मे चर्चा एवं समीक्षा की गयी द्य
2. गृह प्रवेश दिनांक -28.06.2025 के आयोजन हेतु सभी पंचायत सचिव क़ो अच्छे से गृह प्रवेश का आयोजन करने तथा फोटो share करने क़ो कहा गया।

बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक दास, बीपीआरओ कमल पहाड़िया, सहायक अभियंता साइमन हेम्ब्रम, कनीय अभियंता विजय रविदास, प्रदीप टुडू, नैयर आलम तथा सभी रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव उपस्थित थे।

प्रखंड क्षेत्र से आयें हुए लोगों की सुनी समस्या, कुछ लोगो का समस्या का त्वरित कार्रवाई किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बरहेट प्रखंड कार्यालय के प्रमुख कक्ष में प्रखंड प्रमुख श्री बर्नार्ड मरांडी ने प्रखंड क्षेत्र से आयें हुए लोगों की सुनी समस्या। कुछ लोगो का समस्या का त्वरित कार्रवाई किया गया। एवं कुछ का आश्वासन दिया गया यहां बताते चले कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय बरहेट में प्रखंड क्षेत्र के बाइसों पंचायत के आमजनों का किसी भी प्रकार का हो रहें असुविधा के लिए जनसंवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। मौके पर मौजूद थे- उपप्रमुख रूपक साह, छवि हेंब्रम,बल्लू हांसदा, लड्डू भगत,राकेश बेसरा सहित अन्य मौजूद थे।

चार वर्षीय बच्चे को लेकर परिजन अस्पताल पहुचे, जहां जांच के दौरान ही बच्चे की मौत हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। सदर अस्पताल में सोमवार की देर शाम गंभीर स्थिति में चार वर्षीय बच्चे को लेकर परिजन अस्पताल पहुचे। जहां जांच के दौरान ही बच्चे की मौत हो गई। रविवार को सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में बच्चे के शव का पोस्टमार्टम तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड की टीम ने की है। बच्चा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शोभनपुर सरोज कुमार का पुत्र श्रेयांस कुमार था। परिजनों के अनुसार सोमवार को अचानक बच्चे की तबियत बिगड़ने लगी। हाथ पैर कड़ा होने लगा था। इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पंहुचा। हालांकि रास्ते मे ही बच्चे ने दम तोड़ दिया। वही पुलिस का अंदेशा है कि सांप कटने से बच्चे की मौत हुई होगी। इधर पोस्टमार्टम में तीन सदस्यीय टीम में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. फरोग हसन, डॉ. तबरेज आलम व डॉ. कुमार अंकित थे। वही टीम के अनुसार बच्चे की मौत की वजह अबतक साफ नही हो सकी है। फ़िलहाल बेसरा रिजर्व कर फोरेंसिक जाँच के लिए रांची भेजा गया है। इधर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्रोजेक्ट एसआईपी अंतर्गत समाहरणालय स्थित सभागार में दो दिवसीय कार्यालय सुदृढ़ीकरण कार्यशाला का आयोजन उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। कार्यशाला में समाहरणालय संवर्ग अंतर्गत सभी कार्यालय के नजारत अंतर्गत सभी प्रकार के रोकड़ बही की जांच दिनांक 10 जून से 11 जून 2025 तक किया जाना है। प्रथम चरण में मंगलवार को सभी अंचल कार्यालय, मवेशी हाट हिरणपुर, जिला आपूर्ति कार्यालय, जिला पंचायती राज कार्यालय, जिला निर्वाचन कार्यालय, जिला नजारत शाखा के रोकड़ वही का जांच कार्य संपन्न हुआ। जांच दल में प्रहलाद मंडल, रोशन झा, पंकज कुमार नीलम, राम विलास यादव, उमर फारूक अंसारी, जयप्रकाश महतो, रफीकुल इस्लाम लिपिक शामिल थे।
उपायुक्त मनीष कुमार द्वारा सभी कार्यालय में नियमित रूप से रोकड़ वही संधारित करने, शौचालय को साफ रखने, कार्यालय परिसर को साफ रखने का निर्देश दिया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, स्थापना उप समाहर्ता मनीष कुमार उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर : संसद से क्यों भाग रही है मोदी सरकार!

विचार

विशेष सत्र की मांग खारिज कर सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके।

राजेंद्र शर्मा

मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। आखिरकार, मोदी सरकार ने पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद, 'आपरेशन सिंदूर' समेत पूरे घटनाक्रम पर संसद में अलग से चर्चा कराए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। बेशक, मोदी सरकार ने सीधे-सीधे इस मांग को नहीं ठुकराया है। सच तो यह है कि आधिकारिक रूप से तो उसने इस समूचे घटनाक्रम पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की विपक्ष की लगभग पूरी तरह से एकजुट मांग को दर्ज तक करना जरूरी नहीं समझा है, तब इस मांग को स्वीकार किए जाने का तो सवाल ही कहां उठता था। मोदीशाही ने संसद के विशेष सत्र की मांग को ठुकराया है, संसद के आगामी मानसून सत्र की तारीखों की समय से पहले घोषणा करने के जरिए। सरकार के फैसले के अनुसार, संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से होने जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद के विशेष सत्र तथा पूरे घटनाक्रम पर संसद में बहस की बढ़ती मांगों की ही काट करने के लिए, अभी से अगले सामान्य सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गयी है। प्रस्तावित सत्र से डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, 4 जून को इन तारीखों के ऐलान से इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं रह जाती है कि संसद के विशेष सत्र की मांगों को खारिज करने के लिए ही, इतने पहले से प्रस्ताविक सामान्य सत्र की तरीखों का ऐलान किया गया है। सामान्यतः सत्र के शुरू होने की तारीख के ज्यादा से ज्यादा दो-तीन सप्ताह पहले ही, आगामी सत्र की तारीखों की घोषणा की जाती रही है। मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर

फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके। जिस तरह मणिपुर के मामले में संसद के किसी भी हस्तक्षेप का विफल होना सुनिश्चित किया गया था और यहां तक केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला लिया भी तो, उक्त बहस से लंबे अंतराल के बाद, राष्ट्रधारी पार्टी के अपने ही तकाजों से इसका फैसला लिया था। उसी प्रकार, पहलगाम और उसके बाद के घटनाक्रम पर, किसी भी जवाबदेही से सरकार को बचाने की ही कोशिश की जा रही होगी। ऐसा किसलिए किया जा रहा है, यह जानना मुश्किल नहीं है। इसके पीछे औपचारिक रूप से तो कोई तर्क ही नहीं है क्योंकि जैसा कि हमने पहले ही कहा, सरकार ने विशेष सत्र बुलाने की मांग को सुना-अनसुना ही कर दिया है। बहरहाल, अनौपचारिक रूप से इसके पीछे जो तर्क काम कर रहा है, उसकी झलक हमें मोदीशाही की ट्रोल सेना से लेकर सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ताओं तक के अलग-अलग बयानों में दिखाई दे जाती है। इस तर्क का सार यही है कि विपक्ष को और जाहिर है कि उसके माध्यम से आम जनता को, सरकार द्वारा जो कुछ कहा-बताया गया है, उसके अलावा कुछ भी जानने की जरूरत ही क्या है? इसी तर्क का विस्तार है कि संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी द्वारा साढ़े तीन दिन के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पक्ष को हुए नुकसान के बारे में सवाल पूछे जाने पर, इस तरह के सवालों को 'पाकिस्तान की आवाज' करार देकर, दबाए जाने की ही कोशिशें की गयी हैं। और शस्त्रविराम के पूरे महीने भर बाद भी आधिकारिक रूप से इस सैन्य कार्रवाई में भारतीय पक्ष के नुकसान की, खासतौर पर विमानों के नुकसान की, कोई जानकारी देना ही जरूरी नहीं समझा गया है। हद से हद उच्च सैन्य अधिकारियों की ओर से गोल-मोल तरीके से यह स्वीकार किया गया है कि, 'लड़ाई में नुकसान तो होता ही है'। जाहिर है कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का यह ऐलान एक आसान बहाना बन गया है कि 'आपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ पॉज हुआ है।' शस्त्रविराम के बाद भी लड़ाई जारी रहने की यह मुद्रा, किसी भी वास्तविक जवाबदेही के तकाजों के खिलाफ एक बड़ी ढाल बन जाती है। कहने की जरूरत नहीं है कि पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, सरकार से जवाब लिए जाने के लिए थोड़ा नहीं, बहुत कुछ है। बेशक, पहलगाम की दरिंदगी के डेढ़ महीने से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी ये सवाल अनुत्तरित ही बने हुए हैं कि इस घटना के पीछे की सुरक्षा चूक के लिए कौन जिम्मेदार था और इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले आतंकवादी, कहां से आए थे और कहां गायब हो गए? लेकिन, पहलगाम की घटना से, उसकी जिम्मेदारी से संबंधित सवाल ही नहीं हैं, जो अनुत्तरित बने हुए हैं। इस घटना के बाद से मोदी सरकार की जो प्रतिक्रिया सामने आई है और खासतौर पर 'आपरेशन सिंदूर' के नाम से जो सैन्य प्रतिक्रिया सामने आई है, उसे लेकर भी कोई कम सवाल नहीं हैं। इसमें, जिस प्रकार शस्त्र विराम हुआ है उससे जुड़े और खासतौर पर शस्त्रविराम कराने में अमरीकी प्रशासन की भूमिका से जुड़े सवाल भी शामिल हैं। हम इसकी ओर से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब तक एक दर्जन बार इसका दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया है, नाभिकीय टकराव के खतरे को टालने के लिए युद्ध विराम कराया है और व्यापार का लालच/धमकी देकर युद्ध विराम कराया है। और प्रधानमंत्री मोदी ने इन दावों पर चुप्पी ही साधी हुई है। और कुछ हो न हो, 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान को सजा देने के चक्कर में, भारत-पाकिस्तान के बीच के झगड़े में, अमेरिका के रूप में ताकतवर तीसरे पक्ष को ले आया गया है। इसने इसे भारत के लिए एक प्रकार से खुद अपने ही पाले में गोल करने का मामला बना दिया है। लेकिन, सवाल सिर्फ तीसरे पक्ष को बीच में ले आए जाने का ही नहीं है। आतंकवादियों की कार्रवाई के जवाब के तौर पर इस तरह की सैन्य कार्रवाई का चुनाव भी, बड़े सवालों के घेरे में है। इस तरह के विकल्प को ही प्रधानमंत्री मोदी का 'नया नॉर्मल' घोषित करना तो और भी बड़े सवालों के घेरे में है। बेशक, भारत की ओर से शुरूआत में टकराव को सीमित रखने की और प्रहार को आतंकवादी ठिकानों पर सीमित रखने की कोशिश की गयी थी। विदेश मंत्री के अनुसार, इस संबंध में शुरूआत में ही पाकिस्तान को सूचित भी कर दिया गया था, जिससे वह जवाबी सैन्य कार्रवाई से दूर रहे। लेकिन, यह सब जिस पूर्वानुमान पर आधारित था कि पाकिस्तान अपनी सीमाओं में घुसकर सैन्य कार्रवाई किए जाने को बिना सैन्य जवाब के स्वीकार कर लेगा, न सिर्फ गलत साबित हुआ बल्कि उसे तो गलत साबित होना ही था। इस गलत पूर्वानुमान के आधार पर सैन्य विकल्प का चुनाव किया गया, जो वस्तुगत रूप से बहुत महंगा साबित होने के अर्थ में उल्टा ही पड़ा है। एक ओर इन तमाम प्रश्नों पर देश की संसद का मुंह पहलगाम की घटना के पूरे तीन महीने बाद तक बंद ही रखने का इंतजाम कर दिया गया है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्ताधारी संघ-भाजपा ने, 'आपरेशन सिंदूर' को राजनीतिक/चुनावी रूप से भुनाने की जबर्दस्त मुहिम छेड़ रखी है। यह मुहिम बेशक, बिहार के आने वाले विधानसभाई चुनाव पर केंद्रित है, जो इसी साल और कुछ ही महीनों में होने जा रहा है। लेकिन, यह मुहिम पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल आदि के चुनाव के लिए भी, है जो अगले साल के शुरू के महीनों में होने हैं। इसी के लिए, लड़ाई रुकने के महीने भर बाद भी, 'रगों में सिंदूर दौड़ता है' की लफ्फाजी के जरिए, युद्धोन्माद बनाए रखा जा रहा है। संसद को पंगु बनाकर, इस तरह की मुहिम का चलाया जाना, बेशक मोदीशाही के तानाशाहाना मिजाज की ही गवाही देता है। इसे देखते हुए, हैरानी की बात नहीं है कि शेष दुनिया आज, आतंकवाद का शिकार होने के बावजूद, भारत के साथ खड़े होने से कतरा रही है। धर्मनिरपेक्षता और जनतंत्र, देश के अंदर दोनों को दफ्न करने पर तुली मोदीशाही की नीयत पर, बाहरी मामलों में भी कोई भरोसा करेगा भी तो कैसे?

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

संपादकीय

घटना ने झकझोर दिया

भारत में विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें जीवन भर के रिश्ते की बुनियाद पड़ती है। एक विश्वास के साथ युगल अपने नए जीवन की यात्रा आरंभ करता है। पति और पत्नी दोनों को भरोसा होता है कि जब भी वे मुश्किल डगर पर होंगे, तो एक-दूसरे को संभाल लेंगे। इंदौर के राजा रघुवंशी शादी के एक हफ्ते बाद अपनी मधुर स्मृतियों को सहेजने के लिए पत्नी के साथ जब मेघालय गए होंगे, तब उन्हें पता नहीं होगा कि वे कभी लौट कर घर नहीं आएंगे और उनका हनीमून एक भयावह घटना में बदल जाएगा। शिलांग में पर्यटन के दौरान यह नवयुगल लापता हो गया था। इसके बाद एक खाई में राजा का शव मिला। तब से उनकी पत्नी सोनम गायब थी। पुलिस उसे ढूंढ़ती रही। सात दिन बाद पता चला कि वह गाजीपुर में है। इसके बाद देश को झकझोर देने वाली इस घटना से पर्दा उठ गया। पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही पति की हत्या भाड़े के हत्यारों से कराई है। उसने आत्मसमर्पण जरूर कर दिया है, लेकिन सवाल उठता है कि अगर उसे आपत्ति थी, तो उसने यह शादी ही क्यों की? पिछले एक अरसे में नवदंपतियों के बीच बढ़ते अविश्वास और मतभेद के कारण कलह, मारपीट और तलाक के मामले बढ़े हैं। जीवन भर एक-दूसरे का साथ निभाने का जो वचन दिया जाता है, वह कुछ दिनों या महीनों में टूटने लगता है। दोनों पक्ष के परिवारों के समझाने-बुझाने पर भी कई बार पति-पत्नी साथ नहीं रहते और नवयुगल का घरौंदा बसने से पहले ही उजड़ जाता है। उत्तर प्रदेश में अपराध पर काबू पाने के दावे में देखी जा रही है हड़बड़ी, नाहक ही बिना अपराध के तीन वर्ष जेल में काटनी पड़ी जेल मगर सवाल है कि वे कौन से कारण हैं, जिनकी वजह से नवदंपतियों में टकराव की नौबत पैदा होती है। इसे समझना होगा। दरअसल, इसके पीछे अति महत्त्वाकांक्षा, सुख-सुविधाएं और अवैध संबंध तो हैं ही, वहीं परिवार के दबाव में अनिच्छा से की गई शादी भी बड़ी वजह है। फिलहाल सोनम पर जो गंभीर आरोप लगे हैं, इसका जवाब अब उसी को देना है। मगर, इस घटना ने सभी को झकझोर दिया है।

संत कबीर जयंती: विचारों की क्रांति का महापर्व

प्रो. आरके जैन

संत कबीरदास-एक ऐसी चिंगारी, जो सदियों बाद भी अंधेरे को भस्म करती है, एक ऐसी वाणी, जो पाखंड की बेड़ियों को तोड़ती है, और एक ऐसा दर्शन, जो मानवता को सत्य और प्रेम की राह दिखाता है। जब भारतीय संत परंपरा का जिक्र होता है, तो कबीर का नाम तूफान की तरह गूँजता है-न झुकने वाला, न थमने वाला। वे न राजसत्ताओं के गुलाम थे, न धर्मों के ठेकेदार। उनकी हर साखी, हर दोहा, हर शब्द एक हथौड़ा है, जो अज्ञान, जातिवाद और ढोंग की दीवारों को चूर-चूर करता है। उनकी जयंती, ज्येष्ठ पूर्णिमा, जो 11 जून 2025 को देश के कोने-कोने में उत्साह के साथ मनाई जाएगी, केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक क्रांति का शंखनाद है-सत्य, समानता और करुणा की चेतना का महापर्व। यह वह दिन है, जब कबीर की आवाज हमें झकझोरती है-जागो, बंदे! पाखंड छोड़ो, सत्य को गले लगाओ। कबीर का जन्म 15वीं शताब्दी में माना जाता है, हालांकि उनके जन्मकाल को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं। कुछ स्रोत 1398 को उनका जन्मवर्ष बताते हैं, तो कुछ 1440 के आसपास। उनकी जन्मकथा रहस्य से भरी है-कहा जाता है कि वे काशी (आधुनिक वाराणसी) में एक विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से प्रकट हुए, जिन्हें स्वामी रामानंद का आशीर्वाद प्राप्त था। उनका पालन-पोषण नीरू और नीमा, एक जुलाहा दंपति ने किया। निम्न मानी जाने वाली जाति में जन्मे कबीर ने कभी सामाजिक भेदों को स्वीकार नहीं किया। उनका जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण है कि आत्मा की शुद्धता और विचारों की ऊँचाई ही मानव की सच्ची पहचान है। कबीर ने निर्गुण भक्ति का मार्ग चुना, जिसमें ईश्वर निराकार, सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है। उन्होंने मंदिर-मस्जिद के आडंबरों को ठुकराया और ईश्वर को हृदय में खोजने का संदेश दिया। उनका दोहा-"मोको कहाँ ढूँढे

रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना मैं मंदिर, ना मैं मस्जिद, ना मैं काबे कैलास में। न केवल उनकी आध्यात्मिक गहराई को उजागर करता है, बल्कि धार्मिक पाखंडों पर करारा प्रहार भी करता है। कबीर की रचनाएँ-दोहे, साखियाँ और शब्द-भाषा की सरलता और विचारों की तीक्ष्णता का अनुपम संगम हैं। उनकी रचनाएँ अवधी, भोजपुरी और हिंदी के मिश्रण में हैं, जो आम जन की जुबान थीं। उनका एक और प्रसिद्ध दोहा-"पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।-यह सिखाता है कि सच्चा ज्ञान वह नहीं जो शास्त्रों में कैद हो, बल्कि वह जो प्रेम, करुणा और मानवीयता को जागृत करे। कबीर ने धार्मिक गुरुओं, पंडितों और मुल्लाओं की खोखली विद्वता पर तीखे व्यंग्य किए। उनकी वाणी में जीवन का हर पहलू-सामाजिक असमानता, धार्मिक ढोंग, नैतिकता और आत्म-जागरूकता-स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी रचनाएँ 'बीजक', 'साखी', 'शबद' और 'रमैनी' जैसे संग्रहों में संकलित हैं, जो आज भी भक्ति और दर्शन के साधकों के लिए मार्गदर्शक हैं। कबीर एक गृहस्थ संत थे। उन्होंने लोई नामक महिला से विवाह किया और उनके बच्चे-कमाल और कमाली-थे। गृहस्थ जीवन जीते हुए भी उनका जीवन सादगी, वैराग्य और सत्यनिष्ठा का प्रतीक था। वे समाज में रहकर उसे सुधारने का साहस रखते थे। उनकी शिक्षाओं ने संत रैदास, धन्ना, पीपा जैसे अनुयायियों को प्रेरित किया, और कबीरपंथ आज भी उनके विचारों को जीवित रखता है। कबीर ने नारी को सम्मान दिया और हर रिश्ते को आध्यात्मिकता से जोड़ा। उनका यह विश्वास-जात न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान। सामाजिक भेदभाव को नकारता है और ज्ञान को सर्वोपरि मानता है। कबीर जयंती का उत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है। इस दिन देशभर में कीर्तन, भजन, सत्संग और उनके दोहों पर आधारित गोष्ठियाँ होती हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में यह पर्व विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। लेकिन कबीर जयंती का असली मर्म उनके विचारों को आत्मसात करने में है। आज का समाज फिर से जातिवाद, धार्मिक कट्टरता और नैतिक पतन की बेड़ियों में जकड़ा है। ऐसे में कबीर का यह दोहा-"चलती चाकी देख के, दिया कबीरा रोय। दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय।"-हमें याद दिलाता है कि समाज की क्रूर व्यवस्था में हर व्यक्ति पीस रहा है। कबीर इस व्यवस्था को तोड़ने और सत्य, प्रेम व समानता का समाज बनाने के पक्षधर थे। कबीर ने कभी तलवार नहीं उठाई, पर उनके शब्दों में वह शक्ति थी जो राजसत्ताओं और धार्मिक ठेकेदारों को चुनौती दे सके। उनकी वाणी-"मन का साँच झूठे से ऊँचा, साँच बिना सब सून।"-हमें सिखाती है कि सत्य के बिना जीवन निरर्थक है। आज जब हम कबीर जयंती मनाते हैं, तो यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मपरीक्षण का अवसर है। क्या हम अब भी धर्म और जाति के नाम पर बँटे हैं? क्या हम अब भी सत्य को छोड़कर आडंबरों में जी रहे हैं? कबीर की शिक्षाएँ हमें प्रेम और करुणा का मार्ग दिखाती हैं, जो मानवता को एकजुट कर सकता है। कबीरदास एक शाश्वत ज्योति हैं, एक ऐसी गूँज जो सदियों बाद भी थमती नहीं। उनकी जयंती हमें पुकारती है-उठो! ढोंग की परतें उतारो, प्रेम की राह अपनाओ, और सच्चा इंसान बनो। यह पर्व केवल एक दिन की श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि हर दिन को कबीरमय बनाने का संकल्प है। उनकी वाणी हमारे अंतर्मन को झकझोरती है, हमें अपने भीतर झाँकने को मजबूर करती है। कबीर की विरासत वह चेतना है, जो हमें समाज के छल और समय की सीमाओं से परे ले जाती है। इस जयंती पर कबीर के विचारों को न केवल याद करें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। यह वही सच्ची पूजा होगी, जो कबीर के सपनों को साकार करेगी-एक ऐसा समाज, जहाँ न जाति हो, न धर्म का झगड़ा, केवल प्रेम और सत्य का राज हो। कबीर की आवाज आज भी गूँज रही है, और यह हम पर है कि हम उस पुकार को सुनें और उसका अनुसरण करें।

श्रम की खुशबू और सफलता

संजीव ठाकुर

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए सही योजना परिकल्पना तथा रणनीति अत्यंत आवश्यक है अपने लक्ष्य के अनुसार अपनी क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्ति को अपनी प्राथमिकताएं सुनियोजित कर लेनी चाहिए, लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह बहुत जरूरी है कि आपके पास उपलब्ध समय की गणना आवश्यक रूप से कर ले, अन्यथा अपने टारगेट से इधर उधर भटक सकते हैं, ऐसी स्थिति में मन को एकाग्र रखकर आत्मविश्वास को द्विगुणित कर के एकाग्रता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा, सर्वप्रथम आप अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानिए एवं लक्ष्य की तरफ एक एक सोपान धीरे धीरे बढ़ाते जाएं, लक्ष्य के स्वरूप और छोटा या बड़ा होने की मन में कल्पना न करें, लक्ष हमेशा लक्ष्य होता है छोटा बड़ा नहीं, इसके लिए बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति के उपायों को मन ही मन तय करें एवं प्राथमिकता के आधार पर उसकी धीरे धीरे तैयारी करना शुरू करें सफलता के लिए अपने संसाधन सुनिश्चित करने के पश्चात एक सुनियोजित योजना बनाकर समय की प्रतिबद्धता के हिसाब से धीरे-धीरे आगे की ओर अपने कदम न सुनिश्चित करें लक्ष्य प्राप्ति के लिए जो सबसे बड़ा शस्त्र है वह समय का सदुपयोग, क्योंकि हम सभी को मालूम है कि हमारे पास दिन में सिर्फ 24 घंटे ही उपलब्ध होते हैं, इसमें हमें दैनिक दिनचर्या शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए समय निकालने की आवश्यकता होगी, ऐसे में समय का समुचित उपयोग एक सफल नियोजन कर्ता की तरह किया जाना चाहिए, उपलब्ध समय में उचित समय पर उठना स्नान, ध्यान, भोजन एवं मानसिकता दृढ़ता के लिए समुचित नींद या निद्रा की अत्यंत आवश्यक होती हैं किसी ने सच कहा है, मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, यदि आपको जीवन में जीत या सफलता प्राप्त करनी है तो आप मानसिक दृढ़ता के साथ आप आत्मविश्वास से लबरेज यानी ओतप्रोत होने के लिए तैयार हो जाए, लक्ष्य छोटा हो या बड़ा घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क ही सोच के हिसाब से सफलता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्षम होता है काम करने से पहले ही यदि आप आधे मन से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे तो सफलता प्राप्त होने में संदेह ही नहीं सारी परिस्थितियां संदिग्ध हो जाती है लक्ष्य की दूरहता या क्लिष्टता का पूर्वानुमान अपनी सफलता की तैयारी के पूर्व ही कर लिया जाना चाहिए और इन सब के लिए सुनियोजित रणनीति या कार्य योजना तैयार कर उस लक्ष्य की तरफ रुख किया जाना चाहिए। अपनी प्राथमिकताओं में सर्व प्रथम स्थान

नींद का होना चाहिए, सही वक्त पर पूरी नींद ही शरीर को चुस्त-दुरुस्त और सजग रखती है अतः दिन में मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए संपूर्ण 6 से 8 घंटे नींद ले लेनी चाहिए, जिससे मानसिक चुस्ती आने के साथ कार्य क्षमता में वृद्धि होती है, अन्यथा आपका किसी कार्य में समुचित मन लगना संदिग्ध होगो, इसी तरह आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिनचर्या के कार्यों को या तो अच्छे से याद कर ले या उसे कॉपी या डायरी में अच्छी तरह लिख कर रखें और रोज ही अपने लिखे हुए कार्यों को सुचारू रूप से संपादित करें अपने कार्य को प्राप्त करने के लिए होमवर्क किया जाना होगा सफलता की प्राप्ति के लिए दिन के लक्ष्य को कागज पर उतार कर उससे जुड़ी हुई विषमताओं एवं चुनौतियां को लिखकर चुनौतियों के समाधान को भी अपने मस्तिष्क में स्थापित कर लेना चाहिऐ जिससे यह आपको सुनिश्चित हो जाएगा कि आप लक्ष्य की कठिनाइयों को किस तरह दूर कर पाएंगे और इनका निदान किस तरह किया जा सकेगो कई बार ऐसे अवसर आएंगे जब आपका आत्मविश्वास आपकी उर्जा एवं शक्ति डगमगाने लगेगी, ऐसे मौके या तो आपकी शारीरिक कमजोरी, मानसिक शिथिलता, सामाजिक, पारिवारिक परिस्थितियों एवं काल के कारण आपके सम्मुख आ सकती हैइन परिस्थितियों में मनुष्य को लगने लगता है कि उनकी मेहनत और लक्ष्य अनायास व्यर्थ हो गई हैं, बस ऐसे ही समय में आपको अपने मस्तिष्क मे से नकारात्मक विचारों और सोच को दूर रख कर मनन कर आत्मविश्वास के साथ दूर कर आगे की ओर अग्रसर होना है यही समय है जब आपको अपने आप को संतुलित कर आगे की ओर ले जाना है, और सबसे अहम एवं महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्य प्राप्ति के दौरान आप नकारात्मक यानी कि नेगेटिव वातावरण एवं इस तरह की मानसिकता वाले व्यक्तियों से दूर रहकर मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा भरकर आत्मविश्वास से लबालब होना है इस तरह आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर पूरी ऊर्जा और सामर्थ्य के साथ प्राप्त करने के लिए अग्रसर होंगे, लक्ष्य प्राप्ति के साधनों तथा उससे जुड़े हुए समर्थ व्यक्तियों की तलाश में भी आपको सतत रहना होगा यदि आप प्रतियोगिता परीक्षा और उसकी सफलता के लिए प्रयासरत हैं तो ऐसे व्यक्तियों को सदैव बुद्धिमान एवं मेहनती अध्येता के साथ विचार विमर्श करना चाहिए एवं लाइब्रेरी या पुस्तक विक्रेताओं से सर्वश्रेष्ठ ज्ञानार्जन के लिए किताबों का संग्रह किया जाना चाहिए या किसी का अन्य लक्ष्य हो तो सदैव उसे समय की उपयोगिता तथा उसकी सार्थकता पर जरूर ध्यान केंद्रित कर सफल व्यक्तियों का अनुसरण किया जाना चाहिए तभी सफलता उनके कदम चूमेगी और सफलता का एक ही सूत्र एवं रहस्य है कि अपने मस्तिष्क की प्रबलता बनाए रखें जाने के साथ कड़ी मेहनत भी करें, तब जाकर सफलता व्यक्ति के कदम चूमती है

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

नशा मुक्ति जन-जागरूकता रथ को उपायुक्त ने दिखाई हरी झंडी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। नशा उन्मूलन को लेकर जिले में जागरूकता फैलाने हेतु आज समाहरणालय प्रांगण से नशा मुक्ति जन-जागरूकता रथ को डीसी हेमंत सती ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों में जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेगा और समाज में व्याप्त नशा की प्रवृत्ति को खत्म करने के उद्देश्य से जन संवाद स्थापित करेगा। इस अवसर पर डीसी ने कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप है और इसके खिलाफ जनजागरूकता ही सबसे प्रभावी हथियार है। उन्होंने यह भी कहा कि यह रथ केवल प्रचार वाहन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का माध्यम बनेगा। मौके पर उपस्थित अपर समाहर्ता गौतम भगत ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि जन सहयोग से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव ने बताया कि रथ के माध्यम से नुक्कड़ नाटक, ऑडियो-विजुअल माध्यम और बैनर-पोस्टर के जरिए नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जाएगा।

अपराध नियंत्रण को लेकर बरहेट थाना पुलिस को पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार सर्च ऑपरेशन का आदेश दिया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिला के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर बढ़ते अपराध को देखते हुए, अपराध नियंत्रण को लेकर बरहेट थाना पुलिस को पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार सर्च ऑपरेशन का आदेश दिया गया है। अपराध नियंत्रण के प्रयास को आगे बढ़ाते हुए बरहेट पुलिस द्वारा बड़ा उदाली, छोटा उदाली, कादली गोड़ा, कोटरो पहाड़, मानसिंदरी पहाड़ी इलाका जो गोड्डा जिला के सुंदरपहाड़ी थाना, राजभीठा थाना एवं ललमटिया थाना तथा साहिबगंज जिला के बोरियों थाना एवं बरहेट थाना के पहाड़ी इलाका से सटा हुआ सीमावर्ती क्षेत्र है। इन क्षेत्रों में आपराधिक तत्वों के रहने एवं छुपाने कि सूचना प्रायः मिलती है। जहां पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पुलिस टीम द्वारा उस क्षेत्र में एलआरपी के माध्यम से छापामारी की जा रही है। जहां जिला को अपराध नियंत्रण में कमी ला सके।

आपसी विवाद में हुई मारपीट में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत हापू टोला गांव में मंगलवार को आपसी विवाद में हुई मारपीट में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मयमुल शेख 54 वर्षीय, रोशना बीबी 46 वर्षीया, दूसरे पक्ष ताहिरा बीबी 56 वर्षीया, नईम शेख 16 वर्षीय, वसीम शेख 16 वर्षीय, सेलिना खातून 15 वर्षीया, के बीच आम तोड़ने को लेकर हुए विवाद में जमकर मारपीट में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अपने-अपने परिजनों के मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। मामले को लेकर ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी ने बताया कि घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई है।

उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त-सह- जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त- सह- जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें।साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

प्रत्येक मंगलवार को विधायक कक्ष में जनता दरबार के माध्यम से लोगों की समस्याओं का निदान करना मुख्य उद्देश्यः बरकत खान

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस

बरहरवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने बरहरवा प्रखंड स्थित विधायक कक्ष में प्रत्येक मंगलवार की भांति आज भी जनता दरबार के माध्यम प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण एवं नगर पंचायत के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत होकर संबंधित पदाधिकारी से वार्तालाप कर समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया। इसी क्रम में ग्रामों एवं नगर पंचायत के लोगों ने पीएम आवास, अबुवा आवास की राशि भुगतान से संबंधित,मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अनुदान राशि न मिलने से संबंधित,जाति आय निवास से संबंधित, बिजली से संबंधित,पेंशन से संबंधित, गुरुजी क्रेडिट कार्ड आदि से संबंधित समस्याओं को लेकर पहुंचे।

उपर्युक्त शिकायतों को सुनकर बरकत खान ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से वार्तालाप कर कुछ समस्याओं का समाधान करवाने का प्रयास किया तथा बाकी समस्याओं का जल्द निदान हेतु संबंधित पदाधिकारीयों को निर्देश दिए गए।

वही जिला इकाई कृषक मित्र महासंघ ने कृषक मित्रों के मानदेय हेतु विधायक प्रतिनिधि बरकत खान को आवेदन दिया।

और बताया की कि हम कृषक मित्र पिछले 15 वर्षों से आत्मा परियोजना, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, भूमि संरक्षण विभाग, गव्य विकास विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उ?द्यान विभाग, मनरेगा, आपदा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, मुख्यमंत्री खुशहाली योजना, मुख्यमंत्री कृषि ऋण माफी योजना, मिट्टी जांच, कॉविड महामारी सहित अनेकों कार्य हम कृषक मित्र के माध्यम से किया जाता आ रहा है। परंतु आज तक हम कृषक मित्रों को कोई भी सम्मानजनक मानदेय नहीं है। जिससे हम कृषक मित्रों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। झारखंड में कई कृषक मित्रों की आर्थिक तंगी के कारण मौत भी हो चुकी है । जो अत्यंत ही पीड़ादायक एवं दुखद है।

अतः आपसे निवेदन है कि से संज्ञान में लिया जाए।

मौके पर प्रखण्ड अध्यक्ष रंजीत टुडू, मिथुन मंडल , अनन्त लाल भगत, नेहाल अख्तर,आफताब आलम, सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

नमामि गंगे योजना अंतर्गत सीवरेज एवं जल शुद्धिकरण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। नमामि गंगे परियोजना के तहत नगर क्षेत्र में जल प्रदूषण की रोकथाम और गंगा नदी के संरक्षण के उद्देश्य से आज समाहरणालय सभागार में डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी सीवरेज व्यवस्था, जल शुद्धिकरण उपायों तथा अन्य संबंधित कार्यों की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया एवं भावी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के उन्नयन, इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन (आई × डी) कार्यों की प्रगति, तथा स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज सिस्टम की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की गई। विशेषकर आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए नगर के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। साहिबगंज नगर क्षेत्र में संचालित सीवरेज ट्रीटमेंट संयंत्र की वर्तमान क्षमता, कार्य शीलता और उन्नयन की आवश्यकता पर आधारित विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) पर चर्चा की गई। गंगा नदी में सीधे गिरने वाले नालों को नियंत्रित करने हेतु इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई एवं शेष कार्यों के शीघ्र निष्पादन हेतु रणनीति पर विचार किया गया। वर्षा जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु शहरी क्षेत्रों में ड्रेनेज नेटवर्क की स्थिति एवं सुधारात्मक कार्यों पर गहन विचार विमर्श किया गया। बैठक में जल जीवन मिशन, शहरी विकास विभाग, तथा तकनीकी सलाहकार संस्थाओं एमएसवी-कंसल्टेंट एवं ज्यूडिको के प्रतिनिधियों द्वारा परियोजना के विभिन्न पहलुओं का तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान उन्होंने सर्वेक्षण रिपोर्ट, क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों एवं समाधान के संभावित विकल्पों को साझा किया। डीसी ने सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को निर्देशित किया कि कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा एवं अद्यतन की जाए, विभिन्न एजेंसियों के बीच सशक्त समन्वय स्थापित कर समयबद्ध ढंग से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, तथा जनहित से जुड़ी इस महत्त्वपूर्ण परियोजना को प्राथमिकता दी जाए। इस बैठक को नमामि गंगे योजना के अगले चरण हेतु दिशा निर्धारण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह नगर क्षेत्र में जल गुणवत्ता सुधार एवं गंगा स्वच्छता को ठोस गति प्रदान करने का एक निर्णायक कदम है। इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, नगर प्रशासन पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं तकनीकी प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मंगलवार को प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय योग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मंडरो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर मंगलवार को प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय योग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान मिर्जाचौकी संकुल में योग शिक्षक सुनील किस्कू, धनवासा संकुल में कमल नयन, तेतरिया में वीणा कुमारी एवं श्रीरामचौकी संकुल में दीपक कुमार सिंह के द्वारा संकुल के सभी विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापको को योग एवं सूर्य नमस्कार का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान बीआरपी क्लेमेंट सोरेन ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद सभी प्रधानाध्यापक अपने-अपने विद्यालय में बुधवार को सभी बच्चों को प्रशिक्षित करेगा ताकि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का लाभ छात्र-छात्रा अच्छे तरीके से उठा सके। इस मौके पर क्लेमेंट सोरेन, शिक्षक चंद्रकांत ठाकुर, सुशांत मंडल, संजय संत हेंब्रम, राकेश रंजन, सलोनी मरांडी, उपेंद्र रविदास सहित अन्य शिक्षक गण मौजूद थे।

तीनपहाड़ थाना का अपना भवन के लिए उपायुक्त को भेजा पत्र:रजनी कांत यादव

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। झामुमो क्रीड़ा मोर्चा के पूर्व केंद्रीय सचिव तीनपहाड़ निवासी रजनी कांत यादव ने उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक साहिबगंज को पत्र लिख कर तीनपहाड़ थाना के अपने भवन का जल्द से जल्द निर्माण कराने क़ी मांग क़ी है। पत्र क़ी कॉपी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी भेजा गया.लिखें पत्र मे श्री यादव ने जिक्र किया है कि दिसंबर 2024 को भी इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक, साहिबगंज को पत्र लिख कर निवेदन किया था, क़ी तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में एक बहुचर्चित व्यवसाई की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या हुई थी। रजनी कांत यादव ने उपायुक्त पत्र में बताया कि पूर्व के आवेदन देने के इतने दिनो में इस थाना क्षेत्र में कई अप्रिय घटनाएं जैसे हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार, चोरी, गोलीबारी,बमबाजी हो चुकी है। श्री यादव ने उपायुक्त से कहा कि झारखंड में ऐसे कितने थाने होंगे जो कि तीनपहाड़ थाना की तरह रेलवे के एक छोटे से क्वार्टर में दशकों से चल रहे होंगे? जबकि ये थाना सामरिक दृष्टिकोण से कितना महत्वपूर्ण है कि ये पश्चिम बंगाल एवं पड़ोसी देश बांग्लादेश से काफी नजदीक है। उन्होंने कहा कि आखिर किन कारणों से इतने दिनो तक अनदेखी की गई श्री यादव क़ी मांग है कि थाना का एक सुसज्जित भवन हो ताकी सभी नागरिक सुरक्षित रहे और थाना कर्मियों को भी अपना कर्तव्य निभाने में भी सुविधा हो सके।

बरहरवा में बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन

प्रखंड के सभी पंचायतों से लाभुक और सखी रहीं उपस्थित

मोहित मंसूरी आदिवासी एक्सप्रेस

बरहरवा, साहिबगंज। बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत बरहरवा प्रखंड में एक दिवसीय आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लाभुक, बागवानी सखी, तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

महोत्सव में मुख्य रूप से उपस्थित अतिथियों में बरहरवा के DDC सर, BDO सर, बिस सूत्रीय अध्यक्ष अशोक जी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार, कांग्रेस प्रतिनिधि बरकत अली खान प्रमुख रहे। JSLPS से DLM अनिरुद्ध सर, DFM सर, BPM फैज़ आलम, BRP-LH रामू कुमार, रहीम विश्वास, मिथुन मंडल, दीपक मंडल ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम में बागवानी सखी आशालता मंडल, कारमेला हेंब्रम, एवं प्रखंड के सभी पंचायतों से आई सखियों ने बागवानी से जुड़ी जानकारी साझा की। साथ ही, योजना से लाभान्वित पुष्पा दीदी, नंदिता देवी, सोना हेंब्रम सहित अनेक लाभुक उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने अनुभव और आम बागवानी से हुए लाभ को साझा किया।

इस मेले का उद्देश्य आम बागवानी के महत्व को उजागर करना, किसानों और ग्रामीण महिलाओं को प्रेरित करना, तथा योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की सार्वजनिक प्रस्तुति करना रहा। बिरसा हरित ग्राम योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने की दिशा में यह मेला एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

एक दिवसीय आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बरहरवा बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत बरहरवा प्रखंड में आज एक दिवसीय आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रखंड के सभी पंचायतों से बड़ी संख्या में लाभुकों और बागवानी सखियों ने हिस्सा लिया, साथ ही विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आम बागवानी के महत्व को उजागर करना, किसानों और ग्रामीण महिलाओं को इस दिशा में प्रेरित करना, तथा योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी सार्वजनिक करना था। यह मेला ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में डीडीसी सतीश चंद्रा साहिबगंज, बीडीओ, बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार, और कांग्रेस प्रतिनिधि बरकत अली खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) से डीएलएम अनिरुद्ध, डीएफएम, बीपीएम फैज आलम, बीआरपी-एलएच रामू कुमार, रहीम विश्वास, मिथुन मंडल, और दीपक मंडल ने भी इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई।

बागवानी सखियों और लाभुकों ने साझा किए अनुभव

मेले में बागवानी सखी आशा लता मंडल और कारमेला हेंब्रम सहित प्रखंड की सभी पंचायतों से आई सखियों ने बागवानी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त, योजना से लाभान्वित हुई पुष्पा दीदी, नंदिता देवी, सोना हेंब्रम समेत कई लाभुक भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने अनुभव बताए और साझा किया कि किस तरह आम बागवानी से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। यह आयोजन बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सफल कदम रहा।

एक व्यक्ति के साथ मारपीट और दो लाख रुपये नगद छीनकर भाग गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल टापूटोला में मंगलवार को अपनी पत्नी व भतीजा के साथ आ रहे एक व्यक्ति के साथ कुछ लोगो द्वारा मारपीट कर दो लाख नगद समेत पत्नी के सोने का छिनने का मामला सामने आया है। इस घटना में राजमहल के अजरुद्दीन टोला के मनारूल शेख(56) व भतीजा रेहान शेख(15) गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल मनारूल शेख ने बताया कि वे अपनी पत्नी समेत परिवार के साथ अपना समधी यहां से घर बनाने के लिए दो लाख रुपये नगद लेकर घर लौट रहा था। इस दौरान अशरफ, अंगरुद्दीन अन्य अज्ञात लोगों द्वारा टापूटोला में घेर कर मारपीट कर दो लाख नगद व पत्नी के गले से सोने का चैन छीन कर फरार हो गया। वही पीड़ित ने बताया कि अशरफ से पहले से किसी बात को लेकर विवाद था। वही दोनो घायल का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित ने जांच की मांग की है। इधर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन–अबुआ आवास योजना के लाभुकों को सौंपे गए नवनिर्मित घर

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड अंतर्गत सभी 23 पंचायतों में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों में गृह प्रवेश कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के पूर्ण आवासों के तहत संचालित विशेष अभियान का हिस्सा रहा। कार्यक्रम के तहत चयनित लाभुकों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराया गया, जिसमें 250 घरों में फीता काटकर, नारियल फोड़कर एवं चाभी सौंपकर लाभुकों को उनका स्वप्निल आशियाना सौंपा गया। मुख्य कार्यक्रम के तहत पंचायत खुटहरी में राजमहल विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ द्वारा पूनम देवी, रीता देवी, बोगियां देवी सहित अन्य लाभुकों को गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर उन्होंने लाभुकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार की मंशा हर परिवार को छत मुहैया कराकर उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन देने की है। साथ ही उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभुकों को आजीविका सशक्तिकरण योजनाओं से जोड़ते हुए उनकी आर्थिक स्थिति को और बेहतर किया जाए। अन्य पंचायतों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। महासिंहपुर पंचायत में जिला परिषद सदस्य सुष्मिता देवी, तेतुलिया पंचायत में जिला परिषद सदस्य रणधीर सिंह तथा पूर्वी जामनगर पंचायत में जिला परिषद सदस्य मो. बारीक शेख द्वारा गृह प्रवेश कार्यक्रम संपन्न कराया गया। अन्य पंचायतों में संबंधित पंचायत मुखिया की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर अवास्तव समन्वयक रविकांत रवि, आयुष राज, पंचायत सचिव मो. सिराजुल हक, कैलाश वर्मा, रोहन कुमार, राहुल सिंह सहित बड़ी संख्या में कर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। यह आयोजन ग्रामीण विकास की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य हर जरूरतमंद को उनका अपना घर प्रदान कर सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व विधायक केदार हज़रा ने किया जन संपर्क

● जमुआ चौक पर चर्चा में कही कि उन्होंने सबको दिया सम्मान

जमुआ, प्रतिनिधि। जे एम एम के वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधायक केदार हज़रा ने मंगलवार को जमुआ प्रखंड के आधे दर्जन गांवों में चलाया जन संपर्क अभियान। जमुआ चौक पर कार्यकर्ताओं से की चर्चा। कहा कि वे 24घंटे किसी का भी कॉल रिसीव करते हैं। कभी भी छूट भैया छोकरे को सिर पर नहीं चढ़ाया। उन्होंने कहा कि वे जमुआ विधानसभा में विकास की गाड़ी को सरपट दौड़ा रहे थे।आज विकास और रफ्तार पकड़ता। लेकिन कुछ लोगों ने उनके साथ राजनीतिक साजिश किया। कहा अब वे जहां हैं वहां काम कर रहे हैं। कहा कि जमुआ में हर दिन गठबंधन मजबूत हो रहा है। वही भाजपा के कैडर भी प्रतिनिधि के रवैए से टूट रहे हैं. कहा कि कार्यकर्ताओं को तरजीह न देकर अन्य लोगों को तरजीह दी जा रही है। कहा कि छः माह में ही लोगों को समझ में आ रहा है। हर रोज सौ लोग कॉल कर यह बात बतला रहे हैं। यही स्थिति रही तो गिरिडीह जिले में भाजपा का सुपड़ा साफ हो जाएगा। पूर्व विधायक केदार के साथ जुनैद आलम,मुस्लिम अंसारी,कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष मो निजामुद्दीन,प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव,मो अख्तर, रामकृष्ण कुमार,राजद के प्रखंड अध्यक्ष सहित कई लोग थे।

पंचायत सचिवालय चित्तरडीह में कानूनी जागरूकता सह साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन

जमुआ, प्रतिनिधि। समाज के गरीब, कमजोर तथा पीड़ित वर्ग के लोगों को निशुल्क सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से माननीय नालसा नई दिल्ली और झालसा रांची के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह के द्वारा चलंत लोक अदालत के माध्यम से पंचायत सचिवालय धर्मपुर एवं पंचायत सचिवालय चित्तरडीह में कानूनी जागरूकता सह साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थाई लोक अदालत के सदस्य अशोक कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता मोहम्मद शाहनवाज, पारा लीगल वॉलिंटियर सरोजित कुमार, रमेश कुमार, हीरा देवी, सुबोध कुमा साव सीता देवी एवं साजिद अंसारी ने अपने विचारों को रखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अशोक कुमार ने कहा कि जिले में लोक अदालत के माध्यम से सुलहनिए योग्य मामलों का निष्पादन निशुल्क किया जाता है। पैनल अधिवक्ता मोहम्मद शाहनवाज ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बारे में बताते हुए कहा कि विधिक सेवा प्राधिकार अधिनियम 1987 के अंतर्गत प्रत्येक जिले में इसका गठन किया गया है। हमारे देश के संविधान के अनुच्छेद 39-क में हर नागरिकों को सामाजिक न्याय प्राप्त करने का अधिकार है। ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या किसी अन्य कारण से न्याय से वंचित न रह सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार न्याय पाने योग्य व्यक्तियों को निशुल्क कानूनी सेवा उपलब्ध कराता है। वहीं विवादों के निपटने के लिए लोक अदालत के माध्यम से आपसी समाधान के जरिए विवादों के निपटारा कराए जाते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तहत निशुल्क कानूनी सेवा के लिए योग्य व्यक्ति वह होंगे जिनका वार्षिक आय 3 लाख से कम हो, कोई भी महिला या कोई भी बच्चा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग व्यक्ति , हिरासत में रह रहे व्यक्ति, आपदा हिंसा, बाढ़, सूखा ,भूकंप , मानव तस्करी, दुर्व्यवहार आदि से प्रभावित व्यक्ति। उक्त अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि, उपमुखिया, वर्डसदस्य, पंचायंत समिति सदस्य, महिला समूह की सदस्य ग्रामीण उपस्थित थे।

पुलिस ने किया नाबालिक हत्याकांड का उद्भेदन, तीन आरोपी गिरफ्तार

बालूमाथ। बालूमाथ चौबीस घंटे के अंदर बालूमाथ पुलिस ने नाबालिक हत्याकांड का उद्भेदन किया है। हत्याकांड में तीन अभियुक्त के गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है।मंगलवार को बालूमाथ थाना परिसर में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद रवानी ने प्रेस वार्ता कर मामले की जानकारी दी.उन्होंने बताया कि विजय पथ, पिता बसत आनंद,चमातू गांव के टोला ओझा टोला थाना बालूमाथ,जिला लातेहार की गुम्सुदगी से सम्बंधित आवेदन प्राप्त हुआ था. जिस सम्बन्ध में बालूमाथ थाना में सन्हा दर्ज करते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जाँच एवं खोजबीन प्रारंभ कियागया।बालूमाथ थाना के पदाधिकारियों के द्वारा रविवार को गुमशुदा व्यक्ति कि मोटरसाइकिल लावारिस स्थिति में कुण्डी स्थित सीसीएल के पीओ कार्यालय के समीप से बरामद किया गया।अग्रिम जांच के क्रम में सोमवार को मगध कोलियरी में एक अर्धसडा शव लावारिस हालत में बरामद हुआ. जिसकी पहचान गुमशुदा विजय पथ के रूप में की गई. गुमशुदा व्यक्ति के शव को बरामद किया गया.जिसके आधार पर परिजनो के द्वारा कलूमाथ में हत्या से सम्बंधित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसके आधार पर बालूमाथ थाना कांड संख्या -54/25 दिनांक-10.06.25 धारा-103(1)/238(b)/61(2) BNS कांड में अनुसन्धान के क्रम डॉग स्क्वायड, टेक्निकल अनालिसिस,गुप्तचर के सहयोग से सूक्ष्मतापूर्वक अनुसन्धान करते हुए मृतक की हत्या में संलिप्त रोशन कुमार, उम्र-19 वर्ष पिता राजेंद्र साव, ग्राम-चमातु,थाना बालूमाथ को गिरफ्तार किया गया.जिससे कड़ाई से पूछताछ करने पर रौशन कुमार के द्वारा मृतक विजयपथ कि हत्या करने कि बात स्वीकार करते हुए बताया की मृतक कि बहन से रोशन बातचीत करना चाहता था. जिसने मृतक बाधा डालता था. तथा रौशन कि किसी अन्य गर्लफ्रेंड का मोबाइल नंबर किसी अन्य लड़के को दे दिया था.उक्त सभी बातो को लेकर ही अभियुक्त रौशन कुमार एवं इसका दोस्त जयबीर भुइया, मृतक को समझोता करने के लिए दिनांक शुक्रवार को करीब 11 बजे ग्राम-हहुरवा जाने के बायपास रास्ते में बुलाया था. इसी क्रम में मौका पाते हुए रौशन कुमार,मृतक को एक गड्ढे (नाला) में धकेल दिया.

निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के तहत समाहरणालय परिसर से तीन प्रचार वाहनों को उपायुक्त रामनिवास यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

● प्रचार वाहन का उद्देश्य मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता को गांव-गांव तक पहुंचाना है, जिससे लोगों को नशा के प्रति जागरूक किया जा सकेः उपायुक्त ● निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के तहत 10 जून से 26 जून तक तीनों वाहनों द्वारा विभिन्न प्रखंडों में लोगों को नशा के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जाएगाः उपायुक्त

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। समाहरणालय परिसर से निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के तहत तीन प्रचार वाहनों को उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, उपविकास आयुक्त, स्मृता कुमारी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। यह प्रचार वाहन 10 जून से 26 जून तक जिले के गांव गांव तक जा कर लोगों को निषिद्ध मादक पदार्थ एवं नशा के विरुद्ध जाकरुक करने का कार्य करेगा। मीडिया को संबोधित करते हुए गिरिडीह

उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि इस मुहिम के तहत लोगों को जागरूक किया जाएगा कि वे जो नशा करते हैं वह न करें, उससे न सिर्फ उन्हें बल्कि उनके परिवार एवं समाज को भी नुकसान ही होता है। कहा कि नशा को रोकने के लिए और प्रचार प्रसार करने के लिए जिला प्रशासन गिरिडीह द्वारा तीन प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किए हैं, जो कि रूट चार्ट के अनुसार 26 जून तक लोगों को नशा के प्रति जागरूक करने का कार्य करेगा और नशा नहीं करने का संदेश लोगों को देगा। झारखंड सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस राज्यव्यापी आंदोलन का हम सभी हिस्सा बनें। निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरूपयोग को रोकने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है । तभी हम अपने समाज को नई दिशा दे पाएंगे।युवा पीढ़ी अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाएं और देश और समाज के विकास में अपना योगदान दें। इस हेतु जनजागरूकता की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे नुक्कड़ नाटक, शपथ पाठ, विद्यालय स्तर पर क्विज व निबंध प्रतियोगिता, बाजार हाट आदि में जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा, जिससे लोग नशे से बच सकें और मादक पदार्थों का सेवन कम करें।
मौके पर उपरोक्त के अलावा, सिविल सर्जन , जिला अनुमंडल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी,आयुष चिकित्सा पदाधिकारी समेत कई पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

नवजीवन नर्सिंग होम में लगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर शिविर में 46 यूनिट रक्त किया गया संग्रह

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। नवजीवन नर्सिंग होम व रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह कपल के संयुक्त तत्वावधान में नवजीवन नर्सिंग होम परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 46 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में डॉ नीरज सिन्हा, डॉ हेमंत कारपेंटर, सतविंद्र सिंह सलूजा, अभिषेक बगेड़िया, स्वाति बगेड़िया, अनित खंडेलवाल, राखी कोहली, गीत सलूजा, सिद्धार्थ गौरिसरिया, सिद्धार्थ जैन समेत नवजीवन व अतिबीर के कई कर्मियों ने भी रक्तदान किया। इस शिविर में समरथ ने पहली बार

रक्तदान किया। इस मौके पर नवजीवन की निदेशक स्वाति बगेड़िया ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नवजीवन के फाउंडर स्व डॉ दीपक बगेड़िया ने जिस परंपरा की शुरुआत की थी, उसे आज भी निभाया जा रहा है। यहाँ हर वर्ष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाता है। रक्तदान शिविर से संग्रहित रक्त जरूरतमंदों को नया जीवनदान देगा। इस मौके पर उपस्थित रेड क्रॉस के चेयरमेन सह ब्लड बैंक के सचिव अरविंद कुमार ने रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए नवजीवन व रोटरी कपल की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि गिरिडीह का एकमात्र रक्त केंद्र आज रक्त की कमी से जूझ रहा है, जिसके कारण थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के साथ अन्य जरूरतमंदों को परेशानी हो रही है। इस शिविर से संग्रहित रक्त से कई लोगों की जरूरतें पूरी हो पाएगी। शिविर को सफल बनाने में जोरावर सलूजा, उज्वल सिद्धार्थ, डॉ शोहेल अख्तर, रेड क्रोस के उप चेयरमैन चरणजीत सिंह सलूजा, सह सचिव डॉ निकिता गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य मदन लाल विश्वकर्मा, रक्त केंद्र के संत कुमार, रंजीत कुमार, आनंद कुमार, सुधीर कुमार, नवजीवन के राजेश कुमार आदि ने अहम भूमिका निभाई।

जमुआ: प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्र- छात्राओं को किया सम्मानित

● सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है- मंजू कुमारी

● जमुआ में बहुत जल्द महिला कॉलेज की निर्माण किया जाएगाः मंजू कुमारी

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड क्षेत्र के चितरडीह उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में मंगलवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने की। इस कार्यक्रम में बुद्धि जीवी विचार मंच के वक्ताओं ने अपनी अपनी बातों को रखा और सफल छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने कहा कि जमुआ में बहुत जल्द महिला कॉलेज की निर्माण किया जाएगा। शिक्षा को लेकर जो भी समस्या हो उसे निराकरण करने का प्रयास करूंगी। शिक्षा पाने का लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है। प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि विद्यालय का इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। 10वीं का परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा। इनमें हमारे विद्यालय में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र हर्ष कुमार 92प्रतिशत, द्वितीय स्थान पाने वाले रोहित कुमार 84प्रतिशत, तृतीय स्थान पाने वाली पूनम कुमारी 82.2प्रतिशत, के अलावे अन्य छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया उन्होंने छात्रों को बधाई देते हुए, उनके उज्वल भविष्य की कामना की। और कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान समारोह से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार वर्मा, शिक्षक शुभ्रा कुजूर, सुधंदा चंद्रा, शशि शेखर, मो इस्माईल, संजीत कुमार, निवेदिता केसप, दयानंद कु रॉय, वरुण कु सिंह, कुमारी भारती, प्रदीप कुमार, बंदना कुमारी, मुखिया प्रतिनिधि सदानंद राय, सामाजिक कार्यकर्ता एवं दर्जनों छात्र छात्राएं मौजूद थे।

21 जून को अंतरास्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तर पर होगा आयोजन

● शारीरिक स्वस्थता एवं मानसिक शांति का साधन है योग- उपायुक्त

● अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने की लोगों से अपील

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। समाहरणालय कक्ष में 21 जून को आयोजित होने वाले 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल संचालन को लेकर उपायुक रामनिवास यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।
बैठक में कार्यक्रम के आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस वृहत स्तर पर मुख्य रूप से झंडा मैदान में प्रातः 6:00 बजे से आयोजित करने का निर्णय लिया गया एवं संबंधित पदाधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। आयोजन में विद्यालयों, महाविद्यालयों, जिला कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी तथा आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। जिला आयुष अधिकारी को योग प्रशिक्षकों की व्यवस्था, अभ्यास सत्र तथा प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास

की रूपरेखा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम का वृहत एवं सफल संचालन करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए ताकि अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा सके। स्वास्थ्य विभाग को आयोजन स्थल पर प्राथमिक उपचार, पेयजल एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।योग में स्वास्य वातावरण का विशेष महत्व है इस हेतु
नगर निगम को आयोजन स्थल की साफ-सफाई, फॉगिंग एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को योग दिवस से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। सभी कार्यालय प्रधान को निदेशित किया गया कि निश्चित रूप से इस अंतरास्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने परिसर में इसका आयोजन करें जिसमें सभी कार्यालय कर्मियों के साथ साथ उस क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी को सुनिश्चित करें। साथ ही अपने क्षेत्र में इसका व्यापक प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने कहा कि योग हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की पहचान है यह हमारी धरोहर है जिसे जन-जन तक पहुँचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।इससे न केवल शारीरिक स्वस्थता को प्राप्त किया जा सकता बल्कि मानसिक शांति एवं आपसी समन्वय के साथ एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण भी किया जा सकता है यह केवल एक दिन हेतु आयोजन का दिन नहीं बल्कि इसे सभी लोग अपने प्रतिदिन की जीवनशैली में शामिल कर सकें ऐसा हमारा प्रयास होगा। बैठक का पुलिस अधीक्षक, अपार समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह, सिविल सर्जन, निदेशक डीआरडीए, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी जिला, जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला खेल पदाधिकारी सहित संबंधित विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

90 वर्षिय जमनी मोसोमात की आकस्मिक हुयी निधन

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

चतरा। प्रखंड के ग्राम लक्षणपुर निवासी रविदास महासभा चतरा प्रखंड अध्यक्ष करण कुमार दास की माता जी 90 वर्षीय जमनी मासोमात की आकस्मिक निधन हो गयी। लालू रविदास ने बताया कि स्व सुकर रविदास की धर्मपत्नी जमनी मासोमात महीनों से बीमार चल रही थी मंगलवार दिन 12:00 बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनके पार्थिव शशिर को आज शाम को 07ः बजे उड़ियाना घाट पर अंतिम संस्कार किया गया,जिसका मुख्यअग्नि छोटे पुत्र करण दास ने दिया। जमनी मासोमात के पांच पुत्र होते हैं। अंतिम संस्कार में बीरेंद्र रविदास, राजेश रविदास, समाजसेवी संतोष कुमार दास, पप्पू रविदास, रंजीत रविदास, प्रभु रविदास, राजकुमार रविदास हुए शामिल।

टंडवा पुलिस ने फरार अभियुक्त रामविलास साव को धर दबोचा न्यायिक हिरासत में भेजा गया है

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) गुप्त सूचना के आधार पर टंडवा थाना कांड सं0-19/25 दिनांक-02 फरवरी 2025 धारा 103 (1)/140 (1)/61(2)/238/3(5) भा0न्या0सं0 एवं 17 (1) (2) CLA Act, के फरार अभियुक्त रामविलास साव उर्फ टिभर, पिता बैजु साव उर्फ बैजनाथ साव, सा0 तेसरचापा, थाना टंडवा, जिला चतरा अपने घर में आया हुआ था। तुरंत छापामारी करने के लिए निर्देश दिया गया। उक्त निर्देश के आलोक में छापामारी दल के द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए ग्राम तेसरचापा अभियुक्त के घर से फरार अभियुक्त रामविलास साव उर्फ टिभर, पिता बैजु साव उर्फ बैजनाथ साव, सा0 तेसरचापा, थाना टंडवा, जिला चतरा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल को जप्त किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को 10 जून 2025 को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। घटना में प्रयोग में लाये गये स्पलेण्डर प्लस मोटर साईकिल जिसका पंजि0 स0 JH02BD-3543 इसके अलावे एक स्मार्ट फोन जप्त किया गया। छापामारी दल में शामिल पु0नि0 सह थाना प्रभारी टंडवा उमेश राम, पु0अ0नि0 सुनिल सिंह, टंडवा थाना, स0अ0नि0 शंकर कुमार सिंह, टंडवा थाना रिजर्व गार्ड के सशस्त्र बल। शामिल थे।

गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाया प्राप्त शिकायतों पर जांचोपरांत यथोचित कारवाई का मिला आश्वासन

● आमजनों को अनावश्यक कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े पदाधिकारी इसे विशेष रूप से रखें ध्यानः उपायुक्त रामनिवास यादव

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाया। कोई भी आमजन निराश होकर न जाए इसका विशेष ध्यान रखते हुए जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों से उपायुक्त रामनिवास यादव ने मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिया।भूमि संबंधित बढ़ती समस्याओं को देखते हुए अंचलाधिकारी को इस सम्बन्ध में जनशिकायतों का निराकरण करने का सख्त निर्देश दिया। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया। आज के जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि, दाखिल खारिज, राजस्व, पेंशन, राशन, पेयजल, शिक्षा, कल्याण, आदि से संबंधित विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों पर आवश्यक कारवाई हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अग्रसारित किया गया तथा जल्द से जल्द शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिया गया। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार में आने वाले कोई भी नागरिक निराश न लौटें इसका ध्यान रखा जाए एवं जिला स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रखंड एवं अंचल में भी त्वरित गति से समस्याओं का निराकरण किया जाए।

चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन, 16 टीमों ने लिया भाग

खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता हैः दसरथ दास

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड के ग्राम मधवा के क्रिकेट मैदान में खेले जा रहे चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-4 का उद्घाटन मुखिया प्रतिनिधि दशरथ दास एवं पंचायत समिति सदस्य विकास यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया उद्घाटन मैच केजीन क्लब सरकबाद बनाम रजा इलाही क्लब बाराटाड टीम के बीच खेला गया। सरकबाद की टीम ने टॉस

जीत कर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया सरकबाद के टीम ने 104 रनों का लक्ष्य दिया। वहीं क्लब के अध्यक्ष कलाम अंसारी ने बताया कि यह सीजन 4 है, इस टूर्नामेंट में 16 टीमों ने भाग लिया और सभी लीग मैच 10 ओवर का होगा और फाइनल मैच 12 ओवर का खेला जाएगा, खेल के दौरान किसी भी तरह की दुर्घटना होती है उसका जिम्मेवार कमेटी नहीं है। मुखिया प्रतिनिधि दशरथ दास ने कहा कि खेल का आयोजन होने से न सिर्फ आपसी भाईचारा बढ़ता है, बल्कि मानसिक व शारीरिक विकास भी होता है उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह का आयोजन होने से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन होता है। पंचायत समिति सदस्य विकास यादव ने कहा कि खेल हमेशा मेरे जीवन का हिस्सा रहा है और खिलाड़ियों के बीच वही जोश और अपनापन महसूस करता हूं. खेल न केवल शारीरिक और मानसिक मजबूती देता है, बल्कि अच्छे इंसान बनने की नींव भी रखता है। उन्होंने आयोजन समिति का भी हौसला बढ़ाते हुए ऐसे आयोजन भविष्य में करते रहने की बात कही। इस मौके पर वार्ड सदस्य युनुस अंसारी, सेकेट्री उस्मान अंसारी, सदर समसुद्दीन अंसारी, जमाल खान, मौलाना अमीन, रफीक, स्कूल, रियाज, अकबर, हसनैन, इमरान आदि कमिटी के सभी सदस्य, सामाजसेवी एवं खिलाड़ीगण मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

रेलकर्मियों ने अपर महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

संवाददाता द्वारा
हाजीपुर- .06.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में 06 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । अपर महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए।
विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

झामुमो प्रखंड कमिटी संग ने झामुमो केंद्रीय संगठन महासचिव बिनोद पांडेय से की मुलाकात

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बबलू केशरी ने इटखोरी झामुमो प्रखंड कमिटी संग किया झामुमो केंद्रीय संगठन महासचिव बिनोद पांडेय से मुलाकात। बबलू केशरी ने बतलाया कि हमने प्रखंड मे झामुमो की क्रिया कलाप से बिनोद पांडेय को अवगत कराया है साथ ही प्रखंड कमिटी से मिल कर बिनोद पांडेय भी काफी प्रसन्न दिखाई पड़े उन्होंने कहा कि पूरी टीम नवजवानो की है पूरी ऊर्जा के साथ प्रखंड मे कार्य कीजिये आपको पार्टी नेतृत्व का हर पल सहयोग मिलता रहेगा। प्रखंड मे चल रहे सरकारी योजनाओं की भी उन्होंने जानकारी ली। बबलू केशरी के साथ बंटी आलम एवं मकसूद आलम ने भी केंद्रीय संगठन महासचिव से मुलाक़ात की।

मुखिया नरेश लोहरा ने जिला टॉपर को किया सम्मनित

संवाददाता राम कुमार
बालूमाथ। लातेहार 7 जून, गवर्नमेंट इंटर कॉलेज,बालूमाथ की छात्रा उषा रानी जिन्होंने JAC इंटर आर्ट्स परीक्षा 2025 में 463/500 अंक (92.6%) प्राप्त कर लातेहार जिला टॉपर बनीं और साथ ही झारखंड राज्य में 5वीं रैंक हासिल की, को आज बालूमाथ पंचायत के मुखिया नरेश लोहरा ने उनके आवास पर पहुँचकर सम्मानित किया। मुखिया नरेश लोहरा ने उषा रानी को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और कह यह सिर्फ एक परिवार नहीं,पूरे बालूमाथ और लातेहार की जीत है। उषा रानी जैसी प्रतिभाएं गांवों की असली ताकत हैं। हम सभी को इन पर गर्व है। उन्होंने उषा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पंचायत स्तर से जो भी संभव सहयोग होगा, वह दिया जाएगा। इस मौके पर उषा रानी के पिता जयनाथ रवि (पारा शिक्षक) माता श्रीमती तारा देवी उपस्थित थे। उषा रानी का अगला लक्ष्य IAS अधिकारी बनना है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

बेटे ने पिता के चेहरे–सिर पर पत्थर मारे, मौत

- **आए दिन शराब पीकर करता था झगड़ा, खेरवाड़ा के खानमीन गांव की घटना**

फूल शंकर डामोर उदयपुर
उदयपुर के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक बेटे ने अपने ही पिता के सिर और चेहरे को पत्थर से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी। यह खोफनाक घटना खानमीन गांव में हुई, जहां घटना के बाद तनाव का माहौल हो गया। ऐसे में मौके पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता लगाया गया है। वहीं, आरोपी बेटा ट्रक ड्राइवर है जिसे पुलिस ने डिटेन कर लिया है। बताया जा रहा है कि बेटा बाबूलाल(32) आए दिन शराब पीकर अपने पिता शंकरलाल(55)से झगड़ा करता था। मंगलवार को वह झगड़ा करते हुए इतना आक्रोशित हो गया कि उसने पहले तो पिता की थप्पड़ और लात–घूसों से पिटाई कर दी। फिर चोट लगने के बाद जैसे ही पिता वेसुध होकर जमीन पर गिरा। तो बेटे ने घर के पास से बड़ा पत्थर उठाया और दो से तीन बार पिता के सिर और मुंह पर मारा। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बेटे ने पिता की हत्या क्यों और किस कारण से की, पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है।

पिता बोला—मेरा बेटा नहीं है, इसके बाद मारना शुरू किया
खेरवाड़ा थाने के एएसआई किशोर सिंह ने बताया कि पिता और बेटा दोनों आसपास ही रहते हैं। बेटा शराब पीकर अक्सर पिता से घरेलू बातों पर झगड़ा करता रहता था। मंगलवार को जब बेटा बाबूलाल अपने पिता के पास आया और किसी बात को लेकर झगड़ने लगा। इस पर पिता शंकरलाल अपने बेटे को बोला–तू मेरा बेटा नहीं है। मेरे घर क्यो आया है। यहां से निकल जा। इसी बात पर बेटा शंकरलाल इतना गुस्से में आ गया कि उसने अपने पिता की पिटाई करना शुरू कर दी। घर के अन्य सदस्यों ने बीच–बचाव की कोशिश की लेकिन वह नहीं रुका। पित जब वेसुध होकर नीचे गिरा, तभी बेटे ने बड़े पत्थर से उसके चेहरे और सिर पर वार कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

आरोपी से पत्थर बरामद
घटना के बाद सूचना पर खेरवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी और बेटा बाबूलाल को हिरासत में ले लिया। वहीं, मृतक शंकरलाल के शव को खेरवाड़ा हॉस्पिटल मोर्चरी में शिफ्ट कराया है, जहां शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है। जिस पत्थर से हमला किया, वह बरामद कर लिया है।

के.ए. पॉल ने पाकिस्तान को रूसी सैन्य सहायता देने का लगाया आरोप, अमेरिका से रूस पर प्रतिबंध की मांग

रूस को बताया दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए खतरा; वाशिंगटन में जुटाया द्विदलीय समर्थन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध शांति कार्यकर्ता डॉ. के.ए. पॉल ने आज दिल्ली के ए.पी. भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मामलों पर विस्तार से अपनी बात रखी। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस डॉ. पॉल के हालिया अमेरिका दौरे के बाद आयोजित हुआ, जहां उन्होंने वॉशिंगटन डी.सी. और न्यूयॉर्क में अमेरिकी सीनेट के वरिष्ठ डेमोक्रेट और रिपब्लिकन सदस्यों सहित वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। डॉ. पॉल ने अमेरिका से रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने की अपील की, यह आरोप लगाते हुए कि मास्को पाकिस्तान को सैन्य सहायता प्रदान कर दक्षिण एशिया में अस्थिरता फैला रहा है। उन्होंने कहा, ÷रूस हमारे पीठ में छुरा घोंप रहा है। वह पाकिस्तान को फंडिंग और हथियार दे रहा है, जबकि भारत लगातार आतंकवादी हमलों का सामना कर रहा है।÷ डॉ. पॉल के अनुसार, अमेरिका में डेमोक्रेट्स के सभी और रिपब्लिकन्स के लगभग 80त्न सांसद रूस पर नए प्रतिबंधों के समर्थन में हैं, जिन्हें इस महीने के अंत तक लागू किया जा सकता है। विश्व शांति सम्मेलन की घोषणा जल्द डॉ. पॉल ने बताया कि वह इस वर्ष के अंत तक न्यूयॉर्क में विश्व का सबसे बड़ा वैश्विक शांति सम्मेलन आयोजित करने जा रहे हैं। इस सम्मेलन में यूक्रेन युद्ध, गाज़ा संघर्ष और मध्य-पूर्व समेत कई ज्वलंत अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। सम्मेलन की तिथियां इस सप्ताह के अंत तक घोषित की जाएंगी।डॉ. पॉल ने तेलंगाना कांग्रेस विधायक मंडुला सैमुअल के एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए राज्य में विधायकों के बीच व्याप्त ÷घूस की संस्कृति÷ को उजागर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रविंद्र रेड्डी, जो कांग्रेस से जुड़े हैं, भाजपा के साथ वैचारिक गठजोड़ बनाए हुए हैं और कांग्रेस से अलग होकर 25-30 विधायकों के साथ नई सरकार बनाने की योजना में हैं। डॉ. पॉल ने इस घटनाक्रम की तुलना महाराष्ट्र में हाल में हुए राजनीतिक फेरबदल से की। चुनाव आयोग की निष्क्रियता और दल-बदल करने वाले विधायकों की अयोग्यता पर देरी को लेकर चिंता जताते हुए, डॉ. पॉल ने भारत की न्यायपालिका से हस्तक्षेप की अपील की। उन्होंने कहा, ÷भारतीय लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए न्यायपालिका को आगे आकर साहसिक निर्णय लेने होंगे।÷ उन्होंने सभी न्यायमूर्तियों से संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने की अपील की। डॉ. पॉल ने प्रेस वार्ता का समापन इस आह्वान के साथ किया कि देश और दुनिया को लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा, राजनीति में पारदर्शिता और क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति स्थापना के लिए एकजुट होकर ठोस प्रयास करने होंगे।

इंदिरा आईवीएफ ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर में शुरू किया नया फर्टिलिटी सेंटर

सीतापुर, (आरएनएस)। इंदिरा आईवीएफ ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर में अपने नवीनतम फर्टिलिटी क्लिनिक का उद्घाटन किया है, जिससे राज्य में इसकी उपस्थिति और भी सुदृढ़ हुई है। यह सेंटर ग्राउंड फ्लोर, होटल मधुरसा के पास, स्टेशन रोड, सेकेंड बटालियन, सीतापुर पर स्थित है। यह विस्तार इन्दिरा आईवीएफ की नवीन रिप्रोडक्टिव तकनीकों को व्यक्तिगत देखभाल के साथ जोड़कर फर्टिलिटी ट्रीटमेंट को अधिक सुलभ बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस सेंटर का उद्घाटन डॉ. पवन यादव, चीफ आईवीएफ स्पेशलिस्ट एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (लखनऊ), जोनल बिजनेस डायरेक्टर, इंदिरा आईवीएफ के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर, डॉ. ज्योति द्विवेदी, सेंटर हेड, इंदिरा आईवीएफ सीतापुर भी उपस्थित रहे। इन्दिरा आईवीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर और कॉ-फाउण्डर नितिज मुर्डिया ने कहा, इंदिरा आईवीएफ का लक्ष्य भारत के हर कोने तक फर्टिलिटी ट्रीटमेंट सेवाएं सुलभ कराना है। सीतापुर सेंटर की शुरुआत हमारे इसी प्रयास का प्रमाण है, जिसमें हम अत्याधुनिक रिप्रोडक्टिव तकनीकों और मरीज-केंद्रित देखभाल को उत्तर प्रदेश के परिवारों के करीब ला रहे हैं। हमारा मानना है कि हर व्यक्ति को माता-पिता बनने के सपने को साकार करने का अधिकार है, और यह नया सेंटर उसी दिशा में एक और कदम है। डॉ. पवन यादव, चीफ आईवीएफ स्पेशलिस्ट एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (इन्दिरा आईवीएफ लखनऊ) ने कहा, हमारा उद्देश्य निःसंतानता को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना और तकनीक-समर्थित आईवीएफ उपचार प्रदान करना है। जब कोई दंपत्ति इंदिरा आईवीएफ सेंटर में परामर्श और जांच के लिए आता है, तो हमारे विशेषज्ञ न केवल कारण बताते हैं बल्कि पूरी उपचार प्रक्रिया में उनका साथ भी निभाते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यक्तिगत और प्रमाण-आधारित फर्टिलिटी केयर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा विनम्र प्रयास है कि हम उनकी आशाओं को साकार करें और उनके जीवन में खुशियाँ लौटाएं। डॉ. ज्योति द्विवेदी, सेंटर हेड, इंदिरा आईवीएफ सीतापुर ने कहा, हमारे पास आने वाले अधिकतर मरीजों को यह जानकारी नहीं होती कि जीवनशैली, उम्र या पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याएं भी उनकी प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। हमारा उद्देश्य न केवल उपचार उपलब्ध कराना है, बल्कि सही समय पर सही जानकारी भी देना है। हमारे नए सेंटर में, हम मरीजों को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, भरोसेमंद और विशिष्ट देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे वे आत्मविश्वास और उम्मीद के साथ अपनी यात्रा शुरू कर सकें।
भारत भर में 150+ क्लीनिकों के अपने नेटवर्क को और विस्तारित करते हुए इंदिरा आईवीएफ का सीतापुर सेंटर इस तेजी से विकसित होते क्षेत्र में विशेषज्ञ प्रजनन सेवाओं की पहुँच को बेहतर बनाएगा। यह विस्तार विविध जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करने, समय पर हस्तक्षेप उपलब्ध कराने और नवीन रिप्रोडक्टिव तकनीकों को लेकर जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा।

मगध माइंस से शव मिलने के बाद बालूमाथ पुलिस 24 घंटे के अंदर हत्या कांड का किया खुलासा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
बालुमाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत चमातू गांव निवासी बसंत आनंद के नाबालिग पुत्र विजय पथ का मगध माइंस से शव मिलने के बाद बालूमाथ पुलिस 24 घंटे के अंदर हत्या कांड का किया खुलासा। हत्या में शामिल गांव का ही निकला मास्टरमाइंड, हत्या का मास्टरमाइंड सहित तीन गिरफ्तार। बालूमाथ पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 24 घंटे के अंदर विजय पथ हत्या कांड का किया खुलासा आरोपी रौशन कुमार विजय पथ की बहन से करना चाहता था बातचीत विरोध करने पर उतारा मौत का घाट पुलिस ने डॉग स्काट एवं टेक्निकल अनालिसिस की मदद से हत्या के मुख्य आरोपी रौशन कुमार एवं उसके 2 सहयोगी जयबीर भुइया और कृष्णा कुमार (सीसीएल कर्मी) को गिरफ्तार कर भेजा जेल बालूमाथ एसडीपीओ बिनोद रवानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी।

तोपचांची के दो प्रवासी मजदूरों की ट्रेन से कटकर मौत, दो गंभीर रूप से घायल

तोपचांची/रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक दर्दनाक हादसे में झारखंड के तोपचांची प्रखंड नेरो पंचायत लक्ष्मणपुर निवासी कृष्णा राय, पिता शिवन राय ,डीलू राय पिता जटल राय काम करने गए चार प्रवासी मजदूरों में से दो की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसका नाम अजय राय, पिता जगदीश राय , विकास हेम्बरम पिता सुन्दर मांझी,हादसा कुसुमकसा स्टेशन के नजदीक और उसी समय तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए।
मृतकों की पहचान तोपचांची प्रखंड के नेरो पंचायत गांव लक्ष्मणपुर के रहने वाले , के रूप में हुई है। वहीं, घायल मजदूरों को रायपुर के अस्पताल बालुड जिला हांस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।
स्थानीय प्रशासन एवं रेलवे पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।
इस हादसे से तोपचांची क्षेत्र लक्ष्मणपुर में शोक की लहर है। ग्रामीणों एवं परिजनों ने प्रशासन से मृतकों के परिवार को मुआवजा एवं घायल मजदूरों के समुचित इलाज की मांग की है।

ट्रेन के चपेट में आने से एक व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मौत

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता प्रिंस मिश्रा
बरहरवा/ पतना रांगा थाना क्षेत्र स्थित दिग्घी रेलवे ट्रैक पोल संख्या 180/8 के पास एक व्यक्ति रमेशर किस्कू का ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रमेशर किस्कू उम्र 55 वर्ष पिता स्वर्गीय राजा किस्कू दिग्घी नया टोला निवासी सुबह - सुबह रेल ट्रैक होते हुए कहीं जा रहा था। तभी ट्रेन के चपेट में आ गया। इस दुः खद घटना को लेकर परिवार में शौक का माहौल है। परिजनों का रो - रो कर बुरा हाल है। वहीं रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार ने बताया कि रमेशर मानसिक रूप से विक्षुब्ध था। जिसके कारण ऐसा घटना उसके साथ हुआ। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही परिवार जनों ने चाहा तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिकारीपाड़ा का ऐसा विद्यालय जहां 2025 मैट्रिक में सभी विद्यार्थी हुए फेल

शिकारीपाड़ा/दुमका/
विद्यालय जहां देश का भविष्य गढ़ा जाता है विद्यालय से पढ़कर जो छात्र-छात्रा निकलते हैं वह भविष्य में अपने समाज के साथ साथ देश का भी नाम रोशन करते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे विद्यालय के बारे में बता रहे हैं जहां 2025 में मैट्रिक दिए सभी विद्यार्थी फेल हो गए यानि रिजल्ट का त्न 0 रहा। हम बात कर रहे हैं दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च विद्यालय कजलादहा की जहां 2025 में मैट्रिक परीक्षा में शामिल हुए सभी विद्यार्थी फेल हो गए हैं , यहां आपको बता दे 2025 में विद्यालय की और से 2 ही विद्यार्थी मैट्रिक परीक्षा में शामिल हुए थे।इससे आप सोच सकते हैं विद्यालय में किस प्रकार से पढ़ाई लिखाई होता है इस संबंध में हम जब विद्यालय पहुंचे और विद्यालय के शिक्षक से बात की तो उन्होंने कहा कि जी हां 2025 मैट्रिक में शामिल हुए सभी विद्यार्थी फेल गए हैं ,और 2025 में मात्र दो ही विद्यार्थी शामिल हुए थे, और दोनों ही फेल हो गए हैं ।शिक्षक ने साफ तौर पर कहा कि विद्यालय में शिक्षक की कमी के कारण ही ऐसा हुआ है कारण पहला से दसवीं तक वर्ग है लेकिन मात्र उस समय दो ही शिक्षक थे , हालांकि अभी के समय में विद्यालय में तीन शिक्षक है, विद्यालय में शिक्षक की कमी के कारण कक्षा 8 के बाद सभी दूसरे विद्यालय चले जाते है। यानी कहे तो सरकार विद्यालय में कक्षा 10 तक तो अपग्रेड कर दी है लेकिन शिक्षक की कमी के कारण उसी विद्यालय में विद्यार्थी दसवीं तक नहीं पड़ते है। ऐसे में आप सोच सकते है विद्यालय की शिक्षा व्यस्था कैसी होगी। और बच्चों का भविष्य कैसा होगा।

एक दिवसीय आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बरहरवा बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत बरहरवा प्रखंड में आज एक दिवसीय आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रखंड के सभी पंचायतों से बड़ी संख्या में लाभुकों और बागवानी सखियों ने हिस्सा लिया, साथ ही विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आम बागवानी के महत्व को उजागर करना, किसानों और ग्रामीण महिलाओं को इस दिशा में प्रेरित करना, तथा योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी सार्वजनिक करना था। यह मेला ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति
कार्यक्रम में डीडीसी सतीश चंद्रा साहिबगंज, बीडीओ, बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार, और कांग्रेस प्रतिनिधि बरकत अली खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) से डीएलएम अनिरुद्ध, डीएफएम, बीपीएम फैज आलम, बीआरपी-एलएच रामू कुमार, रहीम विश्वास, मिथुन मंडल, और दीपक मंडल ने भी इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई।

बागवानी सखियों और लाभुकों ने साझा किए अनुभव
मेले में बागवानी सखी आशा लता मंडल और कारमेला हेंब्रम सहित प्रखंड की सभी पंचायतों से आईं सखियों ने बागवानी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त, योजना से लाभान्वित हुई पुष्पा दीदी, नंदिता देवी, सोना हेंब्रम समेत कई लाभुक भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने अनुभव बताए और साझा किया कि किस तरह आम बागवानी से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। यह आयोजन बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सफल कदम रहा।

असम के दरंग जिले में नियमित कलाकार पेंशन प्राप्तकर्ताओं और वार्षिक कलाकार सम्मान पाने वाले कलाकारों को किया गया औपचारिक रूप से प्रमाणपत्र वितरित

पंकज नाथ
आदिवासी एक्सप्रेस, असम
असम के दरंग जिले में जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आज मंगलवार को असम सरकार द्वारा 2024-25 वर्ष के लिए नियमित कलाकार पेंशन और वार्षिक कलाकार सम्मान प्राप्त करने वाले कलाकारों को प्रमाणपत्र प्रदान करने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। दरंग जिले में 7 नियमित कलाकार पेंशन प्राप्तकर्ता और 14 वार्षिक कलाकार सम्मान प्राप्त करने वाले कलाकारों को इस कार्यक्रम के माध्यम से औपचारिक रूप से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। जिला आयुक्त पराग कुमार काकती ने अपने भाषण में सभी कलाकारों को बधाई दी और कलाकारों के प्रति यह सम्मान देने के लिए असम सरकार और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले कलाकारों ने भी जिला प्रशासन, असम सरकार और मुख्यमंत्री को इस सम्मान के लिए धन्यवाद दिया। इसके अलावा, जिला आयुक्त पराग कुमार काकती ने पत्रकारों के साथ विचार-विमर्श किया।
उन्होंने जिले में वर्तमान में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने जिले में बाढ़ के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं जैसे खाद्य, राहत शिविर आदि के बारे में भी अवगत कराया। कार्यक्रम में बाढ़ की तैयारी के संबंध में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। आयुक्त ने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद्य भंडार है और खाद्य की कोई कमी नहीं है।कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला आयुक्त पापरी दास, सहायक आयुक्त स्मृताश्री बरुआ, सांस्कृतिक अधिकारी, कलाकार और पत्रकार उपस्थित थे।

म्यूनिख विश्व कप के पहले दिन युवा निशानेबाजों पर रहेंगी निगाहें, महिला एयर राइफल व पुरुष एयर पिस्टल स्पर्धा के होंगे फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) के इस सीजन के तीसरे विश्व कप राइफल/पिस्टल चरण की शुरुआत मंगलवार, 10 जून को म्यूनिख के प्रतिष्ठित ओलंपिक शूटिंग रेंज में होगी। पहले दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें भारत के कई युवा निशानेबाज अपने पहले विश्व कप की चुनौती में उतरेंगे। भारत की ओर से महिला एयर राइफल में राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू पहली बार विश्व कप स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगी। उनके साथ आर्या बोरसे, जिन्होंने सीजन के पहले दो विश्व कप चरणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मिश्रित टीम रजत पदक जीते हैं, इस स्पर्धा में उतरेंगी। अनुभवी एलावेनिल वलारिवन सीनियर नेतृत्व की भूमिका में रहेंगी। पुरुष एयर पिस्टल में आदित्य मलरा और निशांत रावत पहली बार इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतरेंगे। साथ ही वरुण तोमर, जो चार बार के विश्व कप पदक विजेता हैं, अनुभव के साथ युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय राइफल कोच दीपाली देशपांडे ने कहा, म्यूनिख की रेंज भारतीय निशानेबाजों के लिए जानी-पहचानी है। प्रशिक्षण के दौरान सभी निशानेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और वे पूरी तरह तैयार हैं। वहीं, पिस्टल कोच समरेश जंग ने कहा, ÷खिलाड़ी फिट और मानसिक रूप से तैयार हैं। प्रतिस्पर्धा कठिन है लेकिन यदि हम अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें तो निश्चित रूप से पदक की दौड़ में रहेंगे।

निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 की उम्र में लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। पूरन के अचानक लिए गए इस फैसले ने उनके फैंस को हैरान कर दिया है। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। कुछ दिनों पहले ही साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा की थी, जिसके बाद एक और मशहूर विकेटकीपर-बल्लेबाज का संन्यास क्रिकेट प्रेमियों को चौंका गया। 29 वर्षीय निकोलस पूरन ने संन्यास का ऐलान करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, ÷मैंने काफी सोचने और विचार-विमर्श करने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। यह खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। मैरून जर्सी पहनना, एंथम के लिए खड़े होना,

और हर बार मैदान पर उतरते समय अपना सब कुछ देना... इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि इसका मेरे लिए क्या मतलब है। टीम का कप्तान होना एक ऐसा सौभाग्य है, जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा। उन्होंने आगे लिखा, फैंस के लिए- आपके अटूट प्यार के लिए धन्यवाद! आपने मुश्किल पलों में मुझे संभाला और बेहतरीन जुनून के साथ अच्छे पलों का जश्न मनाया। अपने परिवार, दोस्तों और टीम के साथियों के लिए, मैं कहना चाहूंगा कि मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद। आपके विश्वास और समर्थन ने मुझे इन सब के जरिए आगे बढ़ाया। निकोलस पूरन ने 2014 के अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया था, जिसके दो साल बाद उन्हें टी20आई फॉर्मेट में सीनियर टीम की ओर से इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। इसके बाद 2018 में पूरन ने वनडे फॉर्मेट में डेब्यू किया। शानदार प्रदर्शन को देखते हुए बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को विश्व कप 2019 के लिए टीम में मौका मिला। साल 2021 में पूरन पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के लिए कैरेबियन टीम के उप-कप्तान बने और साल 2022 में दोनों व्हाइट बॉल फॉर्मेट में कप्तानी की बागडोर संभाली। निकोलस पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ व्हाइट बॉल क्रिकेट ही खेला। उन्होंने 61 वनडे मुकाबलों में पूरन ने 39.66 की औसत के साथ 1983 रन हैं। इस दौरान पूरन ने तीन शतक और 11 अर्धशतक जड़े हैं। 106 टी20आई मुकाबलों में इस खिलाड़ी ने 13 अर्धशतक की मदद से 2275 रन बनाए। इस फॉर्मेट में उनका औसत 26.14 रहा।

पैरा केनो एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे भिंड के खिलाड़ी

एजेंसी

भिण्ड। रियांग पटाया थाईलैंड में आगामी 12 जून से 16 जून तक होने वाली पैरा केनो एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में चार एथलीट भिंड जिले से भी होंगे। यह बात भिंड किशोरी बोट क्लब संरक्षक और मध्य प्रदेश कयाकिंग कैनोइंग उपाध्यक्ष राधे गोपाल यादव ने बताई। उन्होंने बताया कि व्हीएल-1 में पूजा ओझा, व्हीएल-3 में अनुराधा श्रीवास व्हीएल-2 राजवीर सिंह और व्हीएल-3 में राधेश्याम यादव गौरी सरोवर स्थित भिंड किशोरी बोट क्लब से निकलकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भिंड का नाम रोशन कर रहे हैं। राष्ट्रीय टीम के चीफ कोच मयंक ठाकुर, और अनिल राठी ने इन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रशिक्षण कैंप के माध्यम से अभ्यास से और निखारा है। जिसकी वजह से पूरी संभावना है कि यह अपना प्रदर्शन पिछले प्रदर्शन से बेहतर करके पूरे भारत को मेडल दिलाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक खिलाड़ी 2 इवेंट में भाग लेगा जो 200 मीटर और 500 मी की स्पर्धाए होंगी। भारत से भारतीय टीम थाईलैंड के लिए निकल गई है जिसमें 22 खिलाड़ी और आठ सपोर्टिंग स्टाफ उनके साथ गया है। एशियाई चैंपियनशिप में भागीदारी के लिए चारों खिलाड़ियों को भिंड कयाकिंग कैनोइंग एसोसिएशन के पदाधिकारी राधे गोपाल यादव ,कुलदीप कुशवाह, डॉक्टर योगेंद्र यादव ,राहुल मिश्रा, गगन शर्मा ,राहुल यादव भूरे , पैरा एशियन गेम्स मेडलिस्ट गजेंद्र कुशवाह ,विजय यादव और निश्छल यादव ने बधाई दी है।

दस वर्षीय अतीका मीर ने रचा इतिहास, रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष 10 में स्थान बनाने वाली पहली भारतीय

त्रिनेक (चेक गणराज्य)। भारत की 10 वर्षीय रेसिंग प्रतिभा अतीका मीर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने प्रतिष्ठित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी के दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौवें स्थान पर समाप्ति की और इस प्रतियोगिता के शीर्ष 10 में स्थान बनाने वाली पहली भारतीय बन गईं। स्टील रिंग सर्किट पर आयोजित इस प्रतियोगिता में अक्सेल जीपी टीम का प्रतिनिधित्व कर रहीं अतीका ने प्रारंभिक समय निर्धारण (क्वालिफाइंग) में अपने समूह में सातवां स्थान हासिल किया। हालांकि, बाद की तीन हीट दौरों में उन्हें दो बम्पर दंड मिले, फिर भी उन्होंने दसवें स्थान पर रहते हुए आगे का चरण पार किया। रविवार को पूर्व-फाइनल के दौरान बारिश होने लगी, और इस मार्ग पर गीली सतह में बिना किसी पूर्व अनुभव के, अतीका ने अपनी असाधारण प्राकृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और विश्व के श्रेष्ठ चालकों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हुए अंतिम चरण के लिए स्थान सुरक्षित किया। अंतिम दौड़ और भी कठिन परिस्थितियों में हुई। अतीका ने दसवें स्थान से आरंभ किया, लेकिन शुरुआत में चार स्थान पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए नौवें स्थान पर समाप्त किया। अतीका न केवल भारत की ओर से, बल्कि एशिया की ओर से भी सबसे आगे रहने वाली चालक रहीं।

बीसीसीआई ने घोषित किया घरेलू सीजन और साउथ अफ्रीका-ए सीरीज का संशोधित कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025 के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सीजन और साउथ अफ्रीका ए टीम के भारत दौरे के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) इस दौरान वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। इस सीरीज का दूसरा टेस्ट, जो पहले कोलकाता में होना था, अब दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से शुरू होगा, जिसे दिल्ली से बदलकर अब कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शिफ्ट कर दिया गया है। महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वनडे सीरीज के वेन्यू भी बदले गए हैं। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचों के मरम्मत कार्य के चलते यह बदलाव किया गया है। अब सीरीज के पहले दो वनडे मैच न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में होंगे, जबकि तीसरा और अंतिम मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

ओलंपिक विजेता मैरी टकर ने कहा- एथलीट्स को तराशने का सुनहरा मौका है शूटिंग लीग ऑफ इंडिया

नई दिल्ली। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की पहली आधिकारिक घोषणा ने जहां देश में खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट भी इस नए प्रारूप को लेकर काफी उत्साहित हैं। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट और अमेरिका की स्टार शूटर मैरी टकर ने इस लीग में हिस्सा लेने की अपनी उत्सुकता जाहिर की है। 23 वर्षीय टकर एनसीएए के तहत यूनिवर्सिटी ऑफ केंटकी और वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी की ओर से खेल चुकी हैं। वह जर्मनी की बुंदेसलीगा में साल्टेंडॉर्फ क्लब का हिस्सा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टीम फॉर्मेट में खेलने का अनुभव है और यही चीज उन्हें एसएलआई की ओर आकर्षित कर रही है। मैरी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं लीग्स को लेकर हमेशा उत्साहित रहती हूं। एनसीएए और बुंदेसलीगा में खेलने का अनुभव मुझे टीम भावना की अहमियत सिखा चुका है।

मैनचेस्टर सिटी ने वुल्व्स से डिफेंडर रयान एइत-नूरी को किया साइन

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने अल्जीरियाई लेफ्ट-बैक रयान एइत-नूरी को वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से साइन कर लिया है। एइत-नूरी ने मेडिकल परीक्षण पास करने के बाद क्लब के साथ पांच साल का करार किया है। यह डील 3.1 करोड़ पाउंड (लगभग 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पूरी हुई है। मैनचेस्टर सिटी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, क्लब को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से रयान एइत-नूरी को साइन कर लिया गया है। 24 वर्षीय लेफ्ट-बैक ने एतिहाद स्टेडियम में 2030 की गर्मियों तक के लिए पांच साल का अनुबंध किया है। एइत-नूरी ने अपने बयान में कहा, यह एक आसान फैसला था। शुरुआत से ही मेरी और मेरे परिवार की पसंद मैनचेस्टर सिटी थी। मुझे इस टीम का खेलने का तरीका बहुत पसंद है। यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है - यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है। उन्होंने आगे कहा, हम जानते हैं कि यह टीम बीते कुछ वर्षों से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम रही है। खिलाड़ी शानदार हैं और कोच पेप गार्डियोला भी अद्भुत हैं - उनके साथ ट्रेनिंग करना

मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी। मैं यहां सीखने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने आया हूं। गौरतलब है कि पिछले सीजन में मैनचेस्टर सिटी के पास कोई विशेषज्ञ लेफ्ट-बैक नहीं था, ऐसे में एइत-नूरी टीम को संतुलन देने का काम करेंगे। वह इस गर्मियों में क्लब के पहले साइनिंग हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एइत-नूरी का करार समय पर पूरा हो गया है और वह 18 जून को फिलाडेल्फिया में मोरक्कन क्लब वायदाद एसी के खिलाफ होने वाले फीफा क्लब विश्व कप मुकाबले में भाग ले सकेंगे।

धोनी, हेडन, टेलर और मीर आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज़ मैथ्यू हेडन, इंग्लैंड की स्टार विकेटकीपर सारा टेलर और पाकिस्तान की दिग्गज ऑलराउंडर सना मीर सहित सात दिग्गज क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला और ग्रीम स्मिथ तथा न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी को भी इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। खास बात यह रही कि सना मीर इस सम्मान को पाने वाली पाकिस्तान की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं।

सना मीर: पाकिस्तान महिला क्रिकेट की मिसाल

सना मीर ने 2005 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था और 120 वनडे तथा 106 टी20 मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 72 वनडे और 65 टी20 में टीम की कप्तानी की। एशियन गेम्स 2010 और 2014 में पाकिस्तान को दो स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मीर ने 151 वनडे विकेट लिए और 2018 में आईसीसी की वनडे गेंदबाज़ी रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया था। सम्मान प्राप्त करने के बाद मीर ने भावुक होकर कहा, एक छोटे से सपने से शुरू होकर यहां तक पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह सम्मान मेरे लिए अविश्वसनीय है और मैं खेल को आगे भी अपना योगदान देती रहूंगी।

महेंद्र सिंह धोनी: एक युग का नेतृत्व

धोनी ने 2007 में भारत को पहला टी20 विश्व कप जिताया और फिर 2011 में वनडे विश्व कप में विजयी छक्का लगाकर भारत को घरेलू सरजमीं पर पहली बार चैंपियन बनाया। 2013 में उनकी कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती, और वह तीनों आईसीसी श्वेत-बॉल ट्रॉफी जीतने वाले इकलौते कप्तान बने। 350 वनडे में उन्होंने 10,000 से अधिक रन बनाए और 50 से ऊपर की औसत से अपने करियर का समापन किया। धोनी ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में नाम जुड़ना मेरे करियर का एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। यह सम्मान मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।

मैथ्यू हेडनःआक्रामकता का प्रतीक

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज हेडन 2003 और 2007 की विश्व विजेता टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने 2007 विश्व कप में तीन शतक लगाए और टेस्ट क्रिकेट में 30 शतक के साथ 50 से अधिक की औसत से रिटायर हुए।

हाशिम अमला और ग्रीम स्मिथ: दक्षिण अफ्रीका की शान

अमला दक्षिण अफ्रीका के पहले बल्लेबाज़ थे जिन्होंने टेस्ट में तिहरा शतक जड़ा (311* बनाम इंग्लैंड, 2012)। उन्होंने सभी प्रारूपों में मिलाकर 55 से अधिक शतक बनाए।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैम्पियनशिप में वापसी करेंगे विश्वनाथन आनंद

एजेंसी

लंदन। पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन विश्वनाथन आनंद एक बार फिर एक्शन में नजर आएंगे। वे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैम्पियनशिप में 'फ्रीडम' टीम का हिस्सा होंगे, जिसका नेतृत्व खुद फिडे के सीईओ एमिल सुटोव्सकी कर रहे हैं। आनंद अपनी टीम में अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही ड्बक्र चेस टीम की कमान रूस के इयान नेपोम्नियाची के हाथों में होगी। यह टूर्नामेंट इस बार नॉर्वे के विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन की अनुपस्थिति में हो रहा है, जिन्होंने फिडे के इस आयोजन में भाग लेने से इनकार कर दिया है। भारत की ओर से WR चेस टीम में अर्जुन एरिगैसी टॉप बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे, जिनका साथ देंगे पी. हरिकृष्णा दूसरे बोर्ड पर।

विश्व जूनियर चैम्पियन वी. प्रणव की उपस्थिति टीम को और मजबूती देती है। उनके साथ ल्यूक लियोन मेंडोंसा भी टीम में हैं, जिन्हें डी. गुकेश, अर्जुन, आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चितांबरम की चौकड़ी के बाद भारत का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा है।

वहीं, भारत के युवा ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन इस बार 'एशडॉड एलीट चेस क्लब' की ओर से खेलेंगे, जो इस प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त टीम है। निहाल और आनंद अपने-अपने बोर्ड पर टॉप सीड के रूप में खेलेंगे। हालांकि टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन और डी. गुकेश जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति खलेगी, लेकिन इसके बावजूद प्रतिस्पर्धा जबरदस्त रहने की उम्मीद है। ड्बक्र चेस टीम खिताब की प्रबल दावेदार है, जिसमें नेपोम्नियाची के अलावा अलीरेज़ा फिरौजा, मैक्सीम वाशिए-लाग्रेव, हिकारू नाकामुरा, अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक और वेस्ली सो जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में हर राउंड में एक महिला खिलाड़ी और एक ऐसा खिलाड़ी शामिल होना जरूरी है जिसकी रेटिंग 2200 से कम हो। इस अनोखे नियम के चलते यह टूर्नामेंट अन्य टीम इवेंट्स से कहीं अधिक रोचक बन जाता है।

विजेता टीम को 1,10,000 अमेरिकी डॉलर और उपविजेता को 75,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि प्रदान की जाएगी। भारतीय टीम की उम्मीदें काफी हद तक अर्जुन एरिगैसी के प्रदर्शन पर टिकी होंगी। अब देखना यह होगा कि क्या भारतीय खिलाड़ी टीम को खिताब के करीब पहुंचा पाते हैं या नहीं।

ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारत का स्वर्णिम प्रदर्शन, बरेका के रोहित यादव ने भाला फेंक में रचा इतिहास

एजेंसी

वाराणसी। ताइपेई (ताइवान) में आयोजित ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2025 के अंतिम दिन बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका)में कार्यरत रोहित यादव ने भाला फेंक में स्वर्णिम प्रदर्शन किया। रोहित यादव ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में 74.42 मीटर की दूरी तय कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस उपलब्धि पर बरेका में हर्ष का माहौल है। बरेका महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सह बरेका खेलकूद संघ के अध्यक्ष एस.के. श्रीवास्तव, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर उत्पादन एवं विपणन सह महासचिव सुनील कुमार,उप महाप्रबंधक अनुज कटियार,वरिष्ठ खेल अधिकारी बहादुर प्रसाद एवं जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार सहित प्रशिक्षकों खिलाड़ियों एवं रेल परिवार ने रोहित यादव को जीत पर बधाई दी। इस दौरान बरेका महाप्रबंधक ने कहा कि रोहित यादव ने अपने कठिन परिश्रम और लगन से यह सिद्ध कर दिया है, कि बरेका केवल रेल इंजनों के उत्पादन में ही नहीं, बल्कि खेल प्रतिभा के निर्माण में भी अग्रणी है। रोहित की यह जीत 'मेक इन इंडिया' के साथ-साथ 'चैम्पियन्स फ्रॉम इंडिया' की अवधारणा को भी साकार करती है। बताते चले रोहित यादव, जो वर्तमान में बनारस रेल इंजन कारखाना में विद्युत विभाग में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं, ने यह अद्भुत प्रदर्शन करके न केवल भारत का तिरंगा गर्व से लहराया।

भारत ए बनाम इंग्लैंड लायंस- कोटियन-कंबोज की शानदार साझेदारी, दूसरा अनौपचारिक टेस्ट ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट सकारात्मक अंदाज में समाप्त किया। मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन अंतिम दिन भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया। अंतिम दिन भारत ए ने सिर्फ तीन विकेट खोकर 254 रन बनाए और कुल स्कोर 417/7 तक पहुँचते ही पारी घोषित कर दी।मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहा तनीष कोटियन (नाबाद 90) और अंशुल कंबोज (नाबाद 51) के बीच आठवें विकेट के लिए हुई 149 रनों की बेमिसाल साझेदारी। इस जोड़ी ने इंग्लैंड लायंस के गेंदबाजों को पूरी तरह थका दिया और भारत की पकड़ को मजबूत किया।दिन की शुरुआत नितीश रेड्डी और ध्रुव जुरेल ने की। शुरुआती परेशानियों के बावजूद जुरेल ने दो चौके लगाकर लय हासिल की,

लेकिन वे 28 रन बनाकर एडी जैक की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर और नितीश रेड्डी ने आक्रामक रुख अपनाया। ठाकुर ने फारहान अहमद की गेंदों पर लगातार दो छक्के लगाए, वहीं नितीश ने 42 रन बनाए। दोनों बल्लेबाज लंच से पहले जॉर्ज हिल का शिकार बने। लंच के बाद कोटियन और कंबोज ने मोर्चा संभाला। कोटियन ने फारहान को छक्का लगाकर खाता खोला और उसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने लगातार चौके-छक्कों की बारिश की। कोटियन ने सिर्फ 60 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, वहीं कंबोज ने भी चाय से पहले छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। इसके बाद भारत ने पारी 417/7 पर घोषित कर दी। चाय के बाद के एक घंटे के खेल में 11 ओवर डाले गए जिसमें भारत ए के गेंदबाजों ने इंग्लैंड लायंस को दबाव में ला दिया। तुषार देशपांडे ने टॉम हेंस को नितीश रेड्डी के हाथों कैच कराया। इसके बाद अंशुल कंबोज ने एक ही ओवर में एमिलियो गे और जॉर्डन कॉक्स को आउट कर विपक्षी टीम को हिला दिया। इंग्लैंड लायंस ने तीन विकेट पर 32 रन बनाए थे जब मैच समाप्त घोषित किया गया।

संक्षिप्त स्कोरः भारत एः 348 और 417/7 घोषित (तनीष कोटियन 90*, अभिमन्यु ईश्वरन 80, केएल राहुल 51; जॉर्ज हिल 3/64)

इंग्लैंड लायंसः 327 और 32/3 (बेन मैककिनी 16*, अंशुल कंबोज 2/6, तुषार देशपांडे 1/13)

रोनाल्डो ने भविष्य को लेकर अटकलों पर लगाया विराम, अल-नास्र के साथ जुड़े रहेंगे

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग क्लब अल-नास्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुष्टि कर दी है कि वे अगला सीजन भी इसी क्लब के साथ खेलेंगे। इस घोषणा के साथ ही उनके भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया है। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपना तीसरा खिताब हासिल किया, जब पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर यूईएफए नेशंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने फाइनल मुकाबले के दूसरे हाफ में अपना 138वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया, जिससे मुकाबला 2-2 की बराबरी पर पहुंचा और फिर पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। हालांकि, रोनाल्डो शूटआउट के समय मैदान पर नहीं थे, लेकिन उन्होंने बेंच से अपनी टीम की जीत का जश्न देखा और भावुक हो गए। जीत के बाद रोनाल्डो ने सोमवार (भारतीय समयानुसार) को कहा, मेरा भविष्य कुछ खास नहीं बदलने वाला।

भारत में डिसएबिलिटी क्रिकेट को बढ़ाने के लिए जय शाह को धन्यवाद : डीसीसीआई सचिव रविकांत

एजेंसी

जयपुर(राजस्थान)। भारत में विकलांग क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष और बीसीसीआई सचिव जय शाह के समर्थन, प्रतिबद्धता के साथ आधिकारिक जर्सी और अन्य सहयोग के लिए डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के महासचिव रविकांत चौहान ने धन्यवाद किया है।इस वक्त भारतीय पुरुष मिक्स्ड डिसएबिलिटी क्रिकेट टीम 21 जून से इंग्लैंड में शुरू हो रही आगामी सात मैचों की टी20आई सीरीज के लिए जयपुर में अभ्यास कर रही है।

रविकांत चौहान ने कहा, भारत में डिसएबिलिटी क्रिकेट पिछले 40 वर्षों से खेला जा रहा है, लेकिन आज से पहले किसी तरह का कोई समर्थन नहीं मिलता था, लेकिन जैसे ही जय शाह बीसीसीआई के सचिव बने, उन्होंने हमारी मेहनत को देखा और हमारी बात सुनी। आज भारतीय टीम लॉर्ड्स में खेलने के लिए तैयार है और इसका पूरा श्रेय जय शाह जी को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, अब बीसीसीआई हमारी सभी आवश्यकताओं का ध्यान रख रही है, जिसके सहयोग से भारत इंग्लैंड के खिलाफ मिक्स्ड डिसएबिलिटी क्रिकेट सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। बीसीसीआई ने टीम की तैयारी के लिए कुकाबुरा गेंदें भी उपलब्ध कराई हैं और हमें उम्मीद है कि भविष्य में आईसीसी भी हमें समर्थन प्रदान करेगा। भारतीय टीम के कप्तान रविंद्र गोपीनाथ शांते ने कहा, भारतीय जर्सी पहनकर लॉर्ड्स जैसे ऐतिहासिक मैदान पर खेलना किसी सपने के पूरा होने जैसा है। यह क्षण बीसीसीआई सचिव जय शाह सर के समर्थन की वजह से ही आया है। हम इसका पूरा उपयोग करेंगे और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देश को गौरवान्वित करने की पुरजोर कोशिश करेंगे। उपकप्तान वीरेंद्र सिंह ने कहा, ÷डीसीसीआई की मेहनत और बीसीसीआई के समर्थन से हमें एक नई पहचान मिली है। हम अब खुद को मूल्यवान महसूस कर रहे हैं, और विश्व मंच पर खुद को साबित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फिलहाल मुख्य कोच रोहित झालानी के नेतृत्व में टीम जयपुर के जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में चल रहे ट्रेनिंग कैंप में नेट्स में खूब पसीना बहाने के साथ ही सीरीज जीतने की रणनीति बनाने में लगी हुई है। प्रशिक्षण के बारे में मुख्य कोच रोहित झालानी ने कहा, यह प्रशिक्षण शिविर हमारी तैयारी के लिए बेहद अहम है। खिलाड़ी पूरी तरह से समर्पित हैं और इंग्लैंड के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

एफआईएच प्रो लीग: रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड ने भारत को 3-2 से हराया

एजेंसी

एम्स्टलवीन (नीदरलैंड्स)। वाघनेर हॉकी स्टेडियम में खेले गए एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 के एक रोमांचक मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मेजबान नीदरलैंड्स के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से अभिषेक (20%) और जुगराज सिंह (54%) ने गोल किए, जबकि नीदरलैंड्स के लिए थाइस वान डैम (24%), टजेप होडेमेकर (33फीसदी) और जिप जैनसेन (57फीसदी) ने स्कोर किया।

भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में तेज और नियंत्रित खेल दिखाया। फारवर्ड अभिषेक ने छठे मिनट में गोल का शानदार प्रयास किया, लेकिन गेंद गोल के पास से निकल गई। भारत ने पोज़ेशन पर पकड़ बनाए रखी और नीदरलैंड्स को लगातार चुनौती दी, लेकिन पहला क्वार्टर बिना गोल के समाप्त हुआ।दूसरे क्वार्टर में भारत ने लय बरकरार रखी और 20वें मिनट में अभिषेक ने शिलानंद लाकड़ा के पास पर शानदार फिनिश कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था, जिसे उन्होंने यादगार बना दिया। लेकिन चार मिनट बाद ही

थियरी ब्रिंकमैन के असिस्ट पर थाइस वान डैम ने बराबरी का गोल कर दिया। हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने आक्रामक रवैया अपनाया। 33वें मिनट में फ्लोरिस वॉर्टलबोयर के तेज क्रॉस पर टजेप होडेमेकर ने गोल कर नीदरलैंड्स को 2-1 की बढ़त दिलाई। भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदला जा सका।

चौथे क्वार्टर में भारत ने बराबरी के लिए दबाव बढ़ाया। 54वें मिनट में चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह ने दमदार ड्रैग फ्लिक से गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद ललित उपाध्याय को बढ़त दिलाने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन डच गोलकीपर मौरिट्स विसर ने शानदार बचाव किया। फिर 57वें मिनट में नीदरलैंड्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे जिप जैनसेन ने गोल में तब्दील कर स्कोर 3-2 कर दिया। भारत ने आखिरी क्षणों तक जोर लगाया, लेकिन डच रक्षा पंक्ति ने उन्हें गोल से वंचित रखा। भारतीय टीम अब तक 10 मैचों में 15 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर है। टीम 11 जून को अर्जेंटीना के खिलाफ अगला मैच खेलेगी।

ऑडी इंडिया ने लॉंच की नयी ऑडी ए4 सिग्नेचर संस्करण, कीमत 57.11 लाख रुपये

मुंबई। जर्मन लग्जरी कार निर्माता ऑडी ने आज अपनी लोकप्रिय सेडान ऑडी ए4 के नए सिग्नेचर संस्करण को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की घोषणा की जिसकी एक्स शोरूम कीमत 57.11 लाख रुपये है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस संस्करण में कुछ एक्सक्लूसिव डिजाइन एलिमेंट दिए गए हैं जो इसकी प्रीमियम स्टाइल और शानदार लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। नई ए4 सिग्नेचर में ऑडी रिंग्स एंट्री एलईडी लैंप, एक्सक्लूसिव ऑडी रिंग्स डेकल्स और डायनैमिक व्हील हब कैप्स जैसी खूबियां शामिल हैं। यह वैरिएंट उन ग्राहकों के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है जो अपनी सेडान को स्टाइल और अलग पहचान के साथ खरीदना चाहते हैं। यह सिग्नेचर संस्करण सीमित यूनिट में उपलब्ध होगी।ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने इस मौके पर कहा ÷ऑडी ए4 हमारे सबसे लोकप्रिय सेडान मॉडलों में से एक है, जो शानदार परफॉर्मेंस और स्टाइलिश डिजाइन का बेहतरीन संयोजन पेश करती है। सिग्नेचर संस्करण के जरिये हम ग्राहकों को एक और एक्सक्लूसिव विकल्प दे रहे हैं, जिसमें आकर्षक स्टाइलिंग एलिमेंट्स इसके प्रीमियम लुक को और निखारते हैं। यह उन ग्राहकों के लिए है जो अपने वाहन के जरिये एक विशिष्ट स्टेटमेंट देना चाहते हैं।

एसपीएमसीआईएल ने 1200 करोड़ से अधिक बैंक नोट छापेः सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सेक्युरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसपीएमसीआईएल) के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुये कहा कि एसपीएमसीआईएल ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1,200 करोड़ से ज्यादा बैंक नोट छापे और 150 करोड़ प्रचलन वाले सिक्के बनाए हैं।श्रीमती सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की मौजूदगी में एसपीएमसीआईएल के कार्पोरेट कार्यालय का यहां शुभारंभ करते हुये कहा कि साथ ही 1.5 करोड़ से ज्यादा पासपोर्ट बुकलेट और 700 करोड़ से ज्यादा एक्साइज एडहेसिव लेबल तथा सरकारी एवं सार्वजनिक सेवाओं के लिए ज़रूरी डाक और सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न श्रेणियों की स्टेशनरी भी बनाई। उन्होंने कहा कि एसपीएमसीआईएल की टकसालें कीमती धातुओं के शोधन और परख में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन जारी रखे हुये हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में एसपीएमसीआईएल ने केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा हस्तांतरित जब्ती से लगभग 3.4 टन परिष्कृत सोना भारतीय रिज़र्व बैंक को दिया है। इसके अतिरिक्त उसने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और अन्य संस्थानों से प्राप्त चांदी और सोने को भी परिष्कृत किया।

चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री में नौ प्रतिशत तक की वृद्धि की संभावना : केयरएज

मुंबई। उपभोक्ता भावना में सुधार, आयकर छूट और अनुकूल मौद्रिक नीतियों जैसी सकारात्मक आर्थिक परिस्थितियों की बदौलत वित्त वर्ष 2025-26 में देश का दोपहिया वाहन उद्योग आठ-नौ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ कोविड-पूर्व बिक्री स्तरों को पार कर सकता है।केयरएज रेटिंग्स की जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में मोटरसाइकिल की बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि इसके पिछले वर्ष आठ प्रतिशत रही थी। वहीं, स्कूटर की बिक्री में उल्लेखनीय रूप से 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह सकारात्मक रुझान आगामी वर्ष में भी जारी रहने की उम्मीद है, हालांकि उच्च आधार प्रभाव और ओबीडी-द्वितीय चरण-बी उत्सर्जन मानदंडों के लागू होने के चलते कुछ हद तक गति में नरमी आ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 के उच्च आधार और ओबीडी-2 चरण-बी उत्सर्जन मानकों के प्रभाव से वृद्धि की गति कुछ हद तक धीमी पड़ सकती है, फिर भी समग्र परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। मुद्रास्फीति में नरमी, 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट से उपभोक्ताओं की क्रयशक्ति में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फरवरी और जून 2025 में कुल 150 आधार अंकों की ब्याज दर कटौती जैसे कारक मांग को बढ़ावा देने में सहायक होंगे। इसके अलावा अनुकूल मानसून की संभावना भी ग्रामीण मांग को प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे बिक्री में और मजबूती आने की उम्मीद है।

फ्लाई91 सेन सोलापुर से गोवा के लिए शुरू की उड़ान सेवा

सोलापुर/ पणजी। आंचलिक मार्गों पर सेवायें दे रही एयरलाइन फ्लाई91 ने गोवा-सोलापुर-गोवा मार्ग पर परिचालन शुरू किया। एयरलाइन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस मार्ग पर उसकी पहली उड़ान का महाराष्ट्र में सोलापुर हवाई अड्डे पर पारंपरिक जल तोप की सलामी के साथ उद्घाटन किया गया। सोलापुर से गोवा के लिए फ्लाई91 की सेवा को केंद्रीय नागरिक उड्डयन और सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने समारोह पूर्वक हरी झंडी दिखा कर गोवा के लिए प्रस्थान कराया। समारोह में सोलापुर जिले के संरक्षक मंत्री जयकुमार गोरे, कई विधायक, प्रशासन , भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और फ्लाई91 के अधिकारी उपस्थित थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस तथा उप मुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे ने इस अवसर पर शुभकामना संदेश भेजा था।

क्यूसीआई ने विश्व प्रत्यायन दिवस पर नया एनएबीएल पोर्टल लॉन्च किया

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) ने विश्व प्रत्यायन दिवस 2025 को एक नए सिरे से तैयार किए गए एनएबीएल पोर्टल लॉन्च किया। क्यूसीआई ने इस अवसर पर गुणवत्ता और अनुरूपता के माध्यम से छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सशक्त बनाने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में विश्व प्रत्यायन दिवस 2025 पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेता, नीति निर्माता और प्रत्यायन निकाय एक साथ आए और भारतीय एमएसएमई के लिए नवाचार, प्रतिस्पर्धात्मकता और बाजार पहुंच को बढ़ावा देने में प्रत्यायन की रणनीतिक भूमिका पर जोर दिया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण संशोधित एनएबीएल पोर्टल का

शुभारंभ करना था, जिसका उद्देश्य प्रत्यायन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और विशेष रूप से प्रयोगशालाओं और एमएसएमई के लिए डिजिटल पहुंच को बढ़ाना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया, आईएएस ने सभा को संबोधित करते हुए भारतीय एसएमई को घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाने के लिए प्रत्यायन के महत्व को चिन्हित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता को बनाए रखने, निर्यात को समर्थन देने और समावेशी एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमाणन और मूल्यांकन निकाय आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय गुणवत्ता परिषद के अध्यक्ष जैक्सय शाह ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि मान्यता वैश्विक विश्वास का प्रवेश द्वार है। उन्होंने एमएसएमई को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ढालने, अस्वीकृति दरों को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने और नए बाजारों तक पहुंचने में मदद करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया। उद्घाटन सत्र के बाद, एक तकनीकी सत्र और समवर्ती सीईओ फोरम में विशेषज्ञों के नेतृत्व में चर्चा हुई कि कैसे प्रत्यायन विभिन्न क्षेत्रों में एमएसएमई विकास को गति दे सकता है। पैनलिस्टों ने डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सक्षम बनाने, प्रमाणित प्रबंधन प्रणालियों और उत्पादों का समर्थन करने, तीसरे पक्ष के निरीक्षण को बढ़ावा देने, टिकाऊ विनिर्माण को आगे बढ़ाने और शुद्ध-शून्य लक्ष्यों में योगदान देने में मान्यता की भूमिका पर अंतर्दृष्टि साझा की।उल्लेखनीय है कि हर साल 9 जून को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला विश्व प्रत्यायन दिवस गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, वैश्विक व्यापार को सक्षम बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में प्रत्यायन की भूमिका पर प्रकाश डालता है।

सीतारमण ने की एनआईआईएफ के प्रदर्शन की समीक्षा

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) के प्रदर्शन की समीक्षा की। श्रीमती सीतारमण ने इस मौके पर राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष ट्रस्टी लिमिटेड की गवर्निंग काउंसिल की छठी बैठक की अध्यक्षता भी की। इसमें वित्त सचिव एवं आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ, वित्तीय सेवा मामलों के सचिव एम. नागराजू, वित्त मंत्रालय तथाएन आई आई एफ के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा गवर्निंग काउंसिल के अन्य सदस्य शामिल थे। बैठक के दौरान मौजूदा एनआईआईएफ फंड के प्रदर्शन पर चर्चा की गई और वित्त मंत्री तथा अन्य काउंसिल के सदस्यों द्वारा एनआईआईएफ की मौजूदा रणनीति के साथ-साथ एक संस्था के रूप में एनआईआईएफ के भविष्य के दृष्टिकोण पर चर्चा की गई जिसमें एनआईआईएफ द्वारा जुटाए जाने वाले अगली पीढ़ी के फंड की प्रकृति और आकार और पूंजी जुटाने के लिए नए रास्ते तलाशना शामिल है। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचे और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में पूंजी जुटाने में एनआईआईएफ की बढ़ती भूमिका को मान्यता देते हुए काउंसिल ने एनआईआईएफ के प्रदर्शन की सराहना की और इसके प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों में विस्तार के बारे में बताया जो 30,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है जबकि 11,7000 करोड़ रुपए की पूंजी को उत्प्रेरित किया है। काउंसिल को एनआईआईएफ की समग्र रणनीति, प्रगति, निवेश की स्थिति, क्षेत्र फोकस, प्रदर्शन और इसके चार सक्रिय फंडों में आगे की राह के बारे में जानकारी दी गई जिसमें बुनियादी ढांचे के लिए फंड (मास्टर फंड), फंड ऑफ फंड्स (प्राइवेट मार्केट्स फंड), जलवायु और स्थिरता के साथ-साथ भारत जापान कॉरिडोर (भारत जापान फंड) के लिए फंड, और ग्रोथ इक्विटी पर फोकस वाला फंड (स्ट्रेटेजिक ऑपर्च्युनिटीज फंड) शामिल है।

एचडीएफसी बैंक के सीईओ के खिलाफ एफआईआर, 2.05 करोड़ रुपये लेने का आरोप

एजेंसी
नई दिल्ली। मुंबई के लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन के खिलाफ वित्तीय धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई है। एचडीएफसी बैंक ने इन आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है।

बैंक ने एक बयान में बताया है कि लीलावती कीर्तिलाल मेडिकल ट्रस्ट के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वो अपने सीईओ के साथ खड़ा है। इस मामले में हर कानूनी रास्ता अपनाएगा।

इस बीच मेहता परिवार ने एचडीएफसी बैंक में शशिधर जगदीशन को सभी भूमिकाओं से निलंबित करने की मांग की है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) जैसी नियामक संस्थाओं से कार्रवाई करने का आग्रह किया है। मुंबई के

प्रसिद्ध लीलावती अस्पताल की देखरेख करने वाले ट्रस्ट ने वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, जिसके बाद बॉम्बे मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश पर एक एफआईआर दर्ज की गई थी। ट्रस्ट का दावा है कि शशिधर जगदीशन ने उनके एक पूर्व मेंबर से 2.05 करोड़ रुपये लिए, जिसका मकसद ट्रस्ट के एक मौजूदा मेंबर के पिता को परेशान करना था। एफआईआर में एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और पूर्व कर्मचारियों सहित अन्य पर ट्रस्ट से जुड़े फंड का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है।

डीआरआई ने मणिपुर में 55.52 करोड़ रुपये की ड्रग्स और नकदी जब्त की, पांच गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। मणिपुर में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), सीमा शुल्क, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान करीब 55.52 करोड़ रुपये की ड्रग्स और नकदी जब्त की गई। इस मामले में पांच लोगों की गिरफ्तार भी हुई है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक पूर्वोत्तर क्षेत्र में तस्करी और तस्करी के खिलाफ लड़ाई जारी रखते हुए डीआरआई, सीमा शुल्क, 17 बीएन असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने 5-7 जून को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में ऑपरेशन व्हाइट वेल नामक एक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान करीब 55.52 करोड़ रुपये की ड्रग्स और नकदी जब्त की गई, जबकि पांच लोगों की गिरफ्तार हुई है।मंत्रालय के मुताबिक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने इस अभियान के दौरान 54.29 करोड़ रुपये की 7,755.75 ग्राम हेरोइन और 87.57 लाख रुपये बाओफेंग वॉकी-टॉकी और 1 मारुति ईको वैन जब्त की गई है। पांच लोगों को गिरफ्तार करके

की 6,736 ग्राम अफीम जब्त की है, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय ग्रे ड्रग मार्केट में 35.63 लाख रुपये बताई गई है। इस दौरान दो उनके खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

केंद्र ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण को बढ़ावा देने को एसईजेड सुधारों को अधिसूचित किया

एजेंसी
नई दिल्ली।केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण क्षेत्रों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) नियमों में अग्रणी सुधार को अधिसूचित किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि एसईजेड नियम, 2006 के नियम 5 में संशोधन के बाद विशेष रूप से सेमीकंडक्टर या इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण को लेकर स्थापित किए जाने वाले एसईजेड के लिए न्यूनतम 10 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी, जो पहले 50 हेक्टेयर की आवश्यकता से कम है। इन संशोधनों को वाणिज्य विभाग ने 3 जून, 2025 को अधिसूचित किया है। इन संशोधनों से देश में उच्च तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, सेमीकंडक्टर विनिर्माण परितंत्र का विकास होगा और देश में उच्च

कौशल वाली नौकरियां पैदा होंगी। मंत्रालय के मुताबिक एसईजेड के लिए अनुमोदन बोर्ड ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण एसईजेड की स्थापना के लिए क्रमशः माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एमएसटीआई) और हुबली ड्यूरेबल गुड्स क्लस्टर प्राइवेट लिमिटेड (एक्वस ग्रुप) से प्राप्त प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। माइक्रोन गुजरात के साणंद में 37.64 हेक्टेयर क्षेत्र में 13,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से अपना विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) स्थापित करेगी, जबकि एक्वस कर्नाटक के धारवाड़ में 11.55 हेक्टेयर क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण के लिए अपना एसईजेड स्थापित करेगी।

उल्लेखनीय है कि इसके अलावा एसईजेड नियम, 2006 के नियम 7 में संशोधन से एसईजेड के लिए अनुमोदन बोर्ड को एसईजेड भूमि को केंद्र या राज्य सरकार या उनकी अधिकृत एजेंसियों के पास बंधक या पट्टे पर दिए जाने के मामले में ऋण-मुक्त होने की शर्त में भी ढील दी गई है। संशोधित नियम 53 के तहत निःशुल्क आधार पर प्राप्त और आपूर्ति की गई वस्तुओं के मूल्य को शुद्ध विदेशी मुद्रा (एनएफई) गणना में शामिल किया जाएगा और लागू सीमा शुल्क मूल्यांकन नियमों का उपयोग करके उसका मूल्यांकन किया जाएगा।

एरिक्सन को भारती एयरटेल से मिला बहु-वर्षीय प्रबंधित सेवा अनुबंध

एजेंसी
नई दिल्ली।दूरसंचार कंपनियों के लिए उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी एरिक्सन को भारती एयरटेल द्वारा बहु-वर्षीय केंद्रीकृत नेटवर्क संचालन केंद्र (एनओसी) प्रबंधित सेवा (एमएस) अनुबंध मिला है। कंपनी ने यहां कहा कि यह अनुबंध दोनों कंपनियों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को और मजबूत करता है। यह रणनीतिक समझौता प्रबंधित सेवाओं में एरिक्सन के नेतृत्व को रेखांकित करता है और एयरटेल ग्राहकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस समझौते के तहत एरिक्सन अपने एनओसी द्वारा संचालित इरादे-आधारित संचालन को सक्षम करेगा, ताकि 4जी, 5जी एनएसए, 5जी एसए, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस , निजी नेटवर्क और नेटवर्क स्लाइसिंग में एयरटेल सेवाओं का प्रबंधन किया जा सके। इस साझेदारी में एरिक्सन देश भर में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस और नेटवर्क स्लाइसिंग को बढ़ाते हुए अपने अत्याधुनिक एनओसी के

airtel | ERICSSON

माध्यम से एयरटेल के पूरे देश में नेटवर्क का प्रबंधन करेगा। भारती एयरटेल के साथ एरिक्सन की 25 साल से अधिक पुरानी साझेदारी, मोबाइल संचार प्रौद्योगिकी की कई पीढ़ियों को शामिल करती है। यह घोषणा 5जी विकास को आगे बढ़ाने के लिए 5जी कोर पर भारती एयरटेल के एरिक्सन के साथ सहयोग के तुरंत बाद की गई है।

पेटीएम ने लॉन्च की पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी सुविधा, ऐसे करें इस्तेमाल

एजेंसी
नई दिल्ली।ऑनलाइन भुगतान और वित्तीय सेवा वितरण कंपनी पेटीएम ने व्यक्तिगत यूपीआई आईडी लॉन्च किया है।ये सुविधा भुगतान गोपनीयता को बढ़ाएगी और मोबाइल नंबर के खुलासे को रोकेगी। पेटीएम की इस नई सर्विस के तहत अब उपभोक्ता अपनी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी बना सकते हैं। पेटीएम की इस नई सर्विस से यूजर्स अपने मोबाइल नंबर को प्राइवेट रख सकते हैं, जिससे उनकी प्राइवेसी बढ़ेगी। पेटीएम की नई पेशकश नई पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी में आप नाम@ptyes और नाम@pta&is जैसी UPI आईडी भी बना सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति अपने मोबाइल नंबर बताए बिना पैसे भेज और प्राप्त कर सकते हैं। ये सुविधा वर्तमान में यस बैंक और एक्सिस बैंक द्वारा जारी किए गए हैंडल पर लाइव है और जल्द ही इसे

अन्य बैंकिंग भागीदारों तक बढ़ाया जाएगा। पेटीएम की इस नई सर्विस के तहत अब उपभोक्ता अपनी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी बना सकते हैं। पेटीएम की इस नई सर्विस से यूजर्स अपने मोबाइल नंबर को प्राइवेट रख सकते हैं, जिससे प्राइवेसी बढ़ती है। पेटीएम के मुताबिक व्यक्तिगत यूपीआई आईडी के साथ पेटीएम का लक्ष्य अधिक गोपनीयता प्रदान करना है। कंपनी का कहना है कि जब कोई उपयोगकर्ता अपने व्यक्तिगत यूपीआई आईडी का उपयोग करके पैसे भेजता या प्राप्त करता है, तो उसका मोबाइल नंबर लेन-देन विवरण से छिपा रहता है। कंपनी का दावा है कि यह व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा करता है, जबकि व्यक्तियों को एक अद्वितीय और आसानी से पहचाने जाने योग्य भुगतान पहचान बनाने की अनुमति देता है। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा, हमने भुगतान में अधिक विकल्प और गोपनीयता प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत यूपीआई आईडी पेश की है। प्रवक्ता ने कहा कि हमने अपने ग्राहकों से प्रतिक्रिया सुनी जो अपने मोबाइल नंबर को निजी रखना चाहते थे और इस जरूरत को पूरा करने के लिए यह समाधान बनाया। हम विचारशील नवाचारों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो भुगतान को सभी के लिए सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक बनाते हैं।

स्टेट बैंक ने सरकार को दिया 8076.84 करोड़ रुपये का लाभांश

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने 8,076.84 करोड़ रुपये के लाभांश का चेक सौंपा।

इस अवसर पर वित्त सचिव अजय सेठ और वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) सचिव एम. नागराजू भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सी. एस. श्रीनिवास सेट्टी से केंद्रीय वित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8,076.84 करोड़ रुपये का लाभांश चेक प्राप्त हुआ। ये राशि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 6,959 करोड़ रुपये के लाभांश से अधिक है, जो एसबीआई के उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय स्टेट बैंक

एक भारतीय बहुराष्ट्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक के साथ वित्तीय सेवा निकाय है। इसका मुख्यालय मुंबई में है। बैंक की परिसंपत्तियों के हिसाब से 23 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है, जबकि कुल ऋण और जमा बाजार में इसकी हिस्सेदारी 25 फीसदी है। यह करीब 250,000 कर्मचारियों के साथ भारत का दसवां सबसे बड़ा नियोक्ता भी है।

अधिकांश खाद्य तेल सस्ते

एजेंसी
नई दिल्ली।विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेल 953 रुपये प्रति क्विंटल तक सस्ते हो गए, जबकि अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 14 रिंगिट बढ़कर 3925 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.02 सेंट की गिरावट के साथ 47.49 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी का रुख रहा। मूंगफली तेल 110 रुपये, सोया रिफाइंड 219 रुपये, पाम ऑयल 521 रुपये और वनस्पति तेल के भाव 953 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गए। वहीं, सरसों तेल और सूरजमुखी तेल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

एजेंसी
नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही घरेलू शेयर बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। लगभग पूरे दिन बाजार में लिवाली और बिकवाली के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। दिनभर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज के कारोबार के दौरान रियल्टी सेक्टर को छोड़कर शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। सबसे अधिक तेजी बैंकिंग, आईटी और मीडिया सेक्टर के शेयरों में दर्ज की गई। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर, टेक, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 4 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 455.08 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.95 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,335 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,805 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,399 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 131 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,642 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,870 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 772 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 385.56 अंक की मजबूती के साथ 82,574.55 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का जोर बन गया, जिसके कारण दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 480.01 अंक की तेजी के साथ 82,669 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2ः30 बजे के करीब ये सूचकांक गिर कर 82,369.24 अंक तक आ गया। इस गिरावट के बाद एक बार फिर खरीदारों ने जोर लगाया, जिससे सेंसेक्स 256.22 अंक की तेजी के साथ 82,445.21 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 157.05 अंक उछल कर 25,160.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवाली और बिकवाली के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा।

करीना कपूर

को क्या हो गया? सामने आया ऐसा वीडियो, देखकर टेंशन में आए फैंस

अपने चाहने वालों के बीच बेबो के नाम से मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर हमेशा खुश दिखती हैं. वो जब कभी भी कहीं स्पॉट होती हैं, तो मुस्कुराते हुए नजर आती हैं. हालांकि, अब उनका एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें वो थोड़ा परेशान दिख रही हैं. वीडियो देख उनके फैंस भी टेंशन में आ गए हैं और कमेंट कर रहे हैं कि करीना को क्या हो गया है.दरअसल, हाल ही में करीना कहीं स्पॉट हुईं. पैपराजी इंस्टैंट बॉलीवुड ने उनका वीडियो शेयर किया है. वीडियो में वो काफी इमोशनल दिख रही हैं. वीडियो शेयर करते हुए पैपराजी ने लिखा, "OMG करीना भावुक दिख रही हैं." जैसे ही ये वीडियो सामने आया, लोगों कमेंट करने लगे और पूछने लगे कि उन्हें क्या हुआ है.

सोनम के बर्थडे पार्टी के बाद का वीडियो

बहरहाल, ये वीडियो उस दौरान का मालूम हो रहा है जब वो सोनम कपूर की बर्थडे पार्टी में पहुंची थीं. दरअसल, सोनम का बर्थडे 9 जून को है. इसको लेकर उन्होंने एक पार्टी रखी थी, जिसमें करीना कपूर भी शामिल हुई थीं. ऐसा लग रहा है कि ये वीडियो उस पार्टी के बाद का ही है.
करीना की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है. जब कभी भी भी उनका ऐसा कोई वीडियो सामने आता है, तो फैंस भी उन्हें देख टेंशन में आ जाते हैं. वो पिछले 25 सालों से बॉलीवुड का हिस्सा हैं. उन्होंने साल 2000 में अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपने करियर की शुरुआत की थी. उसके बाद उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक से बढ़कर ढेरों हिट फिल्मों के जरिए लोगों को काफी एंटरटेन किया.

जब अमिताभ बच्चन ने डायरेक्टर से मांगा पत्नी का नंबर, फिर फोन लगाकर दिया था ये ऑफर

अमिताभ बच्चन ने साल 1969 में आई फिल्म 'सात हिन्दुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर का आगाज किया था. ये फिल्म तो फ्लॉप रही लेकिन बिग बी ने हिंदी सिनेमा में काम करना जारी रखा और कुछ सालों के बाद 1973 की पिक्चर 'जंजीर' से वो स्टार बन गए थे, जबकि 1975 की 'शोले' जैसी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर देने के बाद उनके सुपरस्टार बनने की शुरुआत हो गई. इसके बाद वो हिंदी सिनेमा के सबसे पॉपुलर कलाकार भी कहलाए.अमिताभ बच्चन ने भारतीय सिनेमा में जो मुकाम हासिल किया है वो कोई और सितारा नहीं कर पाया. फैंस तो उन्हें खूब पसंद करते हैं हीं, वहीं एक्टर और एक्ट्रेस के अलावा डायरेक्टर-प्रोड्यूसर भी अमिताभ के कायल हैं. अमिताभ के चाहने वालों और उन्हें पसंद करने वालों में डायरेक्टर रूमी जाफरी भी शामिल हैं. बिग बी संग उनका रिश्ता बेहद खास है. इसका सबसे बड़ा उदाहरण बिग बी के 60वें जन्मदिन पर देखने को मिला था. तब अमिताभ बच्चन ने आगे रहकर रूमी की वाइफ को कॉल किया था और उन्हें अपने जन्मदिन की पार्टी में आने का न्योता दिया था.

बिग ने रूमी से मांगा उनकी पत्नी का नंबर

जो किस्सा हम आपको सुना रहे हैं वो खुद रूमी जाफरी ने शेयर किया था. रूमी ने बताया था कि बिग बी ने अपने 60वें बर्थडे पर एक पार्टी रखी थी. बर्थडे पर रूमी ने बिग बी को फोन लगाया और उन्हें बधाई दी. तब अमिताभ ने कहा सिर्फ फोन पर बधाई दे रहे हो. शाम को घर आओ और दो. लेकिन तब रूमी ग्रीस में थे और अपनी एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे. तब अमिताभ ने कहा ठीक है हनान (रूमी जाफरी की वाइफ) को भेजो. रूमी ने कहा वो अकेले फिल्मी पार्टी में नहीं जाती हैं. तब अमिताभ ने कहा ये फिल्मी पार्टी नहीं, मेरा जन्मदिन है. इस पर रूमी ने बिग बी से माफी मांगी थी और बोले मेरे मुंह से निकल गया. फिर बिग बी ने रूमी से हनान का फोन नंबर मांगा था.

हनान को दिया बर्थडे पार्टी में आने का न्योता

अमिताभ ने तुरंत हनान को कॉल किया और उन्हें अपनी बर्थडे पार्टी में बुलाया. फिर हनान ने रूमी से बात की. हनान ने बताया कि बच्चन साहब का फोन आया था और वो हैरान रह गई. हनान की सांसें फूली हुई थीं और वो बहुत अचम्भे में भी थीं. हनान ने रूमी को सब कुछ बताया. इसके बाद हनान अपनी बहन के साथ अमिताभ बच्चन के बर्थडे पर उनके घर गई थीं.